खबरों के 69 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump.com
पत्र नहीं मित्र
संपर्क करें ➸ jabdesh1@yahoo.com

देशबन्धु

जबलपुर, गुरुवार 01 मई 2025 । वर्ष - 69 । अंक - 165 । पृष्ठ - 12 । मूल्य - 3.00 रु.

■ राहुल से नहीं आतंकवाद से... ■ क्या मोदी पाकिस्तान के ... 04
■ पहलगाम हमले पर अब पाकिस्तान का... ■ इजरायल से तनातनी के बीच ईरान ने... 09
■ आरबीआई ने बढ़ाई सोना खरीद... ■ केसर की कीमत बढ़कर 5 लाख प्रति किलो पर 11
■ मुंबई इंडियन्स का... ■ हमारा ध्यान अगला... 10

आईपीएल में आज

राजस्थान विरूद्ध मुंबई (जयपुर) 7.30 शाम से

बिहार चुनाव से पहले मोदी ने विपक्ष से छीना मुद्दा

जनगणना के साथ ही होगी जातिगत गणना

नई दिल्ली, देशबन्धु। बिहार चुनाव से ठीक पहले भाजपा ने विपक्षी दलों को एक और झटका दिया है। मोदी कैबिनेट की बैठक में सरकार ने अगली जनगणना के साथ ही जाति जनगणना कराने का फैसला किया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के सियासी तरकश से एक और तीर निकाल लिया है। इंडिया गठबंधन के कई नेता और खासकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी लगातार अपनी सभाओं और पदयात्राओं में जाति जनगणना की मांग कर रहे थे लेकिन अचानक इसका फैसला कर प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी दलों से उसका मुद्दा छीनने की कोशिश की है। इस ऐलान के बाद लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इसे कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की जीत बताई है। वहीं सपा ने कहा है कि-जनता की मांग हमने उठाई थी और देर से ही सही लेकिन सरकार को झुकना पड़ा।

- ♦ जाति जनगणना पर वैष्णव ने कही ये बात
- ♦ 166.8 किलोमीटर लंबे 4 लेन हाइवे को मंजूरी

यह कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की जीत : राहुल

जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी की बात राहुल गांधी और कई अन्य विपक्षी दलों के नेता लंबे समय से करते रहे हैं। इसके लिए जाति जनगणना को पहली सीढ़ी बताते रहे हैं। कांग्रेस शासित कुछ राज्यों में इस तरह का जातीय सर्वे कराने का निर्देश भी राहुल गांधी दे चुके हैं लेकिन देशव्यापी जाति जगगणना कराने का फैसला कर मोदी सरकार ने कांग्रेस के सामने लंबी लकीर खींच दी है। कर्नाटक ने हाल ही में इस तरह की कोशिश की लेकिन उस रिपोर्ट को सदन के टेबल पर नहीं रखा जा सका और उस पर विवाद हो उठा है। कांग्रेस समेत राजद, समाजवादी पार्टी और डीएमके सरीखी पार्टियां भाजपा को जाति जनगणना का विरोधी करार देती रही हैं लेकिन पीएम मोदी के इस एक दांव ने उनके आरोपों की धज्जियां उड़ा दी हैं। पीएम मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को सुपर कैबिनेट की मीटिंग हुई थी, इसमें केंद्रीय मंत्रिमंडल के कुछ टॉप मंत्री मौजूद रहे थे। राजनीतिक मामलों की कैबिनेट ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

हम संघियों को अपने एजेंडे पर नचाते रहेंगे : लालू

पटना। एक्स पर एक पोस्ट में राजद नेता लालू ने लिखा, जिसे हम समाजवादी जैसे आरक्षण, जातिगणना, समानता, बंधुत्व, धर्मनिरपेक्षता इत्यादि 30 साल पहले सोचते हैं उसे दूसरे लोग दशकों बाद फॉलो करते हैं। जातिगत जनगणना की मांग करने पर हमें जातिवादी कहने वालों को करारा जवाब मिला। अभी बहुत कुछ बाकी है। हम इन संघियों को अपने एजेंडे पर नचाते रहेंगे।

कांग्रेस बोली- फैसले का स्वागत, सरकार तारीख बताए कब होगी ?

कांग्रेस संगठन और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार की ओर से देश में जाति जनगणना कराने के फैसले का स्वागत किया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, जाति जनगणना को डिजाइन करने में हमारा सरकार को समर्थन है। इसके लिए बेहतर ब्लू प्रिंट की जरूरत है। राहुल ने कहा कि जाति जनगणना को लेकर हमने सिर्फ दबाव ही नहीं डाला, बल्कि पूरे देश में व्यापक कैंपेन भी चलाया है, जिसके बाद ये हो पाया है। उन्होंने कहा, पहले तो नरेंद्र मोदी कहते थे कि सिर्फ चार जातियां हैं, लेकिन अचानक से उन्होंने जातिगत जनगणना कराने की घोषणा कर दी। अब सरकार यह बताए कि कब होगी जनगणना।

सार संक्षेप

मदर डेयरी के बाद अमूल ने भी बढ़ाए दूध के दाम

नई दिल्ली। अमूल ने आम आदमी को बड़ा झटका दिया है। अब दूध पीना और महंगा हो जाएगा। कंपनी ने दूध के दाम 2 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिए हैं। कंपनी द्वारा कीमतों में किया गया यह बदलाव आज यानी 1 मई से लागू होगा। कंपनी ने आधा किलो दूध यानी 500 मिली दूध के दाम भी बढ़ा दिए हैं। अमूल के छोटे पैक यानी आधा लीटर वाले दूध के पाउच के दाम में भी 1 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी होगी। इस बढ़ती कीमत का असर फुल-क्रीम, टोंड, डबल-टोंड और गाय के दूध जैसे सभी तरह के पाउच पर देखने को मिलेगा।

मदर डेयरी ने भी बढ़ाए दूध के दाम-एक रिपोर्ट के मुताबिक, मदर डेयरी ने भी बुधवार से दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। कंपनी के एक अधिकारी ने मंगलवार को कहा था कि मूल्य संशोधन 30 अप्रैल, 2025 से पूरे बाजार में प्रभावी हो गई। मदर डेयरी के अधिकारी ने कहा, खरीद लागत में उल्लेखनीय वृद्धि को संबोधित करने के लिए यह मूल्य संशोधन आवश्यक हो गया है, जो पिछले कुछ महीनों में 4-5 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ गया है।

एनसीआर में प्रतिदिन 25 लाख लीटर दूध की खपत-अधिकारी ने कहा कि खरीद कीमतों में उछाल मुख्य रूप से गर्मियों की शुरुआत और लू की स्थिति के कारण है। मदर डेयरी अपने स्वयं के आउटलेट, सामान्य व्यापार और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से दिल्ली-एनसीआर बाजार में प्रतिदिन लगभग 35 लाख लीटर दूध बेचती है।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो- कांग्रेस और विपक्ष कह रहा है कि जाति जनगणना की घोषणा हमारी जीत है।

चुहिया- हां प्रिये- मुद्दों पर जीत-हार तो चुनाव में जनता ही तय करती है।

शिवपुरी, इंदौर, धार, हरदा, छिंदवाड़ा और पन्ना जिलों के सम्मेलनों में हुए मुख्यमंत्री कन्या विवाह

बहनों-बेटियों के कल्याण हेतु बजट में 27 हजार 100 करोड़ का प्रावधान किया : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने 6 जिलों के विवाह सम्मेलनों को वर्चुअली किया संबोधित

परिणय सूत्र में बंधे 2205 जोड़े

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मनुष्य जन्म वर्षों के पुण्य का फल है और सनातन संस्कृति में प्रत्येक व्यक्ति को जीवनकाल में 16 संस्कारों से होकर गुजरना होता है। इसमें विवाह संस्कार सबसे बड़ा संस्कार है। अग्नि को साक्षी मानकर 7 फेरों के माध्यम से 7 जन्मों का संकल्प लिया जाता है।

मुख्यमंत्री अक्षय तृतीया पर 6 जिलों में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलनों में शामिल नव दंपतियों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग से शामिल होकर आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज अक्षय तृतीया है और इस दिन जो मिलता है वो हमेशा बढ़ता ही जाता है। जिसका कभी क्षय नहीं हो, वो अक्षय है। उन्होंने छिंदवाड़ा में 929, पन्ना में 915, आनंदधाम शिवपुरी में 80, इंदौर में 121, पंधानिया जिला धार में 80 एवं ग्राम नया गांव जिला हरदा में 80 नव दंपतियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने विवाह बंधन में बंध रहे सभी जोड़ों के उज्जवल, सुखद-स्वस्थ जीवन और उनके दीर्घायु होने की कामना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस वर्ष बजट में बेटी-बहनों के कल्याण के लिए 27 हजार 100 करोड़ का प्रावधान किया गया है। मध्यप्रदेश के महिला सशक्तिकरण के मॉडल का कई राज्य अनुसरण कर रहे हैं। राज्य सरकार औद्योगिक विकास और महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से नारी सशक्तिकरण ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

होटल में लगी भीषण आग, 15 की गई जान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता मेचुआपट्टी इलाके के श्रतुराज होटल में भीषण आग लग गई। ये घटना मंगलवार की रात को हुई। खबर मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश करने लगी। आग की लपटें इतनी भयावह थीं कि जब तक उनपर काबू पाया जाता तब तक 15 की जान जा चुकी थी।

पुलिस के मुताबिक, मेचुर पट्टी इलाके के श्रतुराज होटल में बीती रात करीब ब 8.30 आग लगी। कुछ ही पलों में आग की लपटों ने भयावह रूप ले लिया। इस घटना के बाद होटल और उसके आस-पास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते दिखाई दिए।

वेस्ट बंगाल के कमिश्नर मनोज वर्मा ने इस बात की पुष्टि की है कि अब तक 15 लोगों की जान चली गई है। शवों को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। हालांकि अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि होटल में आग कैसे लगी। मगर सूत्रों के अनुसार शॉर्ट सर्किट की वजह से ये भयानक हादसा हुआ है।

केन्द्र सरकार ने की मदद की घोषणा

केन्द्र सरकार का बड़ा ऐलान-कोलकाता होटल अग्निकांड में 15 लोगों की जान चली गई है और कई घायल हो गए हैं। मोदी सरकार ने इस अग्निकांड में मरने वालों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये देने का ऐलान किया है। वहीं इस बात की भी जांच हो रही है कि होटल में आग कैसे लगी।

उच्च स्तरीय बैठक के बाद भागवत मिले मोदी से

पहली बार प्रधानमंत्री आवास पहुंचे आरएसएस प्रमुख

नई दिल्ली, देशबन्धु। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने प्रधानमंत्री आवास पहुंचकर प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की है। यह मुलाकात मोदी द्वारा ली गई उच्च स्तरीय बैठक के ठीक बाद हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तीनों सेना के प्रमुखों के साथ बैठक खत्म होते ही संघ प्रमुख पीएम आवास पहुंचे हैं। मोहन भागवत के साथ कुछ अन्य पदाधिकारी भी पीएमओ पहुंचे हैं। पीएम आवास में हुई हाईलेवल मीटिंग के बाद श्री मोदी से आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने मंगलवार को मुलाकात की। हालांकि अभी इस मुलाकात का विषय सामने नहीं आ सका है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के संबंध में यह मुलाकात हुई है।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का किया पुनर्गठन

पूर्व रॉ प्रमुख आलोक जोशी अध्यक्ष बनाए गए

नई दिल्ली, देशबन्धु। पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार की रणनीतिक बैठकों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड बड़ा फेरबदल किया गया है। सरकार की ओर से पुनर्गठित राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड में सात सदस्य होंगे। बोर्ड में तीनों सेनाओं के सेवानिवृत्त अधिकारी होंगे। सरकार की ओर से पूर्व रॉ प्रमुख आलोक जोशी को इसका अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बोर्ड में पूर्व पश्चिमी एयर कमांडर एयर मार्शल पीएम सिन्हा, पूर्व दक्षिणी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एके सिंह और रियर एडमिरल मोंटी खन्ना सैन्य सेवाओं से सेवानिवृत्त अधिकारी भी हैं। राजीव रंजन वर्मा और मनमोहन सिंह भारतीय पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त दो सदस्य भी बोर्ड में हैं। सात सदस्यीय बोर्ड में बी वेंकटेश वर्मा सेवानिवृत्त आईएफएस हैं।

भारतीय सेना का जबरदस्त पलटवार

पोस्ट छोड़कर भागे पाकिस्तानी सैनिक, झंडा भी हटाया

एलओसी पर 20 पोस्टों पर जबरदस्त फायरिंग

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर में एलओसी से बड़ी खबर सामने आई है। पाकिस्तान की ओर से सीजफायर के उल्लंघन के बाद भारत के मुंहतोड़ जवाब से पाकिस्तानी फौज बुरी तरह से डर गई है। सामने आई जानकारी के मुताबिक, पाकिस्तान के फौजी अपनी पोस्ट छोड़कर भाग गए हैं।

पाकिस्तानी पोस्ट से झंडा भी हटा लिया गया है और पाकिस्तानी रेंजर्स ने अपना झंडा भी हटा लिया है। इसका मतलब साफ है पाकिस्तान में इस समय भारतीय सैनिकों का खौफ चल रहा है।

पाकिस्तान की फौज स्भष्ट से लेकर इंटरनेशनल बॉर्डर पर फायरिंग कर रही है। भारतीय सेना के जवाब के बाद अब पाकिस्तानी फौज डर गई है। पाकिस्तानी फौजी अपनी पोस्ट छोड़कर भागने लगे हैं और पाकिस्तानी रेंजर्स ने खुद अपनी पोस्ट से झंडा तक हटा दिया है। एलओसी पर गोलीबारी तेज हो गई है। लाइन ऑफ कंट्रोल पर करीब 20 पोस्टों पर जबरदस्त फायरिंग हो रही है। ये फायरिंग पाकिस्तान की तरफ से हो रही है जिसका भारतीय सेना भरपूर जवाब दे रही है। स्भष्ट से सटे नौशेरा, सुंदरबनी, अखनूर, बारामूला और कुपवाड़ में गोलीबारी जारी है। पाकिस्तान की तरफ से भारतीय चौकियों को निशाना बनाया जा रहा है। भारतीय सेना पाकिस्तानी सेना की तरफ से की जा रही गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दे रही है।

इस्लामाबाद और लाहौर नो फ्लाई जोन-पाकिस्तान को ये भी डर सता रहा है कि भारत जल्द ही एयरस्ट्राइक कर सकता है। पाकिस्तान ने 2 मई की तारीख तक अब इस्लामाबाद और लाहौर पर नो टू एयरमैन यानी नौटेम इश्यू कर दिया है। इसके मुताबिक अब ये नो फ्लाई जोन होगा और यहां पर कोई भी एयरक्राफ्ट फ्लाई नहीं करेगा।

JAN JYOTI SUPER SPECIALITY EYE HOSPITAL
अब पाइये चश्मे से छुटकारा मात्र कुछ सेकेण्ड्स में
Teneo- 2 तकनीक से इलाज
TRANS EPI सबसे आधुनिक और सुरक्षित
आज ही विजिट करें
9165108121 janjyotieyehospital.com
1051, Gol Bazar, Near Keshwarwani College, Wright Town, Jabalpur

Excellence in Education, Excellence in Life
A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL
(C.B.S.E. Affiliated Reg. No. 1031302)
ADMISSION OPEN FOR SESSION 2025-26
Class Nursery to XII Science I Commerce I Humanities
Special Discount in Admission fee & School fee for the State and National Players for all the Games
राष्ट्र स्तरीय एवं प्रदेश स्तरीय सभी खेलों के खिलाड़ियों के लिये प्रवेश शुल्क एवं मासिक शुल्क में विशेष छूट
Ph.: 0761-2676360, 8349593500, 9826587200

कोशिश — आतंकवादियों के ट्रेनिंग कैम्पों पर संभावित कार्रवाई से बचने की तैयारी

आतंकी शिविरों को इधर-उधर कर रही पाकस्तानी सेना

सैटेलाइटों को धोख देने का प्रयास किया जा रहा

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, देशबन्धु। रक्षा सूत्रों के अनुसार, पाक कब्जे वाले कश्मीर में स्थित आतंकवादियों के ट्रेनिंग कैम्पों पर अब हमला अवश्यंभावी है। उनके अनुसार, इस संबंध में 'हरी झंडी' मिल गई है और हमले के जवाब में सीमा पार से होने वाली संभावित कार्रवाई से निपटने की तैयारी की जा रही है। हालांकि दिक्कत यह आ रही है कि पिछले तीन दिनों से इन कैम्पों को पाक सेना इधर उधर कर सैटेलाइटों को धोख देने की कोशिश कर रहे हैं।

रक्षा सूत्रों के अनुसार, पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकवाद के ट्रेनिंग कैम्पों पर हमला करने की खातिर भारतीय सेना ने पूरी तैयारी कर ली है। हालांकि एक सूत्र के अनुसार, ट्रेनिंग कैम्पों पर हमला करने तथा उसके परिणामों से देश को बचाने की खातिर की जाने वाली तैयारियों के लिए भारतीय सेना ने कुछ दिनों का समय मांगा है। रक्षाधिकारियों के अनुसार, पाक कब्जे वाले कश्मीर में स्थित ट्रेनिंग कैम्पों पर प्रहार करने की खातिर जो तैयारियां की गई हैं उनमें मिसाइलों की तैनाती से लेकर बोफोर्स तोपों की तैनाती तो शामिल है ही सेना की कई कमांडों यूनिटों को भी इसके लिए तैयार रखा गया है जिन्हें उनके टास्क के बारे में पूरी जानकारी दे दी गई है।

अधिकारियों के मुताबिक, इन कैम्पों पर हमला करने के पीछे की हिचकिचाहट विश्व समुदाय का रूख भी है। हालांकि पाकिस्तान तथा अमरीका इसके प्रति आशंका प्रकट करने लगे हैं कि भारत हमले का प्रतिकार करने की खातिर इन कैम्पों पर हमला करने की पहल कर सकता है। फिलहाल यह सुनिश्चित नही है कि आतंकी प्रशिक्षण केंद्रों पर हमले के लिए सभी विकल्पों का एक साथ इस्तेमाल होगा या फिर बारी बारी से उनका प्रयोग किया जाएगा। इन ट्रेनिंग कैम्पों पर हमला कर उन्हें तबाह करने के लिए जो विकल्प सुझाए जा रहे हैं उनमें सबसे प्रमुख जमीन से जमीन पर मार करने वाले मिसाइलों का इस्तेमाल तो है ही कमांडो रेड भी शामिल हैं। हालांकि सेनाधिकारियों का विचार है कि सबसे पहले भारत को बिना एलओसी को लांघे टेऊनिंग कैम्पों को तबाह करने की कोशिश करनी होगी जिसके लिए मिसाइलों तथा बोफोर्स तोपों का इस्तेमाल ही सबसे बेहतर माना जा रहा है।

देश-विदेश

आतंकी हमले पर गुटेरेस ने की जयशंकर व शरीफ से बात

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारत के विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री मुहम्मद शहबाज शरीफ से पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर अलग-अलग बात की है और दोनों देशों के बीच तनाव कम करने के लिए सहयोग का प्रस्ताव किया है। महासचिव कार्यालय ने बुधवार को यहां बताया कि श्री गुटेरेस ने जम्मू-कश्मीर में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने इन हमलों के लिए कानूनी तरीकों से न्याय और जवाबदेही तय करने के महत्व पर जोर दिया है।

सीआईएससीई के 10वीं और 12वीं के रिजल्ट जारी

नई दिल्ली। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन ने आईसीएसई और आईएससी का रिजल्ट बुधवार को घोषित कर दिया। इस बार का रिजल्ट 99 प्रतिशत से अधिक रहा है। सीआईएससीई ने छात्र-छात्राओं को सफलता पर बधाई दी है। आईसीएसई (कक्षा 10वीं) का रिजल्ट 99.09 फीसदी रहा, जबकि आईएससी (कक्षा 12वीं) का रिजल्ट 99.02 फीसदी रहा है। इस साल के रिजल्ट की खास बात यह रही है कि दोनों ही परीक्षाओं में लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। आईसीएसई (कक्षा 10वीं) में लड़कियों का पास प्रतिशत 99.37 रहा तो वहीं आईएससी (कक्षा 12वीं) में यह आंकड़ा 99.45 रहा है।

त्रिनिदाद और टोबैगो में हिंदू महिला बनी प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कमला प्रसाद-बिसेसर को त्रिनिदाद और टोबैगो का प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई दी. मोदी ने एक्स पर लिखा, चुनाव में जीत के लिए कमला प्रसाद-बिसेसर को हार्दिक बधाई. हम त्रिनिदाद और टोबैगो के साथ अपने ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ और पारिवारिक संबंधों को संजोकर रखते हैं मैं अपने लोगों की साझा समृद्धि और कल्याण के लिए हमारी साझेदारी को और मजबूत करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हूं.

एक उल्लेखनीय राजनीतिक वापसी में, यूनाइटेड नेशनल कांग्रेस की प्रसाद-बिसेसर ने मौजूदा पीपुल्स नेशनल मूवमेंट (पीएनएम) को हराकर कैरेबियाई राष्ट्र का नेतृत्व फिर से प्राप्त कर लिया. बिसेसर पीएम पद पर 2010 से 2015 तक काबिज थीं. वह देश की प्रधानमंत्री के रूप में सेवा करने वाली एकमात्र महिला बनी हुई हैं. जीत के बाद देर शाम समर्थकों की उत्साही भीड़ को संबोधित करते हुए, उन्होंने चुनावी वादों को पूरा करने और देश की सेवा करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की. बिसेसर ने कहा, यह जीत वरिष्ठ नागरिकों को उनकी पेंशन जारी रखने के लिए है. यह जीत लोक सेवकों को उनके उचित वेतन वृद्धि दिलाने के लिए है. यह जीत बच्चों के अस्पताल को दोबारा खोलने के लिए है. यह जीत एक बार फिर हमारे बच्चों को लैपटॉप देने के लिए है. यह जीत 50,000 से अधिक नौकरियों का सृजन करने के लिए है. और इसलिए, जीत आपकी है.

मोदी ने दी जीत पर बधाई

भारत - त्रिनिदाद और टोबैगो के ऐतिहासिक संबंध रहे हैं. दोनों देशों का संबंध 1845 से शुरू होता है, जब जहाज, फेटेल रजाक, 225 भारतीय गिरमिटिया मजदूरों को पहली बार त्रिनिदाद लेकर आया था. आज, त्रिनिदाद और टोबैगो की आबादी में भारतीय मूल के लोगों की संख्या लगभग 42 प्रतिशत है, जो सबसे बड़ा जातीय समूह है और देश के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक ताने-बाने को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

चिन्मय दास को राजद्रोह मामले में मिली जमानत

ढाका। बांग्लादेश के प्रमुख हिंदू नेता और पूर्व इस्कॉन पुजारी चिन्मय दास को राजद्रोह मामले में पांच महीने जेल में बिताने के बाद आज उच्च न्यायालय ने जमानत दे दी। न्यायमूर्ति मोहम्मद अताउर रहमान और न्यायमूर्ति मोहम्मद अली रजा की पीठ ने सम्मिलितो सनातनी जागरण जोत के प्रमुख दास द्वारा दायर जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। चिन्मय दास के वकील प्रहलाद देबनाथ ने बताया कि हिंदू भिक्षु को उच्च न्यायालय के आदेश के बाद जेल से रिहा किए जाने की उम्मीद है।

लखनऊ : रेरा एजेन्टस का चार दिवसीय प्रशिक्षण प्रारम्भ

लखनऊ। भू-सम्पदा सेक्टर में उपभोक्ताओं के हितों एवं भू-सम्पदा सेक्टर के संवर्धन एवं सुनियोजित पारदर्शी पक्रिया के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश भू-सम्पदा (रेरा) द्वारा रेरा एजेन्टस प्रशिक्षण कार्यक्रम को संचालित किया जा रहा है। सफल प्रशिक्षणर्थियों को रेरा द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए उ प्र रेरा में पंजीकृत कराये जाने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है, भू-समपदा क्षेत्र में होमवायर्स के हितों के दृष्टिगत यह महत्वपूर्ण पहल है। जिसके क्रम में ही आज अध्यक्ष उ0 प्र0 रेरा द्वारा चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। अध्यक्ष उ0 प्र0 रेरा की प्रेरणा एवं उनके सफल मार्ग दर्शन मे भू-सम्पदा के क्षेत्र में यह महत्वपूर्ण पहल है।

भू-सम्पदा सेक्टर में उपभोक्ताओं के हितों का संरक्षण सर्वोपरि-अध्यक्ष रेरा

चार दिवसीय रेरा एजेन्टस प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ के दौरान अध्यक्ष उ0प्र0 रेरा, संजय आर भूसरेडडी ने कहा कि पहले यूपी रेरा एजेंट एजेंसी के लिए कोई भी व्यक्ति अप्लाई करता था और उसको एजेंट बना दिया जाता था, बिना उसके ज्ञान हुनर को देखें, खास करके रेरा के लॉ पर। अब रेरा द्वारा नई व्यवस्था के तहत अब एजेंटस को चार दिन का अनिवार्य प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। इसके लिए रेरा द्वारा दो प्रशिक्षण केन्द्र संचालित किये जा रहे है। एक लखनऊ दूसरा गौतमबुद्ध नगर में है। अभी तक रेरा द्वारा नौ बैचेस का प्रशिक्षण पूर्ण हो चुका है। यह दसवॉ बैच की में ट्रेनिंग प्रारम्भ हुई।

अध्यक्ष रेरा ने बताया कि प्रशिक्षण के उपरान्त परीक्षा में उत्तीर्ण पशिक्षणार्थी को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है, तब वह प्रमाणिक एजेन्ट हो जाता है। क्योकि प्रशिक्षण में रेरा के लॉ, अधिकार एजेन्ट की जिम्मेदारियां व उनके दायित्वों आदि का बोध कराया जाता है। उन्होने बताया कि सफल अभ्यर्थी रेरा पोर्टल पर जाकर अपना आवेदन एजेन्सी के लिए कर सकता है। पहले यह पंजीकरण पॉच वर्ष के लिए होगा। फिर एजेन्टस के कार्य के दृष्टिगत आगे नवीनीकरण किया जायेगा। अध्यक्ष रेरा ने बताया कि होम बायर जो परेशान रहता है उसे अब परेशानी से नही गुजरना पड़ेगा। क्योकि एजेन्टस का संपूर्ण व्योरा उसके पास उपलब्ध रहेगा। शिकायते अब कम से कम होगी। इस अवसर पर सचिव उ0 प्र0 रेरा, महेन्द्र वर्मा, प्रमुख सलाहकार अबरार अहमद, वित्त परामर्शदाता सुधांशु त्रिपाठी, सयुक्त सचिव उमाशंकर सिंह, सहायक निदेशक सिस्टम अम्बरीस सहित रेरा के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रात 2 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पाकिस्तान ने किया दावा

24-36 घंटे में भारत कर सकता है हमला

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। पाकिस्तान डर के साये में जी रहा है। उसे भारत के सैन्य हमले का डर सता रहा है। यही कारण है कि पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ता तरार ने मंगलवार देर रात करीब दो बजे एक आपात प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिली है कि भारत 24 से 36 घंटे के भीतर पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने जा रहा है।

अत्ता तरार ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पर भी दी है। उन्होंने कहा, भारत की ओर से बिना किसी आधार और झूठे आरोपों के सहारे पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की योजना बनाई जा रही है।

पाकिस्तान इसे पूरी तरह खारिज करता है और किसी भी तरह की आक्रामकता का निर्णायक जवाब देगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत खुद को जज, जूरी और जल्लाद समझने लगा है, जो कि खतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना रवैया है। अत्ता तरार ने दावा किया कि पाकिस्तान ने पहलगाम हमले की स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच के लिए एक न्यूट्रल एक्सपर्ट कमिशन बनाने का प्रस्ताव दिया था, जिसे भारत ने अस्वीकार कर दिया।

सऊदी अरब और यूएई समेत मुस्लिम देशों के समूह ने कहा- हम भारत के साथ

नई दिल्ली। अरब लीग ने भी जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक हमले की कड़ी निंदा की है। उसके महासचिव अहमद अबुलघीत ने कहा कि लीग निर्दोष नागरिकों की मौत पर शोक मना रहे अपने मित्र राष्ट्र भारत के साथ एकजुटता व्यक्त करती है। अरब लीग के नई दिल्ली स्थित मिशन द्वारा मंगलवार को जारी एक बयान में शोक और एकजुटता का संदेश दिया गया है। अरब लीग के महासचिव ने 28 अप्रैल को विदेश मंत्री एस जयशंकर को भेजे अपने संदेश में सरकार और भारत की जनता के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की है।

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर हमला किया था, जिससे 26 लोगों की मौत हो गयी थी। उनमें अधिकतर पर्यटक थे। इस हमले में कई अन्य घायल भी हुए थे। इस भीषण हमले की दुनिया भर के देशों और नेताओं ने निंदा की है। लीग के महासचिव ने कहा, महामहिम, मुझे यह समाचार सुनकर बहुत दुख हुआ है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के परिणामस्वरूप कई निर्दोष नागरिकों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। अरब लीग इस घातक हमले की कड़ी निंदा करती है।

उन्होंने कहा मैं भारत सरकार और भारत के लोगों, विशेष रूप से पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मुझे अपने मित्र राष्ट्र के शोक में अरब लीग की एकजुटता व्यक्त करने की अनुमति दें।

क्या है अरब लीग-अरब लीग, जिसे अरब राज्यों की लीग भी कहा जाता है, अरबी भाषी अफ्रीकी और एशियाई 22 देशों का एक संघ है। इसका गठन 1945 में हुआ था। इसका मुख्य उद्देश्य अपने सदस्य देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना, उनकी स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा करना, और अरब जगत के मामलों और हितों पर विचार करना है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, अल्जीरिया, बहरीन, मिस्त्र, इराक, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, लीबिया, मॉरिटानिया, मोरक्को, ओमान, फिलिस्तीन, कतर, सोमालिया, सूडान, सीरिया, ट्यूनीशिया और यमन इसके सदस्य देश हैं।

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर फौती

रा.प्र.क्रं./0050/अ-6/2024-25

आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है आवेदक संजय जैन अन्य/स्व. नेमीनाथ जैन नि. 192 ताम्हनकर बाड़ा नरघैया देवी स्वीट्स ने नजूल ब्लॉक नं. 106 प्लाट नं. 39/18 निर्मित रकवा/रकवा 423 व.फु./अवि.हिस्सा ... व.फु./हे. विक्रय पत्र/हक त्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक 01.06.1982 मृत्यु दिनांक 11.06.2020, 23.02.2023 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र..... खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लॉक नं. 106 प्लाट नं. 39/18 निर्मित रकवा/रकवा 423 व.फु./अवि. हिस्सा... व.फु.हे./ग्राम गलगला प.ह.नं.... खसरा नं.... रकवा 423 व.फु./हे. मु. कुसुम बाई जोजे नेमी जैन सा. भालदारपुरा के नाम दर्ज है। अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 05/05/2025 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियम दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 17.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक - 17.04.2025
पेशी दिनांक - 05.05.2025

तहसीलदार
र.नं. 289 रांझी, जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर फौती

रा.प्र.क्रं./2012/अ-6/2024-25

आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है आवेदक नीलम मंगा/आर.के. राजुरकर नि. गुरु अमरदास काम्पलेक्स ओल्ड विजय नगर ने नजूल ब्लॉक नं... प्लाट नं... निर्मित रकवा/रकवा 120 व.फु./अवि. हिस्सा... व.फु./हे. विक्रय पत्र/ हक त्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक 26.06.1996 मृत्यु दिनांक 26.07.2010, 13.02.2024 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र..... खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लॉक नं. .... प्लाट नं. 1 निर्मित रकवा/रकवा 120 व.फु./अवि. हिस्सा... व.फु.हे./ग्राम बरौड़ी प.ह.नं.... खसरा नं. 40/1 वर्तमान 40/26/2 रकवा 120 व.फु./हे. .. के नाम दर्ज है। अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 05/05/2025 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियम दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 19.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक - 19.04.2025
पेशी दिनांक - 05.05.2025

तहसीलदार
र.नं. 288 रांझी, जबलपुर

In The Court of VIII Civil Judge, Class-I, District Court, Jabalpur presiding Officer:

अंकिता शाही

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम
सक्सेशन प्रकरण क्रमांक
(MJC SUC/0000047/2025
प्रविता दुबे .... आवेदक
Vs
शाखा प्रबंधक .... अनावेदक
Process Id- /2025
पेशी दिनांक :-10/07/2025

प्रेषिती-
(1) आम जनता पता - जिला जबलपुर म.प्र.
(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रबिता दुबे पता ने मृतक राजा बाबू दुबे निवासी धरवारा, ढीमरखेड़ा, कटनी, मध्यप्रदेश की श्रीमान प्रबंधक महोदय बैंक ऑफ बड़ौदा, शाखा आनंद नगर, अधारताल, जबलपुर म.प्र. में जमा राशि प्राप्ति हेतु राशि/ संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 10 जुलाई 2025 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 10 जुलाई 2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख 17 अप्रैल 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा-

टिप्पणी- उपस्थित एवं प्रकाशन नोटिस के साथ आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकारी अधिनियम 1925 की छाया प्रति संलग्न है।

कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(श्रीमती अंकिता शाही)
अष्टम सिविल न्यायाधीश
र.नं. 290 (वरिष्ठ खंड) जबलपुर, (म.प्र.)

न्यायालय नायब तहसील गोरखपुर, जबलपुर

रा.प्र.क्र. /2136/ अ-6/ 2024-25

// आम इश्तहार //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हिमांशु श्रीवास्तव व अन्य निवासी- कृष्णा हाइट्स, नर्मदा रोड, पोलीपाथर, जबलपुर द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक के माध्यम से मौजा पोलीपाथर नं.बं.164, प.ह.नं.24/2, ख.नं.44/1, 44/3/2/1, 44/3/2/2, 44/3/3 रकवा 385, 441, 403 कुल 1229 वर्गफुट विक्रेता म.प्र. शासन से क्रय की गई भूमि पर राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज करने पंजीकृत विक्रय पत्र वसीयतनामा, बंटवारानामा/ हस्तान्तरण पत्र/ हकत्याग पत्र/ दान पत्र एवं नक्शा बटांक की छायाप्रति संलग्न कर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उपरोक्त नामांतरण स्वीकृत किये जाने में यदि किसी व्यक्ति/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति पेशी दिनांक 08/05/25 तक स्वयं अथवा अपने विधि प्रतिनिधि के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। समयाविधि पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 24/04/25 को जारी।

जारी दिनांक 24/04/2025
पेशी दिनांक 08/05/2025

सील नायब तहसीलदार
गोरखपुर, जबलपुर

झारखंड मुठभेड़ में 1 करोड़ रुपये का इनामी माओवादी नेता समेत 8 मारे गए

रांची। बोकारो जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और झारखंड पुलिस की संयुक्त टीम के साथ मुठभेड़ में प्रतिबंधित समूह के एक शीर्ष नेता समेत आठ संदिग्ध माओवादी मारे गए, जिन पर 1 करोड़ का इनाम था। नक्सलवाद को खत्म करने की हमारी मुहिम लगातार जारी है। नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए चल रहे अभियान में आज सुरक्षा बलों को एक और बड़ी सफलता मिली। झारखंड के बोकारो में लुगु हिल्स में मुठभेड़ में 8 माओवादियों को ढेर कर दिया गया, जिसमें एक शीर्ष स्तर का नक्सल नेता विवेक, जिस पर 1 करोड़ का इनाम था, और दो अन्य कुख्यात नक्सली शामिल हैं। अभियान जारी है। हमारे सुरक्षा बलों की सराहना करें, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा। सीआरपीएफ के एक अधिकारी ने बताया कि सीआरपीएफ की 209 कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन (कोबरा) के कमांडो ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर अभियान चलाया, जिसमें आठ नक्सली मारे गए और एक एके सीरीज राइफल, तीन इंसास राइफल, एक सेल्फ लोडिंग राइफल (एसएलआर), आठ देशी बंदूकें और एक पिस्तौल जब्त की गई।

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं श्रीमती प्रज्ञा बरनवाल पति उत्कर्ष बरनवाल निवासी आई 8/671 दुर्गा मंदिर अवधपुरी कॉलोनी ग्वारीघाट जबलपुर म.प्र.। यह कि शादी के पूर्व मेरे स्कूल के समस्त मार्कशीट, शैक्षणिक रिकार्ड एवं आधार कार्ड एवं पैन कार्ड, पासपोर्ट आदि दस्तावेजों में मेरा नाम कुमारी प्रज्ञा पिता दयानंद प्रसाद माता प्रतिभा प्रसाद लिखा है। अब मेरी शादी के उपरांत मेरा नाम मेरे समसत अर्द्धशासकीय, शासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम प्रज्ञा बरनवाल पति उत्कर्ष बरनवाल समस्त दस्तावेजों में लिखा पढ़ा व दर्ज किया जावे।

पुराना नाम- कुमारी प्रज्ञा
(Kumari Pragya)
पिता का नाम
दया नंद प्रसाद
(Daya Nand Prasad)
नया नाम- प्रज्ञा बरनवाल
(Pragya Barnwal)
पति का नाम
उत्कर्ष बरनवाल
(Utkarsh Barnwal)
R.No. 284

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं ऐश्वर्या गुमास्ता पिता योगेन्द्र गुमास्ता, निवासी- कहानी, सिवनी (म.प्र.) यह कि, मेरे स्कूल के समस्त दस्तावेजों कक्षा 10वीं,12वीं एवं अन्य मार्कशीटों में मेरी माता का नाम पूजा गुमास्ता पिता का नाम योगेन्द्र सिंह गुमास्ता लिखा है जो कि गलत है, जबकि मेरे दाखिला से कक्षा 6वीं तक माता का नाम सुशीला गुमास्ता लिखा है। माता के समस्त दस्तावेजों में माता का नाम सुशीला गुमास्ता एवं पिता योगेन्द्र गुमास्ता ही चल रहा है, जो कि सही है। प्रकाशन के उपरांत मेरी सभी मार्कशीटों एवं समस्त शासकीय अर्द्धशासकीय दस्तावेजों में नाम ऐश्वर्या गुमास्ता पिता योगेन्द्र गुमास्ता, माता सुशीला गुमास्ता लिखा, पढ़ा व दर्ज किया जावे।

पुरा नाम
ऐश्वर्या गुमास्ता
(Aishwarya Gumasta)
माता पूजा गुमास्ता
(Pooja Gumasta)
नया नाम
(Aishwarya Gumasta)
माता सुशीला गुमास्ता
(Sushila Gumasta)
R.No. 283

निविदा/ नियुक्ति/ जाहिरात

नाम सुधार सूचना

मैं शहनाज उम्र 56 वर्ष पति मकबूल अली निवासी मकान नंबर 1327 अजीजगंज पसियाना तहसील व जिला जबलपुर शपथ पूर्वक यह कथन करती हूं कि मैं उपरोक्त पते की स्थाई निवासी हूं यह की पूर्व में मेरा नाम शहनाज बेगम था जो कि मेरे कुछ दस्तावेजों में दर्ज है जो कि गलत वह सत्य है यह कि मेरे आधार कार्ड एवं दूसरे दस्तावेजों में मेरा नाम शहनाज दर्ज है जो की सही है यह कि मुझे मेरे नए नाम शहनाज से ही जाना वह पहचान जाए शहनाज बेगम एवं शहनाज दोनों एक ही महिला के नाम है अतः इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी मेरी है।

गलत नाम- शहनाज बेगम
सही नाम- शहनाज

IDBI BANK आईडीबीआई बैंक लिमिटेड
शाखा - "त्रिलोक", ग्राउंड फ्लोर, सूर्या होटल के सामने, राईट टाउन, जबलपुर (म.प्र.) 482002
स्वर्ण आभूषण की नीलामी

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी के लिए सार्वजनिक सूचना आई डी बी आई बैंक लि.

नीचे विस्तृत रूप मे दिए अनुसार उधारकर्ता (ओं) द्वारा बैंक को बकाया राशि की वसूली के उद्देश्य से बैंक के पक्ष मे गिरवी रखे गए स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते है। नीलामी दिनांक 06.05.2025 अपराह्न 3.00 बजे आई डी बी आई बैंक परिसर जबलपुर मे आयोजित की जाएगी।

SN	खाता नंबर	उधारकर्ता का नाम और पता	गिरवी रखे गए स्वर्ण आभूषणो का विवरण	ग्राम मे सकल भार	रुपए मे ईमडी	रुपए मे आरक्षित मूल्य
1.	0052671100019488	शाहिद इकबाल अंसारी मकान न. 156, बेलियारी मैदान, मंसूरबाद अशफाक़ उल्लाह खान, जबलपुर	1 लॉकेट	3.650	रु.2435.40/-	रु.48708/-
			1 हार	11.350	रु.3297.40/-	रु.65948/-
			1 चेन	8.500	रु.1009.10/-	रु.20182/-
			कुल	23.500	रु.6741.90/- रु.6742/- (पूर्णांक)	रु.134838/- रु.134840/- (पूर्णांक)

नीलामी बैंक द्वारा निर्धारित बिक्री निबंधन एवं शर्तों के अधीन होगी जिसकी प्रति आई डी बी आई बैंक जबलपुर शाखा के नोटिस बोर्ड पर दिनांक 30.04.2025 से 06.05.2025 तक प्रदर्शित की जाएगी तथा इच्छुक पार्टियां इसी का संदर्भ ले। नीलामी मे भाग लेने वाले बोलीकर्ता के बारे मे यह माना जाएगा कि उसे बिक्री के उपर्युक्त निबंधन एवं शर्तों की पूरी जानकारी है। बोली जमा करने की अंतिम तिथि 06.05.2025 है।

स्थान : जबलपुर, दिनांक - 01/05/2025
अधिकृत अधिकारी आईडीबीआई बैंक लि.

लक्ष्य आतंकवादी होने चाहिए और पाकिस्तान को कड़ा जवाब देना चाहिए : कांग्रेस

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक हुई। इस बैठक में हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले के संदर्भ में भारत की संभावित प्रतिक्रिया को लेकर बढ़ती अटकलों के बीच हुई जम्मू-कश्मीर की मौजूदा सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर शामिल हुए। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल इस मुद्दे पर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे हैं।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा, भाजपा तय नहीं कर पा रही है कि निशाना किसे बनाया जाए, जबकि इस वक्त में निशाना तय होना चाहिए। सरकार का निशाना आतंकवादी होने चाहिए और पाकिस्तान को कड़ा जवाब मिलना चाहिए। हमने शुरुआत से ही इस संबंध में सरकार का समर्थन किया है और संसद के लिए विशेष सत्र की मांग भी की। फिर सर्वदलीय बैठक हुई, जिसमें प्रधानमंत्री नहीं थे, लेकिन हमने अपनी बात रखी। इसके बाद कांग्रेस पार्टी ने ष्ट्ड्ढ्ढष्ट बैठक में प्रस्ताव भी पारित किया।

पाकिस्तान को जवाब देना हमारा फर्ज-जयराम रमेश-कांग्रेस नेता ने आगे कहा, हमने कहा है कि देश के सामने ये संवेदनशील समय है। पहलगाम में जो हुआ, वह क्रूर हमला है, जिसका सूत्रधार पाकिस्तान है। पाकिस्तान को जवाब देना हमारा फर्ज बनता है। इस मामले में हमने सरकार को अपना समर्थन दिया और कहा कि आपके किसी भी एक्शन में हम आपके साथ हैं, लेकिन इसे ध्रुवीकरण का मुद्दा मत बनाइए। कांग्रेस पार्टी की ओर से इस हमले के संबंध में एक विशेष सत्र की मांग की गई है, लेकिन उसका जवाब प्रधानमंत्री की तरफ से अभी तक नहीं आया है। जयराम रमेश ने कहा कि लेकिन आज जो लोग कांग्रेस पार्टी को निशाना बना रहे हैं, उन्हें 26/11 हमले के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी की उस प्रेस कॉन्फ्रेंस को याद करना चाहिए, जो उन्होंने मुंबई हमले के दो दिन बाद ओबरॉय होटल के सामने की थी।

जयराम रमेश बोले- हम ऐसे मौके पर कभी राजनीति नहीं करते-जयराम ने सोशल मीडिया पर कहा, ऐसा कभी नहीं हुआ था, जबकि इस मामले में खुद महाराष्ट्र सरकार ने मना किया था कि आप यहां मत आइए, ये सही समय नहीं है। सरकार के मना करने के बावजूद नरेंद्र मोदी नहीं माने और वे वहां गए। इतना ही नहीं, क्चछ्वक्क ने 28 नवंबर 2008 को मुंबई हमले को आधार बनाकर अखबार में विज्ञापन दिए कि क्चछ्वक्क को वोट दें। उन्होंने कहा कि यही क्चछ्वक्क का असली चेहरा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

जनगणना के साथ.....

कमेटी को सुपर कैबिनेट कहा जाता है और इसमें केंद्रीय मंत्रिमंडल के कुल टॉप मंत्री ही शामिल होते हैं। सुपर कैबिनेट के अध्यक्ष पीएम मोदी हैं। इसके अलावा इस कैबिनेट में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल भी शामिल हैं। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मोदी सरकार पूरे देश में जाति जनगणना कराएगी। जनगणना के साथ ही जातियों की गिनती होगी। उन्होंने जाति जनगणना को लेकर कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना को कांग्रेस ने अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया। आखिरी जाति जनगणना 1931 में हुई थी। 94 साल बाद पूरे देश में जाति जनगणना होगी। आजाद भारत में पहली बार केंद्र सरकार जाति जनगणना करवाएगी। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि शिलॉन्ग से सिल्वर कॉरिडोर को मंजूरी दी गई है। जिसकी कुल लागत 22,864 करोड़ रुपये होगी। 166.8 किलोमीटर लंबे 4 लेन हाइवे को मंजूरी दी गई है। मेघालय से असम तक नए हाइवे को मंजूरी दी गई है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि गन्ना किसानों को बड़ी राहत दी गई है। गन्ने का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाया गया है। 2025-26 गन्ना सत्र के लिए किसानों को राहत देते हुए 355 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य को भी मंजूरी दी गई है।

बहनों-बेटियों.....

और कृषकों की आय बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नारी सशक्तिकरण पर जोर देते हुए लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की हैं। राज्य सरकार भी सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत ग्राम परिच्छा पौहरी, जिला शिवपुरी, ग्राम झलारिया, तह. सांवेर, जिला इन्दौर, ग्राम पंधानिया, धरमपुरी, जिला धार, ग्राम नयागांव तह. टिमरनी, जिला हरदा, इनर ग्राउंड (डी.डी.सी कॉलेज) नयापुर रोड, छिंदवाड़ा और ग्राम पंचायत बनौली, कुआंताल धाम, पवई, जिला पन्ना में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलनो में उज्जैन से वर्चुअली शामिल हुऐ। एनआईसी कक्ष उज्जैन में विधायक श्री अनिल जैन कालुहेड़ा मौजूद थे।

देश-प्रदेश

उवाच

जनगणना में जातिगत गणना शामिल करना ऐतिहासिक निर्णय

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुई बैठक में आगामी जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने के निर्णय का अभिनंदन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी और कैबिनेट के सदस्यों का प्रदेशवासियों की ओर से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अंत्योदय के लिए संकल्पित केन्द्र सरकार का यह एक ऐतिहासिक निर्णय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दशकों तक कई दलों ने जातिगत जनगणना का विरोध किया। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना सिर्फ आंकड़े नहीं होंगे, बल्कि देश के गरीब, पिछड़े, कमजोर और वंचित नागरिकों के जीवन में बदलाव के संवाहक बनेंगे।

केंद्रीय मंत्री शिवराज ने जातिगत जनगणना के निर्णय को बताया ऐतिहासिक, बोले-

जातिगत जनगणना सबका साथ, सबका विकास और सबके कल्याण के लिए

पूछा- सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह ने जातिगत जनगणना क्यों नहीं करवाई

भोपाल, देशबनधु। केन्द्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जातिगत जनगणना के फैसले को लेकर कहा कि, ये सबका साथ, सबका विकास और सबके कल्याण के लिए की जाएगी। मैं जातिगत जनगणना कराने को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देता हूं। ये जाति की राजनीति नहीं है, सुशासन की आधारभूत नींव है, समाज के हर वर्ग को न्याय देने का प्रयास है। श्री चौहान ने सवाल किया कि आज कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के नेताओं में श्रेय लेने की होड़ लगी हुई है। मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि वर्षों तक देश में कांग्रेस की सरकारें रही, इतने सालों तक जातिगत जनगणना क्यों नहीं हुई..? उन्होंने पूछा कि सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह ने जातिगत जनगणना क्यों नहीं करवाई? श्री चौहान आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

श्री चौहान ने कहा कि कांग्रेस के पहले प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहर लाल नेहरू ने मुख्यमंत्रियों को लिखे पत्र में कहा था कि, वह जाति के आधार पर आरक्षण के भी विरोधी हैं। पत्र रिकार्ड में मौजूद हैं, उन्होंने हमेशा जाति और जातिगत जनगणना का विरोध किया। काका कालेलकर की रिपोर्ट किसने दबाई थी। कांग्रेस ने हमेशा जातिगत जनगणना का विरोध किया। झूठ बोलना और भ्रम फैलाना कांग्रेस के डीएनए में है। उन्होंने कहा कि 1980 के दशक में जब मण्डल कमीशन आया तब इंदिरा गांधी ने ही विरोध किया था। वीपी मण्डल की जातिगत जनगणना की मांग को तत्कालीन गृहमंत्री ज्ञानी ज़ेल सिंह ने खारिज किया था। श्री चौहान ने कहा कि राहुल गांधी मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं, स्वर्गीय राजीव गांधी का रुख क्या था, उस समय जातिगत जनगणना क्यों नहीं हुई..? फिर श्रीमती सोनिया गांधी पॉवर में आईं, दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह उनकी सरकार आई, तब उन्होंने पार्लियामेंट में आश्वस्त किया था कि, वो जातिगत जनगणना पर कैबिनेट में विचार करेंगे। मंत्रीमण्डल का एक समूह बना 'ग्रुप ऑफ मिनिस्टर' तब भी जातिगत जनगणना नहीं हुई बस एक सर्वे ही हुआ।

राहुल गांधी को संविधान पढ़ने की ट्यूशन लेनी चाहिए

श्री चौहान ने राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि, आज वो कह रहे हैं कि, तेलंगाना में हुआ है। मैं राहुल गांधी को बताना चाहता हूं कि, तेलंगाना में जातिगत जनगणना नहीं हुई है, सर्वे हुआ है। उन्होंने कहा कि, राहुल गांधी को संविधान पढ़ने के लिए ट्यूशन लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक दिन है। आज ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में राजनीतिक विषयों की कैबिनेट समिति ने यह फैसला किया है कि अब जनगणना के साथ, जातियों की गणना भी होगी। यह फैसला ऐतिहासिक है, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हृदय से अभिनंदन करता हूं। जातिगत जनगणना पूरी पारदर्शिता के साथ होगी। समाज के सभी वर्गों के आर्थिक और सामाजिक हितों को ध्यान में रखते हुए देश के हित में होगी।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता नरेन्द्र सलूजा का हृदयघात से निधन

मुख्यमंत्री, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सहित कई नेताओं ने शोक व्यक्त किया

इंदौर/भोपाल, देशबन्धु। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता नरेन्द्र सलूजा का हृदयघात से आज इंदौर में आकस्मिक निधन हो गया। सलूजा को बुधवार सुबह अचानक सीने में दर्द हुआ था। जिसे उन्होंने नजरअंदाज कर दिया, शाम को दोबारा उन्हें सीने में तेज दर्द हुआ और वह बेहोश हो गए, जिसके बाद परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। उनकी बेटी अमेरिका में है, उनके आने के बाद स्व. सलूजा का अंतिम संस्कार कब होगा। उनके शव को फिलहाल ज्यूपिटर अस्पताल की मरर्चुरी में रखवा दिया गया है।

श्री सलूजा अपने दोस्त की बेटी की शादी में शामिल होने के लिए सीहोर गए थे, यहां वह रात एक रिसोर्ट में रूके थे, लेकिन रात में उन्हें तकलीफ हुई तो उन्होंने कोई गोली खा ली, और रात में ही वह वापस इंदौर लौट आए। जिसके बाद सुबह नाश्ते के बाद अचानक उनकी तबियत बिगड़ी, जिसे उन्होंने एसिडिटी समझकर नजरअंदाज कर दिया, लेकिन शाम को अचानक उनके सीने में तेज दर्द हुआ और वह बेहोश होकर गिर पड़े। जिसके बाद परिजन उन्हें नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही भाजपा नगर अध्यक्ष जिलाध्यक्ष सुमित मिश्रा और सांसद शंकरलालवानी अस्पताल पहुंच गए थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा के प्रदेश प्रवक्त नरेन्द्र सलूजा के दुखद निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

मुख्यमंत्री ने बाबा रामदेव का किया स्वागत

उज्जैन सांस्कृतिक राजधानी के रूप में हो रही है विकसित : रामदेव

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने योगगुरू बाबा रामदेव का उज्जैन आगमन पर पुष्प गुच्छ के साथ शॉल, श्रीफल एवं भगवान श्री महाकाल की तस्वीर भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।बाबा रामदेव ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विरासत मूलक विकास और संस्कृति के नए प्रतिमान प्रतिदिन गढ़ रहे हैं। मध्यप्रदेश धर्म भूमि भी है। मध्यप्रदेश में कृषि से लेकर उद्योग तक हर क्षेत्र में विकास के नये आयाम स्थापित हो रहे हैं। अब तो मध्यप्रदेश धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्तर पर भी उन्नति कर रहा है।

योग गुरू स्वामी रामदेव ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के विशेष प्रयासों और पुरुषार्थ से उज्जैन में आगामी महाकुंभ पर्व की भव्य तैयारियाँ की जा रही है। भगवान महाकालेश्वर देवादिदेव महादेव है और उनके अनुग्रह को प्राप्त कर संपूर्ण विश्व में उज्जैन नगरी सांस्कृतिक राजधानी के रूप में विकसित हो रही है। यहां आयोजित होने वाला कुंभ एक दिव्य स्वरूप में आयोजित हो ताकि सनातन धर्म का गौरव एक नए रूप में पूरे विश्व के समक्ष देखने को मिले। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव वीरता और विनय की प्रतिमूर्ति बनकर करोड़ों लोगों की सेवा का कार्य कर रहे हैं। स्वामी रामदेव ने कहा कि आज अक्षय तृतीया के पर्व पर वे भगवान महाकालेश्वर के दर्शन के लिए आए थे। भस्मारती के दर्शन कर उन्हें दिव्य और अद्भुत अनुभव प्राप्त हुआ है। स्वामी रामदेव ने कहा कि डॉ. यादव की भक्तिपूर्ण एवं सादगीपूर्ण कार्यशैली सभी को प्रभावित करती है।

महाकालेश्वर की भस्मारती में हुए शामिल

योग गुरु स्वामी रामदेव बुधवार को अक्षय तृतीया के पर्व पर भगवान श्री महाकालेश्वर की भस्मारती में शामिल हुए। उन्होंने भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन कर पूजन-अर्चन किया।

गन्ने का एफआरपी 355 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित करने पर मुख्यमंत्री ने माना आभार

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए गन्ने का एफआरपी(उचित एवं लाभकारी मूल्य) 355 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित करने के किसान हितैषी निर्णय पर आभार माना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि केंद्रीय कैबिनेट द्वारा कृषि विकास एवं किसान कल्याण के लिए समर्पित प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के लगभग 5 करोड़ किसानों को ऐतिहासिक उपहार दिया है। इससे मध्यप्रदेश के किसान भी लाभान्वित होंगे। साथ ही देश भर के चीनी मिलों में कार्यरत लगभग 5 लाख श्रमिकों को भी लाभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस निर्णय के लिए प्रदेश के किसानों और उनके परिवारों की ओर से वे प्रधानमंत्री श्री मोदी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

लोक निर्माण मंत्री ने किया इंदौर जिला न्यायालय भवन निर्माण कार्य का निरीक्षण

निर्माण कार्य में तेजी लाने के दिये निर्देश

भोपाल, देशबन्धु। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने बुधवार को इंदौर के पीपल्या हाना क्षेत्र में निर्माणाधीन जिला न्यायालय भवन का भौतिक निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण में उन्होंने कार्य की वर्तमान प्रगति की जानकारी प्राप्त की और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यह परियोजना शासन की प्राथमिकताओं में है तथा इसे तय समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जायें।

मंत्री श्री सिंह ने निर्देश दिए कि भवन की ड्राइंग एवं डिजाइन में हो रही देरी के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है। सभी डिजाइन एवं ड्राइंग 7 मई तक आर्किटेक्ट से प्राप्त करें। अन्यथा अनुबंध समाप्ति की कार्रवाई की जाएं। उन्होंने निर्माण सामग्री के अनुमोदन में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि अप्रूवल में विलंब के कारण निर्माण कार्य में रुकावट आती है, तो संबंधित अभियंता के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। मंत्री श्री सिंह ने पुनरीक्षित

एस्टीमेट के अनुमोदन की प्रक्रिया को समय-सीमा में पूर्ण करने तथा ठेकेदार के रनिंग बिलों के शीघ्र भुगतान करने के निर्देश दिए, जिससे निर्माण कार्य की गति बनी रहे। मंत्री श्री सिंह ने निर्देश दिए कि इंदौर के मुख्य अभियंता (भवन) निर्माण कार्य की साप्ताहिक समीक्षा स्वयं करें और प्रमुख अभियंता के माध्यम से प्रत्येक सोमवार को निर्माण की प्रगति रिपोर्ट मंत्रालय को प्रस्तुत की जाएं। साथ ही इस रिपोर्ट की एक प्रति उनके विशेष सहायक को भी भेजी जाए। मंत्री श्री सिंह ने ठेकेदार को निर्देशित किया कि कम से कम 2 शिफ्टों में कार्य किया जाए और पर्याप्त मैन पॉवर तैनात रहे।

बंगाल के राज्यपाल ने लंबित तीन विधेयकों को दी मंजूरी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने लंबे समय से लंबित तीन विधेयकों को मंजूरी दे दी है, जिन्हें राज्य विधानसभा ने 2022 और 2023 में पारित किया था। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। राजभवन के सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल कार्यालय ने मंगलवार को इन तीन विधेयकों - पश्चिम बंगाल भूमि सुधार और किरायेदारी न्यायाधिकरण (संशोधन) विधेयक, 2022, पश्चिम बंगाल कराधान न्यायाधिकरण (संशोधन) विधेयक, 2022 और पश्चिम बंगाल नगर एवं ग्राम (योजना एवं विकास) (संशोधन) विधेयक, 2023 को मंजूरी दे दी। राजभवन में विशेष कार्य अधिकारी के अनुसार राज्यपाल ने पश्चिम बंगाल अल्पसंख्यक आयोग (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश करने की भी सिफारिश की है।

मुख्यमंत्री ने धार जिले के उमरबन में सामूहिक विवाह सम्मेलन में 2 हजार से अधिक नव विवाहित जोड़ों को दिया आशीर्वाद, बोले-

विवाह में गैर जरूरी खर्च से बचा जाए, यह राशि बच्चों की पढ़ाई पर खर्च हो

- कपास उत्पादक किसानों को मिलेगा पीएम मित्र पार्क से लाभ, 3 लाख रोजगार होंगे सृजित
- संबल योजना में 27 हजार से अधिक हितग्राहियों को 6 सौ करोड़ रुपए किए अंतरित
- 85 लाख से अधिक किसानों को मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की प्रथम किश्त की राशि भेजी

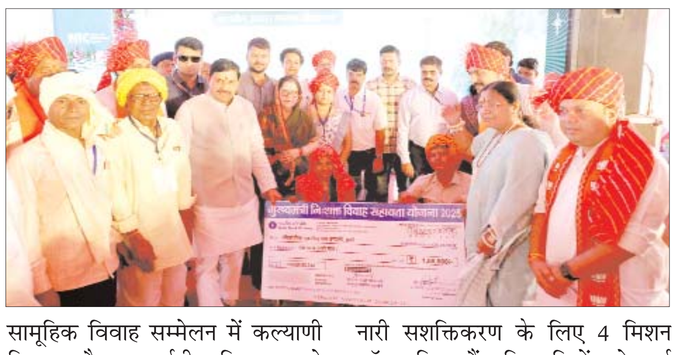

धार/भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि धार जिले के उमरबन में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह सम्मेलन में परिणय सूत्र में बंधे 2123 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि प्रदेश की बहनों का भाई गरीब से गरीब की बेटी का विवाह कराएगा। कन्या विवाह योजना में बेटियों को प्रावधान के अनुसार 49 हजार का लाभ दिया जा रहा है। इसके साथ ही सामूहिक विवाह सम्मेलन में कल्याणी विवाह और अन्तर्जातीय विवाह करने पर राज्य सरकार की ओर से 2-2 लाख रुपए की सहायता दी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को आयोजित सामूहिक विवाह एवं हितलाभ वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। डॉ. यादव ने कहा कि विवाह में गैर-जरूरी खर्च से बचा जाए और यह राशि परिवार और बच्चों की पढ़ाई जैसे जरूरी कार्यों पर खर्च किया जाये। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान), और नारी सशक्तिकरण के लिए 4 मिशन लॉन्च किए हैं। हितग्राहियों को कई जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधा लाभ दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र से राज्य सरकार प्रदेश को समृद्ध और सशक्त बनाने के लिए संकल्पित है।

युवाओं को रोजगार, लाड़ली बहनों को आर्थिक सहायता, गरीब जरूरतमंदों के निशुल्क उपचार की व्यवस्था है। जनजातीय क्षेत्रों सहित प्रदेश के किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं का जाल बिछाया है। हमारा लक्ष्य प्रत्येक खेत तक पानी पहुंचाकर प्रदेश के सिंचित रकबे को 55 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर 1 लाख हेक्टेयर करना है।

धार जिले को दी कई सौगातें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 1870 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली धार माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना एवं धार जिले के लिए 277 करोड़ के लागत से विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में नदी जोड़ो परियोजनाओं के कार्य प्रदेश में समृद्धि लाएंगे। प्रदेश का सिंचाई रकबा 55 लाख हेक्टेयर हो चुका है, अब इसे 1 लाख करोड़ हेक्टेयर तक ले जाने का लक्ष्य है। उमरबन के 1 लाख 3 हजार किसानों को भी नई सिंचाई परियोजना का लाभ मिलेगा।

नागदा में मुख्यमंत्री ने वर-वधु को भेंट किए पौधे, कहा-

पहलगाम की घटना को लेकर पूरा देश प्रंधानमत्री के साथ

नागदा, देशबन्धु। उज्जैन जिले के नागदा में बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत नपा के तत्वावधान में आयोजित सामुहिक विवाह समारोह में शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने कहा पहलगाम की घटना को लेकर प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश खड़ा हुआ है। आतंकवाद को मुंह तोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने यहां नरेन्द्र मोदी खेल परिसर में 75 जोड़ों का सामूहिक विवाह हुआ। जिसमें एक जोड़े का निकाह भी शामिल है। इस अवसर मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण के लिए वर-वधु को पौधे और आर्थिक सहायता के चेंक भी भेंट किए। मुख्यमंत्री ने सामूहिक विवाह के फायदे भी बताए। कार्यक्रम में कर्नाटक के राज्यपाल डॉ थावरचंद गेहलोत ने भी वर-वधु को आशीर्वाद दिया।

कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़, क्षेत्र के विधायक डॉ तेजबहादुरसिंह चौहान, पूर्व विधायक लालसिंह राणावत, असंगठित कामगार कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सुल्तानसिंह शेखावत, पूर्व विधायक जितेंद्र गेहलोत, मंडल अध्यक्ष प्रकाश जैन, विजय पटेल नपा उपाध्यक्ष सुभाष शर्मा, सांसद प्रतिनिधि ओपी गेहलोत किसान नेता दयाराम धाकड़ आदि मौजूद थे।

कर्नाटक के राज्यपाल बोले- 2 परिवारों को रोशन करती हैं बेटियां

इस अवसर पर राज्यपाल डॉ गेहलोत ने कहा समाज में बेटियां 2 परिवारों को रोशन करती हैं। उन्होंने वधु को आशीवाद के साथ सीख भी दी। उन्होंने कहा कि जिस नए परिवार में वे जा रही हैं वहां सास-ससुर की अपने माता-पिता के समान सेवा करें। राज्यपाल ने वर पक्ष से भी आग्रह किया कि किसी घर की बेटी को अपनी बेटी समझें।

इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपना रहे भारत के लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी प्रोत्साहन और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश से स्थानीय इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माण को बढ़ावा मिल रहा है। इसके साथ ही कई नीतिगत उपाय और इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार, बाजार को 2030 के लक्ष्य के करीब लाने में मदद कर रहे हैं। काउंटरपॉइंट के लेटेस्ट 'इंडिया पैसेंजर व्हीकल मॉडल सेल्स ट्रैकर' के अनुसार, भारत के यात्री वाहन (पीवी) की बिक्री 2024 में सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत बढ़कर 4.3 मिलियन यूनिट से अधिक हो गई। इस कुल पीवी बिक्री में बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों (बीईवी) की 2.5 प्रतिशत हिस्सेदारी दर्ज की गई है, जो सालाना आधार पर 16 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। यात्री बीईवी की बिक्री में वृद्धि का श्रेय कई नए मॉडलों के लॉन्च को दिया जा सकता है, जिनमें टाटा कर्व.ईवी, एमजी विंडसर, बीवाईडी सील, बीवाईडी ईमैक्स 7 और टाटा पंच.ईवी रिफ्रेश शामिल हैं। भारत सरकार ने ईवी अपनाने के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं। इस लक्ष्य के तहत 2030 तक यात्री वाहन सेगमेंट में 30 प्रतिशत, संयुक्त दोपहिया और तिपहिया सेगमेंट में 80 प्रतिशत और वाणिज्यिक वाहन सेगमेंट में 70 प्रतिशत ईवी पेनिट्रेशन हासिल करना है। ऑटोमोटिव बाजार विश्लेषक अभिक मुखर्जी के अनुसार, ऑटोमोबाइल और उनके कंपोनेंट्स के लिए अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी, भारत के बढ़ते कंपोनेंट निर्यात के लिए एक खतरा पैदा करती है। हालांकि, यह दूसरे बाजारों में कंपोनेंट निर्यात बढ़ाने का भी अवसर पैदा करता है। भारत की सबसे बड़ी पीवी कंपनी मारुति सुजुकी और अंतरराष्ट्रीय बीईवी स्पेशलिस्ट टेस्ला और विनफास्ट के प्रतिस्पर्धी मूल्य वाले किफायती और प्रीमियम मॉडल के साथ भारतीय बाजार में प्रवेश करने जा रहे हैं। इससे 2025 के अंत तक पीवी बाजार के 5 प्रतिशत हिस्से पर बीईवी का कब्जा होने का अनुमान है।

सालाना आधार पर 16 प्रतिशत की हुई वृद्धि

मुखर्जी ने कहा कि दोपहिया सेगमेंट में ईवी अपनाने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। 2024 में कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी 6.2 प्रतिशत रही, जो कि पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 36 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। प्रोत्साहनों और कर छूटों के कारण इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का इस्तेमाल अंतिम मील डिलीवरी और माइक्रो-मोबिलिटी एप्लीकेशन के लिए तेजी से किया जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है, फूड डिलिवरी और क्विक कॉमर्स कंपनियां अधिक सस्टेनेबल और हरित भविष्य को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के इस्तेमाल का विस्तार कर रही हैं।

इसके अलावा, शहरी यात्री अपनी दैनिक यात्रा जरूरतों के लिए पारंपरिक पावरट्रेन की तुलना में ईवी को प्राथमिकता दे रहे हैं। जबकि वाणिज्यिक वाहन (सीवी) सेगमेंट में ईवी की पहुंच अपेक्षाकृत कम है, इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर कैटेगरी बदलाव का नेतृत्व कर रही है। 2024 में इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर की हिस्सेदारी थ्री-व्हीलर कैटेगरी में 55 प्रतिशत थी, जिसका अर्थ है कि खरीदा गया हर दूसरा थ्री-व्हीलर ईवी था।

पाकिस्तान को एक और झटका

भारत ने पाक विमानों के लिए बंद किया अपना एयरस्पेस

जम्मू-कश्मीर। पहलगाम हमले के बाद आतंकियों को शह देने के लिए रडार पर आए पाकिस्तान को भारत ने एक और बड़ा झटका दे दिया है। भारत ने पाकिस्तान की सभी उड़ानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद करने का ऐलान किया है। बुधवार को भारत ने एक NOTAM (नोटिस टू एयरमैन) जारी कर पाकिस्तान में रजिस्टर्ड, संचालित और स्वामित्व वाले सभी विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद करने की घोषणा की है। पाकिस्तानी विमानों पर 30 अप्रैल से 23 मई 2025 तक यह प्रतिबंध जारी रहेंगे।

भारत के इस फैसले से पाकिस्तान की कमर्शियल और सैन्य दोनों तरह के विमानों पर असर पड़ेगा। बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए पाकिस्तानी एयलाइंस ने पहले ही भारतीय हवाई क्षेत्र से बचना शुरू कर दिया था। वहीं भारत के ताबड़तोड़ एक्शन से बौखलाए पाकिस्तान ने पहले ही भारतीय उड़ानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने का ऐलान किया था। अब भारत ने भी अपना एयरस्पेस बंद कर पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है।

भारत ने दिए हैं कई झटके- गौरतलब है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को एक के बाद एक कई झटके दिए हैं। पहलगाम में आतंकियों ने 26 लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान पर आतंकवाद को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए सिंधु जल संधि को स्थगित करने, अटारी चेक पोस्ट को बंद करने और पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द करने समेत कई कदम उठाए हैं।

पाक के लिए खड़ी होगी मुश्किल

अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि भारत द्वारा आधिकारिक रूप से अपने हवाई क्षेत्र को प्रतिबंधित करने के बाद अब पाकिस्तानी एयरलाइंस को मलेशिया जैसे दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों तक पहुंचने के लिए चीन या श्रीलंका जैसे देशों से होकर गुजरना पड़ेगा। यह पाकिस्तान के लिए बेहद लंबा रास्ता होगा और इससे आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान पर आर्थिक बोझ भी बढ़ेगा।

जबलपुर, गुरूवार 01 मई 2025
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

राहुल से नहीं आतंकवाद से लड़ें

देश के किसी भी दुश्मन से लड़ने का काम, चाहे वह सेना हो या आतंकवादी, सरकार और सेना का होता है। लेकिन देश की सत्ता पर काबिज भाजपा पहलगाम में हुए हमले के जिम्मेदार आतंकियों के साथ लड़ने की बजाय कांग्रेस एवं लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी से लड़ रही है। देश भर में भाजपा ने पूरे देश में मुस्लिमों के खिलाफ़ एक तरह से अभियान छेड़कर भारत का एक विभाजित समाज के रूप में परिचय देने का काम किया है, वहीं राहुल पर हमला कर उसने यह भी संदेश दिया है कि देश में राजनीतिक एकता भी नहीं है। लाजिमी है कि इसका लाभ दुश्मन देश को ही मिलेगा। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को चाहिये कि उसे अपनी इस क्षुद्र लड़ाई को बाद के लिये छोड़ देनी चाहिये। फिलहाल यह देश की सामाजिक व राजनीतिक ऐका दिखाने का वक्त है, न कि यह संदेश देने का कि सियासी दलों को आपसी सिर-फुटौव्वल से लड़ने से ही फुरसत नहीं है।

लम्बे समय के बाद राहुल गांधी मंगलवार व बुधवार को अमेठी तथा रायबरेली लोकसभा क्षेत्रों के दौरे पर पहुंचे थे। उनके आने के पहले दोनों जगहों पर उनके खिलाफ़ पोस्टर लगाये गये जिनमें उन्हें 'आतंकियों का साथी' बताया गया तो किसी में उन्हें जातिवाद के आधार पर देश को तोड़ने वाला करार दिया गया। कुछ पोस्टरों में कांग्रेस पर आतंकियों व पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया गया है। एक भाजपायी नेता ने अपनी तस्वीर के साथ इस आशय के पोस्टर लगाये कि राहुल व कांग्रेस जातिवाद के आधार पर देश को तोड़ेगी तो भाजपा राष्ट्रवाद के आधार पर जोड़ेगी। भाजपा से इसलिये उम्मीद लगानी स्वाभाविक है क्योंकि केन्द्र सरकार का नेतृत्व वही करती है। इस नाते उसे इस मसले पर गम्भीर होने की ज़रूरत है, लेकिन जिस प्रकार से इस समय देश के अलग-अलग हिस्सों में मुसलमानों के साथ मारपीट व दुर्व्यवहार हो रहा है, राहुल के साथ उसका सलूक वैसा ही गैर जिम्मेदाराना है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष तथा सांसद अखिलेश यादव के साथ भी कुछ कुछ ऐसी ही बदसलूकी कर रही है क्योंकि सपा के साथ बड़ी तादाद में मुसलमान हैं तथा भाजपा उनके खिलाफ है।

देश के अनेक राज्यों से मुसलमानों को धमकियां देने, उनके साथ मारपीट करने, कश्मीरी छात्रों को शहर छोड़कर जाने की धमकियां देने तथा एक-दो हत्याओं से लगता है कि उग्र राष्ट्रवाद को इन सबसे संतोष नहीं मिल रहा है। सो आलोचना की तोप राहुल की तरफ़ मोड़ दी गयी है। जातिवाद के जरिये राहुल-कांग्रेस पर देश को तोड़ने का आरोप दरअसल उनकी जातिगत जनगणना की मांग से जुड़ा है। हालांकि बुधवार को हुई केबिनेट बैठक में सरकार ने फैसला लिया है कि वह जातिगत जनगणना कराएगी। मगर अपनी बौखलाहट में राहुल पर आक्रमण करती भाजपा को भूलना नहीं चाहिये कि राहुल व कांग्रेस परिवार के दो लोगों की हत्याएं आतंकवादियों ने ही की हैं।

भाजपा के जो लोग इस पोस्टर वॉर का हिस्सा हैं या उसे अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन दे रहे हैं, वे इस बात को भी भूलते हैं कि विपक्षी नेताओं में सबसे पहले राहुल तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ऐलान किया था कि वे सरकार के साथ पूरी तरह से खड़े हैं और सरकार जो भी निर्णय लेगी, वे उसका समर्थन करेंगे। राहुल ने ही सबसे पहले कश्मीर का दौरा किया और साफ किया कि चाहे जो चूक हुई हों, वे सरकार से अभी कोई सवाल नहीं करेंगे। इसके बरक्स प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रवैये से निराशा हुई है। सऊदी अरब का दौरा छोड़कर लौटे मोदी से उम्मीद थी कि वे तुरन्त कश्मीर जायेंगे। उनसे यह भी अपेक्षा थी कि वे सर्वदलीय बैठक का नेतृत्व करेंगे। आश्चर्य ही नहीं यह दुख की बात है कि उन्होंने बैठक में भाग लेने की बजाय बिहार की रैली में जाना उचित समझा जहां इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने जा रहा है। इतना ही नहीं, कार्यक्रम के मंच पर उनके तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की हंसी-ठिठोली करते वीडियो सामने आये थे जो इस बात को साबित करने के लिये काफी हैं कि उन्होंने इस घटना को कितने हल्के में लिया है। अलबत्ता, उन्होंने मृतकों के प्रति संवेदना स्वरूप सभी से कुछ पलों का मौन धारण कराया था।

जनता को यह भी उम्मीद थी; और अब भी है कि वे संसद के दोनों सदनों का कम से कम एक दिन का विशेष सत्र बुलायें जिसमें वे सरकार के कदमों की देश को जानकारी दें। उन्हें देशवासियों को आश्वस्त करना चाहिये कि आईंदा ऐसी दुखद घटनाएं न हों उसके लिये सरकार पुख्ता कदम उठायेगी। राष्ट्र के नाम टीवी पर वे संदेश तो दे ही सकते थे, लेकिन उन्होंने इस विषय के लिये हर माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को चुना। एक ओर तो सरकार अपने कर्तव्यों से पूरी तरह से सायास विमुख रही है तो वहीं दूसरी ओर विपक्ष, खासकर राहुल जिम्मेदार नेता की तरह बर्ताव कर रहे हैं। ऐसे में उन पर हमला तर्कसंगत नहीं है।

राजनैतिक हिसाब-किताब फिर कभी, अभी एकजुटता दिखाने की जरूरत

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

उत्तराखंड के मसूरी में कश्मीरी शॉल बेचने वाले दो लोगों के साथ मारपीट कर उन्हें चले जाने कहा गया, इस घटना का वीडियो बनाया गया, जिसमें पीड़ितों के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस घटना के बाद कम से कम 16 कश्मीरी शॉल विक्रेता मसूरी छोड़ कर चले गए, जबकि वे बरसों से यहां थे।....

'ये विश्व पाकिस्तान का नहीं है। पाकिस्तान के एजेंट इसी चौराहे पर खड़े होकर सुन रहे हैं। मैं कहना चाहता हूं कि 'अब तुम भोपाल में हंगामा करके दिखाओ। आरिफ मसूद, चोर और उसके साथी जो हमारे धर्म का विरोध करते हैं, उन्हें हम नहीं छोड़ेंगेज्‍ यहीं पर निपट लेंगे।'... ये बयान मंगलवार को हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा कार्यसमिति के सदस्य कृष्णा घाडगे ने दिया। जिन आरिफ मसूद का जिक्र उन्होंने किया, वे कांग्रेस के विधायक हैं। हालांकि श्री घाडगे का कहना है कि उनकी रैली पाकिस्तान के खिलाफ थी और मसूद के फैन क्लब ने उनके बारे में झूठी शिकायत दर्ज कराई है।...

मंगलुरु में एक क्रिकेट मैच के दौरान 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के कथित नारे लगाने पर 25 से अधिक लोगों के एक समूह ने एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी...। 27 अप्रैल को दिन के करीब 3 बजे यह घटना हुई, जिसमें भीड़ लाठियों से पीड़ित को पीटती रही और उसे मार डाला गया...।

प.बंगाल में एक शहर में व्यस्त मार्ग पर पाकिस्तान के झंडे का स्टीकर चिपकाया गया, ताकि राहगीरों के पैर उस पर पड़ते रहे...कुछ जगहों पर पाकिस्तनी झंडे को जलाने की कोशिश भी की गई...।

अलीगढ़ में सड़क पर पाकिस्तान का झंडा पड़ा देख 9वीं कक्षा के एक छात्र ने उसे हटाने के लिए उठाया, इस पर वहां मौजूद हिंदूवादी संगठन के कुछ कार्यकर्ताओं ने छात्र को पकड़ लिया, छात्र पर आरोप लगे कि वो झंडे की 'हिफाजत' कर रहा है, उसने रोते हुए माफी मांगी और कहा कि वो ऐसा कुछ नहीं कर रहा था, लेकिन उस छात्र को आतंकवादी कहते हुए उससे पाकिस्तान के झंडे पर कील ठुकवाई गई और फिर पेशाब भी करवाई गई। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बनाया गया है।...

उपरोक्त तमाम दृष्टांत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद के हैं, जिसमें पाकिस्तान से बदला लेने को तत्पर देशभक्त नागरिक अपने ही साथी नागरिकों को प्रताड़ित कर रहे हैं। इस प्रताड़ना का सबसे बड़ा आधार यही है कि पीड़ित व्यक्ति मुस्लिम है। देश में अल्पसंख्यकों पर इस किस्म के अत्याचार पहली बार नहीं हुए हैं। लेकिन ऐसी घटनाओं का बार-बार होना और खासकर संवेदनशील वक्त में इनकी आवृत्ति बढ़ना न केवल देश की एकता के लिए खतरनाक है, बल्कि इस लिहाज़ से भी चिंताजनक है कि हम किस कदर कुंठाग्रस्त और हिंसक मनोवृत्ति वाले समाज में तब्दील हो चुके हैं। एक निर्वाचित विधायक से लेकर 9वीं कक्षा के छात्र तक किसी को भी हिंसा का डर दिखाया जा रहा है, तो क्या ये सभ्य समाज की निशानी मानी जाएगी। 9वीं कक्षा के छात्र से पाक झंडे पर पेशाब करवा कर और उसका वीडियो बनाकर क्या देशभक्ति का सबूत जुटाया जा रहा है। वह किशोर बच्चा इस मानसिक यंत्रणा के बाद क्या लंबे वक्त तक सामान्य हो पाएगा। चंद उन्मादी लोगों ने उसे जीवन भर का दाग दे दिया है, जिसे न जाने कैसे मिटाया जा सकेगा।

पाकिस्तान के झंडे को कुचलकर या उसे उठाने वाले को सजा देकर या कश्मीर में हुए आतंकी हमले का बदला कश्मीरी लोगों पर उतारकर हम अपने मानसिक दिवालिएपन का नमूना दुनिया के सामने पेश कर रहे हैं, ये बात इस समय उग्र राष्ट्रवाद से ग्रस्त लोगों को समझ नहीं आएगी, और जब तक आएगी, तब तक शायद देर हो चुकी होगी।

> अब भाजपा नेतृत्व को भी अपने नेताओं, कार्यकर्ताओं को ऐसे ही निर्देश देने चाहिए। राजनैतिक हिसाब-किताब के लिए काफी वक्त मिल जाएगा, लेकिन ये समय देश के लिए एकजुट होकर खड़े रहने का है। समाज के बाकी तबकों को भी इस पर विचार करना चाहिए कि नफरत और हिंसा की घटनाओं को आखिर कैसे रोका जा सकता है।

इन घटनाओं के बीच एक घटना का वीडियो और सामने आया है, जिसमें दिल्ली के एक भाजपा नेता के घर एसी सर्विस करने आए दो लोगों को केवल इसलिए लौटा दिया गया क्योंकि वे मुसलमान हैं। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि घर के दरवाजे पर खड़े दो व्यक्तियों से कहा जा रहा है कि तुम चले जाओ हम मुसलमानों से काम नहीं कराते, अपनी कंपनी से कहो किसी हिंदू को भेजें।

पहले भी कई गिग वर्कर्स के साथ धर्म के आधार पर ऐसा अपमानजनक व्यवहार हो चुका है, लेकिन अब अपमान करने के साथ-साथ उनका वीडियो बनाकर डालना समाज में यह संदेश फैलाने की कोशिश करना है कि यह देश अल्पसंख्यकों का नहीं है और अगर उन्हें यहां रहना है तो इसी तरह डर कर, अपमानित होकर रहना पड़ेगा। यह कोई अच्छी स्थिति नहीं है। मगर अपनी राजनीतिक जमीन पुख्ता करने के लिए शायद यही अच्छी स्थिति है। कुछ और दृष्टांत देखिए-

पहलगाम हमले के फौरन बाद महाराष्ट्र में भाजपा विधायक नीतेश राणे ने कहा है कि हिंदुओं को कुछ भी खरीदने से पहले दुकानदार का धर्म पूछना चाहिए और उसे हनुमान चालीसा पढ़ने कहना चाहिए। वहीं केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इस हमले में खुफिया एजेंसियों की नाकामी और सरकार की विफलता को लेकर उठते सवालों के बीच कहा कि जब तक 140 करोड़ भारतवासी देशभक्ति और राष्ट्रवाद को अपना परम धर्म मानते नहीं हैं, तब तक इस तरह की घटनाएं देश को परेशान करती रहेंगी।

यह बड़ा ही निराशाजनक बयान था, जिसमें देश की जनता को ही ऐसी घटना का कसूरवार ठहरा दिया गया। जब नरेन्द्र मोदी बार-बार इन 140 करोड़ लोगों को अपना परिवार बताते हैं, तो क्या वे राष्ट्रद्रोहियों को अपना भाई-बंधु बता रहे हैं, यह बात श्री गोयल को स्पष्ट करनी चाहिए। वैसे दुख की बात है कि भाजपा ने पहले नेहरू-गांधी जैसे स्वाधीनता सेनानियों का अपमान किया, विपक्ष की आवाज़ को दबाया, संविधान को बदलने की कोशिश की, अंबेडकर के नाम लेने को फैशन बताया, सुप्रीम कोर्ट पर पक्षपात का आरोप लगाया, मुख्य न्यायाधीश को गृहयुद्ध भड़काने वाला बताया और अब उस आम जनता को ही कटघरे में खड़ा कर दिया, जो सारी तकलीफें सहते हुए, चुपचाप अपना काम करती है, ताकि देश आगे बढ़े, टैक्स भरती है ताकि राजकोष भरे, नियमों-कानूनों का पालन करती है, ताकि देश में अराजकता न फैले, ये सब देशभक्ति और राष्ट्रवाद नहीं है तो फिर और क्या है। लेकिन भाजपा के नेता अब भी देशभक्ति और राष्ट्रवाद के अपने पैमाने पर 140 करोड़ लोगों की देशभक्ति को परख रहे हैं। अफसोस की बात ये है कि इनके पैमाने में देश के लिए शहीद हुए लोगों के लिए भी सम्मानजनक स्थान नहीं है। अन्यथा आज राहुल गांधी, सोनिया गांधी या प्रियंका गांधी की देशभक्ति पर सवाल नहीं किए जाते।

मंगलवार को राहुल गांधी रायबरेली के दौरे पर थे और बुधवार को वे अमेठी पहुंचे, इस दौरान अज्ञात लोगों ने उनके खिलाफ पोस्टर लगाए, एक में लिखा आतंक का साथी, राहुल गांधी। एक अन्य पोस्टर में राहुल, कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला और महाराष्ट्र के नेता विजय वडेट्टीवार की फोटो के साथ लिखा - इंडी गठबंधन का हाथ पाकिस्तान के साथ। तीसरे पोस्टर में गुलाम नबी आजाद, लश्कर आतंकी हाफिज सईद और सैफुद्दीन सोज की फोटो लगी थी, इसमें लिखा था- कांग्रेस आतंकियों और पाकिस्तान की भाषा बोल रही है। क्या राहुल और उनकी पार्टी पाकिस्तान और आतंकवादियों का एजेंडा आगे बढ़ा रही?

उप्र पुलिस ने इन पोस्टरों को उतार लिया है, लेकिन सोचने वाली बात है कि जिन राहुल गांधी ने अपने पिता और दादी को आतंकवाद के कारण ही खोया है, जो देश के नेता प्रतिपक्ष हैं, उन पर इस तरह के इल्जाम क्यों लगाए जा रहे हैं। इसी तरह प्रियंका गांधी का दोसा बनाते एक वीडियो शेयर करते हुए एक भाजपा समर्थक ने लिखा, जिस तरह देश को जलाया, उसी तरह दोसा जला रही हैं।

भाजपा नेता संबित पात्रा ने राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के खिलाफ दिए एक लंबे-चौड़े बयान में कहा कि यह इंडी गठबंधन नहीं है, यह रावलपिंडी गठबंधन है। आज से हम इन्हें इंडी गठबंधन नहीं कहेंगे, हम इन्हें 'पिंडी' गठबंधन कहेंगे। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के अन्य नेता पाकिस्तानी मीडिया के हीरो हैं। मुझे लगता है कि वह दिन दूर नहीं जब इस 'पिंडी' गठबंधन के लोग पाकिस्तान में चुनाव लड़ेंगे।

गौर करने की बात यह है कि विपक्ष पर सारे इल्जाम उस वक्त लगाए जा रहे हैं, जब सर्वदलीय बैठक में समूचे विपक्ष ने सरकार को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में साथ देने का ऐलान किया है। हालांकि कांग्रेस के ट्विटर हैंडल पर नरेन्द्र मोदी को निशाने पर लेते हुए कुछ ट्वीट किए गए, जिन पर भाजपा ने आपत्ति जाहिर की, तो कांग्रेस ने उन्हें हटा लिया साथ ही के सी वेणुगोपाल ने सख्त निर्देश दिए हैं कि कांग्रेस कार्यसमिति में लिए फैसले के आधार पर पार्टी लाइन पर ही बयान दिए जाएं और कोई भी आपत्तिजनक ट्वीट न किया जाए। अब भाजपा नेतृत्व को भी अपने नेताओं, कार्यकर्ताओं को ऐसे ही निर्देश देने चाहिए। राजनैतिक हिसाब-किताब के लिए काफी वक्त मिल जाएगा, लेकिन ये समय देश के लिए एकजुट होकर खड़े रहने का है। समाज के बाकी तबकों को भी इस पर विचार करना चाहिए कि नफरत और हिंसा की घटनाओं को आखिर कैसे रोका जा सकता है। पुलिस-प्रशासन मामले दर्ज कर सकती है, लेकिन आम लोगों में सौहार्द्र और सद्भाव कायम रहे, यह काम घरों, शिक्षा संस्थानों, कार्यालयों से होना चाहिए।

क्या मोदी पाकिस्तान के खिलाफ अमेरिका की दोस्ती का इस्तेमाल कर सकते हैं?

■ नित्य चक्रवर्ती

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प ने 29 अप्रैल, मंगलवार को अपने दूसरे गैर-लगातार कार्यकाल में अपने पहले 100 दिन पूरे कर लिए हैं, जबकि उनकी अव्यवस्थित नीतियों के कारण वैश्विक अव्यवस्था जारी है। एकतरफा टैरिफ वृद्धि, गाजा में शांति स्थापित करने में विफलता, इजरायल द्वारा हत्याओं का सिलसिला भी जारी है और अमेरिकी अर्थव्यवस्था अभी भी ट्रम्प के खुद के कदमों से वैश्विक अर्थव्यवस्था में आयी उथल-पुथल के साथ तालमेल नहीं बिठा पाई है।

ट्रम्प प्रशासन के पहले 100 दिनों में टैरिफ नीति के कार्यान्वयन की प्रक्रिया में कई उतार-चढ़ाव देखे गये। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार युद्ध में चीन के साथ अपनी लड़ाई में ट्रंप ने पहले कदम बढ़ाया है, लेकिन अभी तक चीन ने आधिकारिक तौर पर वार्ता के लिए प्रतिनिधि नहीं भेजे हैं। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के प्रति ट्रंप का रुख अब नरम है। ट्रंप के सलाहकारों को उम्मीद है कि जुलाई के पहले सप्ताह में समाप्त होने वाली 90-दिवसीय विराम अवधि के दौरान अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता के लिए पचास से अधिक देशों की सहमति मिल जायेगी। अब तक कुल 180 व्यापार भागीदारों में से 21 देश व्यापार शर्तों पर बातचीत करने के लिए सहमत हो गये हैं।

अमेरिकी लोग ट्रंप के आखिरी 100 दिनों को किस तरह देख रहे हैं? न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को और शिकागो सहित अमेरिका के प्रमुख शहरों में ट्रंप की मगानीतियों और अंधाधुंध निर्वासन के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। खास बात यह थी कि विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की इतने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों में कोई भूमिका नहीं थी। ट्रेड यूनियनों और महिला संगठनों सहित विभिन्न हित समूहों ने इसमें अग्रणी भूमिका निभायी।

> भारत के लिए, सबसे तात्कालिक मुद्दा यह है कि अगर पीएम नरेंद्र मोदी 22 अप्रैल को ट्रम्प के 100 दिन पूरे होने से ठीक सात दिन पहले हुए पहलगाम नरसंहार पर जवाबी कार्रवाई के रूप में पाकिस्तान के खिलाफ गंभीर सैन्य कार्रवाई करते हैं, तो ट्रम्प क्या निर्णय लेंगे। यह भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि, सभी देशों ने पहलगाम नरसंहार की कड़ी निंदा की है।

ट्रंप के लिए बेचैन करने वाला पहलू यह है कि हाल के जनमत सर्वेक्षणों में ट्रंप की स्वीकृति रेटिंग 39 से 44 प्रतिशत के बीच दर्ज की गयी, जो अमेरिकी विश्लेषकों के अनुसार, 100 दिन पूरे होने के बाद अन्य राष्ट्रपतियों की तुलना में सबसे कम थी। जो बाइडेन 54 प्रतिशत और बराक ओबामा 62 प्रतिशत पर थे। 100 दिनों के बाद उनकी रेटिंग में यह गिरावट बढ़ सकती है, अगर वे इस साल जुलाई के बाद अपनी व्यापार कूटनीति में सफलता प्राप्त कर सकें और अमेरिकी लोगों और व्यापारिक साझेदारों को यह साबित कर सकें कि अमेरिका के समर्थन के बिना कोई भी देश वैश्विक व्यापार में समृद्ध नहीं हो सकता।

अमेरिकी लोगों ने यह भी देखा है कि वे एकमात्र राष्ट्रपति हैं जिन्होंने गाजा और यूक्रेन में युद्धविराम लाने का काम तुरंत शुरू किया। यह एक नाजुक और समय लेने वाली प्रक्रिया है, लेकिन ट्रम्प युद्धविराम की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए रूसी और यूक्रेन के राष्ट्रपतियों को एक शिखर सम्मेलन में लाने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रम्प 9 मई को मास्को में विजय दिवस समारोह में भाग लेने वाले हैं। ट्रम्प और पुतिन दोनों यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने के बारे में अधिक बात कर सकते हैं, जबकि यूरोपीय संघ के सदस्य राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की को रूस के खिलाफ युद्ध जारी रखने के लिए उकसा रहे हैं।

यूरोप के संबंध में, ट्रम्प ने यूरोपीय संघ के सदस्यों को पूरी तरह से अलग-थलग कर दिया है। हंगरी को छोड़कर, उनका कोई समर्थक नहीं है। लेकिन इस साल 20 जनवरी को अपने शपथ ग्रहण के बाद से ही यूरोपीय देशों, खास तौर प्र फ्रांस और जर्मनी के खिलाफ उनके हमलों ने उन देशों में दक्षिणपंथी पार्टियों की मदद नहीं की है। जर्मनी में ट्रंप का अभियान विफल रहा और फिलहाल जर्मन राष्ट्रवाद की जीत हुई। 28 अप्रैल को केनडा में राष्ट्रीय चुनाव हुए, जिसमें मार्क कार्नी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी की बड़ी जीत देखी गयी, जो वर्तमान प्रधानमंत्री हैं।

भारत के लिए, सबसे तात्कालिक मुद्दा यह है कि अगर पीएम नरेंद्र मोदी 22 अप्रैल को ट्रम्प के 100 दिन पूरे होने से ठीक सात दिन पहले हुए पहलगाम नरसंहार पर जवाबी कार्रवाई के रूप में पाकिस्तान के खिलाफ गंभीर सैन्य कार्रवाई करते हैं, तो ट्रम्प क्या निर्णय लेंगे। यह भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि, सभी देशों ने पहलगाम नरसंहार की कड़ी निंदा की है और भारत को समर्थन दिया है, लेकिन उन्होंने भारत के इस दावे का समर्थन करते हुए कुछ भी नहीं कहा है कि इसके पीछे पाकिस्तान का हाथ था।

22 अप्रैल को ही, ट्रम्प और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे. डी. वांस, जो उस दुर्भाग्यपूर्ण दिन भारत में थे, ने सहानुभूतिपूर्वक भारत का समर्थन किया। इसे यहां के सरकारी अधिकारियों द्वारा भारतीय स्थिति के लिए एक तरह से स्पष्ट समर्थन के रूप में लिया गया। लेकिन बाद में ट्रंप ने अपना रुख बदलकर तटस्थ रुख अपनाया जब उन्होंने कहा कि- सीमा पर हमेशा तनाव रहा है, लेकिन दोनों देश इसे सुलझा लेंगे। अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड की टिप्पणी अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा-'अमेरिका भारत के साथ खड़ा है क्योंकि वह जघन्य पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगा रहा है।'

मौलिक बात यह है कि वर्तमान वैश्विक स्थिति में ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच एक और युद्ध नहीं चाहेंगे, चाहे अमेरिकी राष्ट्रपति की अपने प्रिय मित्र नरेंद्र मोदी के प्रति व्यक्तिगत पसंद कुछ भी हो। लेकिन निश्चित रूप से, भारत अमेरिका को पाकिस्तान सरकार पर आतंकी शिविरों को नष्ट करने और भारत के खिलाफ पाकिस्तान से संचालित होने वाले आतंकवादियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने के लिए जबरदस्त दबाव डालने के लिए राजी कर सकता है। भारतीय खुफिया एजेंसियों के पास ऐसे आतंकी शिविरों की सूची होगी। सीआईए के पास भी होगी। ट्रंप और तुलसी गबार्ड दोनों के साथ अच्छे संबंधों का उपयोग भारत के लिए तत्काल उपलब्ध विकल्प है।

पाकिस्तान पहलगाम नरसंहार की जांच के लिए एक अंतरराष्ट्रीय जांच स्थापित करने की मांग कर रहा है। चीन और कुछ अन्य देशों ने इसका समर्थन किया है। स्पष्ट कारणों से, भारत इस पर सहमत नहीं हो सकता क्योंकि इससे कश्मीर की स्थिति को अंतरराष्ट्रीय बनाने में मदद मिलेगी। आतंकी शिविरों को नष्ट करने की सीमित कार्रवाई को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, या तो अमेरिका द्वारा की गयी कार्रवाई के द्वारा, या अमेरिकी समर्थन के साथ भारतीय बलों द्वारा। ट्रंप एक लेन-देनवादी हैं। वह भारत को समर्थन के लिए अमेरिकी व्यापार के लिए कुछ बड़े सौदे की तलाश कर सकते हैं, जैसा कि उन्होंने यूक्रेन के खनिज संसाधनों के बारे में राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के साथ किया था।

किसी भी मामले में, भारत के पास बहुत कम विकल्प हैं। मोदी शासन के पिछले ग्यारह वर्षों में, विदेश नीति को अमेरिका को एकमात्र मित्र के रूप में विकसित करने के लिए तैयार किया गया है। रूस इस समय अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में नाराज है, रक्षा आयात के कई क्षेत्रों में रूस की जगह ली जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पिछले साल 22 अक्टूबर को कज़ान में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भारत आने का निमंत्रण दिये जाने के छह महीने बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई तिथि तय नहीं की गयी है। चीन अब भारत के साथ अपने संबंधों को बेहतर बनाने में दिलचस्पी रखता है। लेकिन उसके विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ने 28 अप्रैल को पाकिस्तान की संप्रभुता की रक्षा में उसका समर्थन करने की बात कही। प्रधानमंत्री और उनके सलाहकारों को अमेरिका के समर्थन और चीन की सहनशीलता के साथ पाकिस्तान पर पलटवार करने के लिए सबसे अच्छे विकल्प की तलाश करनी होगी। ट्रंप के कार्यकाल के सौ दिन पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी यह साबित करने का मौका मिलेगा कि पाकिस्तान द्वारा समर्थित सीमा पार आतंकवाद की चुनौती का सामना करने में इस दोस्ती का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है।

ललित सुरजन की कलम से

चुनावों में बदजुबानी

'यदि भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार अपने विरोधियों पर विष बुझे तीर छोड़ रहे हैं तो कांग्रेस, सपा, बसपा, आप आदि के नुमाइंदे भी अपनी वाणी पर संयम नहीं रख पा रहे हैं। ऐसा लगता है मानो चुनकर संसद में जाने के पहले ही सारा हिसाब-किताब बराबर कर लेंगे। ऐसा नहीं कि प्रत्याशीगण ऐसा आचरण भावावेश में कर रहे हों बल्कि अनुमान होता है कि वे अच्छी तरह से जानबूझकर ही अशिष्ट और अनर्गल भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। इसमें उन्हें दो तरह से फायदा दिखाई देता है। एक तो उन्हें लगता है कि इससे मतदाताओं पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा और वे उनकी बहादुरी के कायल हो जाएंगे और दूसरे कि इससे मीडिया में उनका नाम बिना खास मेहनत किए सुर्खियों में आ जाएगा। तीसरे यह भी संभव है कि इसके लिए उन्हें दल के बड़े नेताओं से सराहना मिलती हो।'' यह जो परिस्थिति उत्पन्न हुई है इसकी कुछ जिम्मेदारी चुनाव आयोग को भी स्वीकार करना चाहिए। वह इसलिए कि आम चुनाव की प्रक्रिया बहुत लंबी खिंच गई है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है किंतु व्यक्ति केन्द्रित हो जाने से उसका दुष्प्रभाव कुछ अधिक गहरा गया है।'

(देशबन्धु में 24 अप्रैल 2014 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2014/04/blog-post_23.html

पावन प्रसंग

अपना काम स्वयं करें

अपना काम स्वयं करने से व्यक्ति हमेशा चेतन,सक्रिय और ऊर्जावान बना रहता है। शारीरिक और मानसिक श्रम करने से शरीर और मन, दोनों स्वस्थ रहते हैं और व्यक्ति में आलस्य-प्रमाद जैसे दोष भी नहीं पनपते। अपना काम स्वयं करने से स्वास्थ्य लाभ के अलावा अपने हर काम को सही तरीके से और समय पर पूरा कर पाने का लाभ भी मिलता है। हमारे व्यक्तित्व में निखार आता है। दूसरों के भरोसे रहने से काम के पूर्णरूपेण होने और समय पर सम्पन्न होने में संदेह भी होता है जिससे हमें अनावश्यक तनाव और चिंता होती है और फलस्वरूप हम शारीरिक-मानसिक रूप से अस्वस्थ भी रहते हैं। अपना काम स्वयं करने से हर कदम पर अपने काम का मूल्यांकन भी कर सकते हैं, गलत को सही करते हैं और अच्छे परिणाम पाते हैं। अपना काम स्वयं करने, समय पर करने और पूर्णरुपेण करने से हमें हमारे काम में सफलता भी मिलती है।हर छोटे-छोटे काम के लिए दूसरों पर आश्रित रहने और दूसरों की सेवा सहायता पाने की ताक में रहने से न सिर्फ हमारा काम खराब होता है,बल्कि हमें आत्मग्लानि भी होती है। ऐसी सोच हमें परावलंबी, पराश्रित, परजीवी, पंगु बनाकर हमें अपने आत्मस्वाभिमान, आत्मगौरव से भी वंचित करती है। हां,यदि असक्त हैं, बीमार हैं. मजबूर हैं, संकट में हैं तो किसी की सहायता लेने में कोई हर्ज नहीं। ऐसी स्थिति में सहायता लेनी भी चाहिए और दूसरों को सहायता देनी भी चाहिए। परंतु दूसरों के भरोसे रहने की आदत कोई भली आदत बिलकुल नहीं है। हम यदि स्वस्थ हैं तो हमें अपना काम स्वयं करने की आदत डालनी चाहिए और इसकी शुरुआत अपने घर से ही करनी चाहिए। जेसे अपने घर की सफाई, बगीचे के पौधों में स्वयं पानी सींचना आदि स्वावलंबी, आत्मनिर्भर व्यक्ति ही स्वयं के साथ- साथ परिवार, समाज व राष्ट्र के काम आता है और स्वयं को गौरवान्वित करने के साथ-साथ, परिवार, समाज और राष्ट्र को भी गौरवान्वित करता है। अपना काम स्वयं करने से हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है। आजकल देखा जाता है कि अपना काम स्वयं न करके दूसरों से कराने को ही सम्मान की बात मानी जाती है। इसी सोच ने व्यक्ति को आलसी, प्रमादी, निकम्मा बना दिया है। परमात्मा ने हमें मनुष्य शरीर दिया है। हमें सभी प्राणियों से श्रेष्ठ और बुद्धिमान बनाया है और परमात्मा ने ये सारे अनुदान, अनुग्रह हमें परावलंबी,पंगु बनने के लिए तो नहीं दिया है। हमें सर्वसमर्थ बनाया है ताकि हम हर कर्म को कुशलतापूर्वक कर हर क्षेत्रों में सफलता पाएं और स्वयं के साथ-साथ दूसरों को भी सुखी बनाए। जिन्हें जीवन में सुखी, सफल, समृद्ध व सानंद होना है, उन्हें अपना काम स्वयं करने की आदत अविलंब, आज और अभी से ही आरंभ कर देना चाहिए।

-अखंड ज्योति

आपके पत्र

राष्ट्रहित में संयम की पुकार है

यह नारा उस समय और अधिक सार्थक हो उठता है जब एक निर्दोष पर्यटक, अपनी पत्नी के साथ छुट्टियां मनाने गया हो और आतंक की गोली का शिकार हो जाए। पहलगाम की ताज़ा घटना, जिसमें एक हिंदू युवक को टारगेट कर आतंकवादियों ने गोली मार दी, सिर्फ एक हत्या नहीं, बल्कि भारत की आत्मा पर हमला है। और ऐसे समय में यह कहना—'प्रश्न पूछने के अवसर भी आएंगे'—कोरी बचाव की भाषा नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में संयम की पुकार है।

पहलगाम की घटना- घृणा का एकतरफा निशाना। जम्मू-कश्मीर का पहलगाम, जहां का प्राकृतिक सौंदर्य लोगों को आकर्षित करता है, अब आतंक का नया निशाना बन गया है। इस बार किसी सैनिक को नहीं, किसी पुलिसकर्मी को नहीं, बल्कि एक आम हिंदू नागरिक को निशाना बनाया गया—जो अपनी पत्नी के साथ पर्यटक बनकर वहां गया था। आतंकियों ने स्पष्ट धार्मिक पहचान देखकर हमला किया। यह हमला दो स्पष्ट संदेश देता है। पहला यह कि- पाकिस्तान-समर्थित आतंकी अब भी भारत में धार्मिक विभाजन फैलाने पर आमादा हैं। दूसरा यह कि उनका उद्देश्य केवल कश्मीर को अस्थिर करना नहीं, बल्कि पूरे भारत में डर और नफ़रत का माहौल बनाना है।

इस हमले की जिम्मेदारी लेने वाले संगठनों की जड़ें पाकिस्तान की धरती में हैं। चाहे वो लश्कर-ए-तैयबा हो, या टीआरएफ जैसे नए नाम वाले पुराने चेहरे—इनकी फंडिंग, ट्रेनिंग और संरक्षण सब पाकिस्तान से आते हैं। ये आतंकवादी संगठन अब न सिर्फ कश्मीर को चोट पहुंचा रहे हैं, बल्कि पूरे भारत की धार्मिक एकता और पर्यटक स्थलों की शांति को भी लक्ष्य बना रहे हैं। जब भारत आक्रोशित होता है, तो यह आक्रोश केवल सैनिक कार्रवाई तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह आम भारतीय के भीतर भी जागता है—जो अपने देश के सम्मान और सुरक्षा को सर्वोपरि मानता है।

सवाल बनाम एकता: वक्त का तकाज़ा-लेकिन इस समय कुछ लोग, खासकर बौद्धिक तबके के कुछ हिस्से और राजनीति के एक विशेष वर्ग से जुड़े लोग, इस घटना को 'कश्मीर में असंतोष' कहकर आतंकियों को परोक्ष वैचारिक समर्थन देने लगते हैं। कुछ मीडिया संस्थान इसे एक सामान्य अपराध बताकर इसकी धार्मिक प्रकृति को छुपाने की कोशिश करते हैं। ये वही लोग हैं जो हर बार आतंक के हमलों को या तो साजिश बताकर नजरअंदाज करते हैं या फिर 'भूल जाओ, आगे बढ़ो' जैसे शब्दों में लपेट देते हैं। लेकिन इस बार मामला सिर्फ एक व्यक्ति की मृत्यु का नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की चीख है, जिसे चुपचाप सह लेना नैतिक अपराध होगा।

हमारी ज़िम्मेदारी- वीरता सिर्फ सीमा पर नहीं होती। यह समझना ज़रूरी है कि देशभक्ति केवल वर्दी में नहीं, विचार में भी होती है। जब कश्मीर में एक हिंदू नागरिक को सिर्फ इसलिए मारा जाए क्योंकि वह हिंदू है, और तब भी देश के भीतर कुछ लोग चुप रहें, या मुद्दे से ध्यान भटकाएं, तो यह नैतिक पराजय होती है। वह वीरता क्या काम की, जो बंदूक थामे बिना चुपचाप अत्याचार को सहन करे? क्या लेखकों, कलाकारों, विचारकों और नागरिकों की कोई ज़िम्मेदारी नहीं? क्या हम सिर्फ ट्रेंडिंग हैशटैग तक सीमित रह गए हैं?

डॉ सत्यवान सौरभ

न्यायिक अधिकारियों के लिए आवासीय क्वार्टरों का सीजे ने किया वर्चुअल उद्घाटन

मप्र में न्यायिक बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में उठाया गया कदम

हाईकोर्ट परिसर में नव विकसित हरित उद्यान जस्टिस ग्रीन्स का भी लोकार्पण किया

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश में न्यायिक बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में हाईकोर्ट के सुरेश कुमार कैत ने बुधवार को विदिशा में न्यायिक अधिकारियों हेतु नवनिर्मित 14 आवासीय क्वार्टरों का वर्चुअल उद्घाटन कर उन्हें समर्पित किया। इसके साथ ही जबलपुर स्थित हाईकोर्ट परिसर में नव विकसित हरित उद्यान जस्टिस ग्रीन्स का भी लोकार्पण किया।

विदिशा स्थित इस आवासीय परिसर में फाइव सी-टाइप, फाइव डी-टाइप व फोर ई-टाइप क्वार्टर शामिल हैं, जिन्हें विशेष रूप से न्यायिक अधिकारियों को सुरक्षित, पर्याप्त तथा गरिमापूर्ण आवास सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निर्मित किया गया है। यह अधोसंरचना उन अधिकारियों को स्थायित्व एवं संस्थागत समर्थन प्रदान करने की दिशा में एक प्रयास है, जो अपने गृह नगरों से दूर सेवा दे रहे हैं। इस अवसर पर प्रशासनिक न्यायाधीश संजीव सचदेवा, न्यायाधीश जस्टिस गुरपाल सिंह अहलूवालिया पोर्टफोलियो न्यायाधीश जिला विदिशा सहित उच्च न्यायालय के अन्य न्यायमूर्तिगण भी उपस्थित रहे।

उक्त आवासीय परियोजना को राज्य सरकार द्वारा जनवरी 2012 में 4.94 करोड़ रुपये की प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई थी।

निर्माण कार्य का शुभारंभ जून 2013 में कार्य आदेश जारी होने के पश्चात हुआ और वर्ष 2017 में इसका निर्माण पूर्ण हो गया था। प्रशासनिक कारणों से यह परिसर अब तक उपयोग में नहीं लाया जा सका था। रजिस्ट्रार जनरल धर्मेन्द्र सिंह, मध्य प्रदेश राज्य न्यायिक अकादमी के निदेशक कृष्णमूर्ति मिश्रा, रजिस्ट्री एवं अकादमी के वरिष्ठ अधिकारीगण व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन प्रिंसिपल रजिस्ट्रार न्यायिक संदीप शर्मा द्वारा किया गया। रजिस्ट्रार कार्य एवं अवसंरचना युगल रघुवंशी ने आभार प्रदर्शन किया।

जनसमुदाय के सहयोग से की गई तालाब एवं बावड़ी की सफाई

जबलपुर, देशबन्धु। जल गंगा संवर्द्धन अभियान अंतर्गत जजं अभियान परिषद द्वारा नवांकुर संस्थाओं, मेंटर्स, सामुदायिक नेतृत्व पाठ्यक्रम के छात्रों, प्रस्फुटन समितियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं जन समुदाय की सहभागिता से जल संरक्षण के लिए नदी घाट, तालाबों, प्राचीन बावड़ी एवं अन्य जल संरचनाओं में निरन्तर स्वच्छता का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को भी जिले के विभिन्न स्थानों पर जल संरक्षण की गतिविधियां आयोजित की गईं।

जन अभियान परिषद द्वारा बुधवार की सुबह गढ़ा स्थित प्राचीन बावड़ी जल मंदिर में नवांकुर संस्था रचना बाल कल्याण समिति के संयोजन में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में परिषद के जिला समन्वयक प्रदीप तिवारी, विकास खण्ड समन्वयक विनायक राव वडनेरकर, नवांकुर संस्था प्रमुख आशीष व्यास, संदीप रजक, श्याम पटेल एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं की सहभागिता रही। इसी प्रकार परिषद की नवांकुर संस्था एवं अहिंसा अक्षर फाउंडेशन द्वारा कटंगी स्थित तालाब की श्रमदान के माध्यम से सफाई की गई। स्थानीय जनों,

सामाजिक कार्यकर्ताओं, सामुदायिक नेतृत्व पाठ्यक्रम के छात्रों द्वारा तालाब से जल कुंभी, प्लास्टिक, पॉलीथिन एवं कचरा निकाला गया। जन अभियान परिषद की विकासखंड समन्वयक श्रीमती नूपुर खरे, परामर्शदाता कमल झारिया, अध्यक्ष शिवराज सिंह चौहान सहित सामाजिक कार्यकर्ता इस अवसर पर उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का जबलपुर आगमन गुरुवार को

जबलपुर, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का गुरुवार एक मई को जबलपुर आगमन होगा। मुख्यमंत्री गुरुवार की सुबह 11.40 बजे सागर जिले के गढाकोटा से हेलीकॉप्टर द्वारा जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट आयेंगे तथा यहां से पांच मिनट बाद वायुयान द्वारा इंदौर प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव इंदौर से वायुयान द्वारा शाम 4.50 बजे वापस जबलपुर आयेंगे तथा यहाँ स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद रात 8 बजे वायुयान द्वारा इंदौर रवाना होंगे।

जाएंट्स हेल्पिंग एसोसिएशन द्वारा अक्षय तृतीया पर मेडिकल में शीतल जल वितरित

जबलपुर, देशबन्धु। ग्रुप का पंचम प्रकल्प चलित प्याऊ ग्रुप के सदस्य प्रवीण करेचा एवं श्रीमती कुसुम करेचा के सौजन्य से मेडिकल परिसर, नागपुर रोड पर बुधवार 30 अप्रैल को आयोजित किया गया, जिसमें शीतल जल मरीजों एवं मरीजों के परिजनों को वितरित किया गया। सेवामई कार्यक्रम को सफल बनाने में वी के धवन, खूब चंद मलगानी, श्रीमति रवि अरोरा अध्यक्ष, दीपा पटेल सचिव, कुसुम करेचा, पी एल शर्मा, अरविन्द पटेल, चरन जीत सिंघ अरोरा, प्रवीण करेचा, दीपक जैन, अपना आहार समिति के कर्मचारी,बड़ी संख्या मे मरीजों के परिजनों की मौजूदगी उल्लेखनीय रही।

चार वर्षीय मासूम से दुराचार मामले में संदिग्ध व्यक्तियों की डीएनए जांच

जबलपुर, देशबन्धु। मझगवां थानान्तर्गत चार वर्षीय बच्ची के साथ दुराचार करने वाला आरोपी पुलिस गिरफत से दूर है। पुलिस ने आरोपी के तलाश में जुटी हुई है। पुलिस ने चार संदिग्ध युवकों का डीएनए जांच के लिए भेजा है। बच्ची की हालत में सुधार होने के कारण उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है।

मासूम बच्ची की हालत में सुधार आने के कारण अस्पताल से हुर्ट डिस्चार्ज

एसडीओपी सिहोरा से प्राप्त जानकारी के अनुसार मझगवां थाना अंतर्गत स्थित ग्राम में विगत 26 अप्रैल को विवाह समारोह था। गांव में पान उमरिया क्षेत्र से बारात आई हुई थी। पडोस में रहने महिला ने विवाह कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहने अपनी चार वर्षीय बच्ची को तैयार किया था। इसके बाद बच्ची मकान के ऊपरी हिस्से में रहने वाली ताई के घर गयी थी और नीचे आने के बाद गायब हो गयी। बच्ची की मॉ भी तैयार होने के बाद विवाह समारोह में शामिल होने चली गयी थी। बच्ची के नहीं मिलने पर उसकी तलाश प्रारंभ की। रात लगभग 10 बजे बच्ची घर से लगभग दो सौ मीटर दूर सड़क में मिली।

परिजन बच्ची को लेकर घर गये और चेक करने पर पाया कि उसके गुप्तांग से खून निकल रहा है। इसके साथ उसके चेहरे व गले में मारपीट के निशान थे। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण,दुराचार तथा पॉस्को के तहत प्रकरण दर्ज कर मासूम बच्ची को उपचार के लिए एलगिन महिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। बच्ची की स्थिति में सुधार होने के कारण उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। बच्ची अभी सदमें तथा दहशत में है और कुछ बताने की स्थिति में नहीं है। पुलिस ने चार संदिग्ध युवक को पूछताछ में लिए अभिरक्षा में लिया था। चारों संदिग्ध युवकों के डीएनए को जांच के लिए भेजा गया है।

नाइजीरियाई युवक के बैग में मिले 10 लाख नगद

आयकर विभाग को भेजी गई सूचना

जबलपुर, देशबन्धु। मुख्य रेलवे स्टेशन जबलपुर के बाहर सिविल लाइन थाना क्षेत्र में पुलिस ने रूटीन चेकिंग के दौरान संदेह के आधार पर विदेशी नागरिक के बैग से 10 लाख रुपए नगद बरामद किए हैं। रुपयों के संबंध में हुई प्राथमिक पूछताछ में समुचित जवाब न मिलने पर पुलिस ने रकम जब्त करते हुए रकम से संबंधित मामले की सूचना आयकर विभाग दी है। विदेशी नागरिक को अग्रिम जांच में संपूर्ण सहयोग करने के आष्वासन के बाद दस्तावेजी कार्रवाई करते हुए उसे छोडा गया है।

सिविल लाइन थाना प्रभारी रितेष पांडे से प्राप्त जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर-6 के बाहर माल गोदाम के पास एक विदेशी नागरिक पुलिस पेट्रोलिंग को घूमते हुए मिला। पुलिस ने उससे पासपोर्ट के संबंध में पूछताछ की तो उसने अपना नाम इग्वे पैट्रिक निवासी नाइजीरिया बताया। विदेशी नागरिक इग्वे पैट्रिक के बैग की तलाशी की तलाषी लेने पर

उसके अंदर 500-500 के नोट की 19 गड्डी और 200 के नोट सहित अन्य कुल रकम 10 लाख रुपए मिली। पूछताछ विदेशी नागरिक ने बताया कि बैग में रखी रकम उसकी है और वह मनी एक्सजेंच के माध्यम से लेकर आया है।

रुपयों के संबंध में बारीकी से पूछताछ करने पर इग्वे पैट्रिक पुलिस को संतोष जनक उत्तर तथा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं दे पाया। पुलिस ने धारा 106 बीएनएस के तहत बैग से मिली 10 लाख रुपए की रकम जब्त करते हुए आयकर विभाग को सूचित किया। जांच में सहयोग का दस्तावेजी कार्यवाही के बाद पुलिस ने युवक को रिहा कर दिया।

ऑपरेशन यात्री सुरक्षा यात्रियों के समान की सुरक्षा में आरपीएफ का सराहनीय कदम

जबलपुर, देशबन्धु। भारतीय रेलवे में यात्रियों के सामान की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल द्वारा ऑपरेशन यात्री सुरक्षा अभियान चलाया जाता है। इसी कडी में रेल सुरक्षा बल, पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा यात्री समान की चोरी व लूट की घटनाओं को रोकने हेतु महत्वपूर्ण कदम उठाये है। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा समय-समय पर आयोजित विशेष अभियानों और कार्रवाईयों के चलते अपराधियों की गिरफ्तारी भी हुई है, जो कि यात्री समान की चोरी के मामलों में शामिल थे।

रेलवे सुरक्षा बल का मुख्य उद्देश्य यात्रियों और उनके समान की सुरक्षा करना है। इसी क्रम में रेल सुरक्षा बल, पश्चिम मध्य रेल द्वारा इस अभियान के तहत वर्ष 2025 में 26 अप्रैल तक यात्री समान की चोरी एवं लूट के 31 प्रकरण हल करते हुये 18,41,490/- रूपये की चोरी गई सम्पत्ति बराबद कर 38 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

भाजपा जबलपुर महानगर के पांच मंडलों की कार्यकारिणी घोषित

जबलपुर, देशबन्धु। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद वीडी शर्मा के निर्देशानुसार, भाजपा जबलपुर महानगर के जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर के अनुमोदन के पश्चात जबलपुर महानगर के नर्मदा मंडल, महाराणा प्रताप, रानी दुर्गावती, महर्षि वाल्मीकि एवं लोकमान्य तिलक मंडल के अध्यक्षों ने मंडल कार्यकारिणी घोषित की है। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर, नर्मदा मंडल अध्यक्ष संतोष यादव, महाराणा प्रताप मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र विश्वकर्मा, रानी दुर्गावती मंडल अध्यक्ष प्रणय गुप्ता, महर्षि वाल्मीकि मंडल अध्यक्ष नरेश पटेल, लोकमान्य तिलक मंडल अध्यक्ष ऋषि सोनकर ने मंडल के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं कार्यकारणी सदस्यों को शुभकामनाएं प्रेषित की है।

सी.बी.एस.ई सीनियर सेकेण्ड्री के अर्नव तिवारी का एनडीए में चयन

जबलपुर, देशबन्धु। विगत दिवस संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एनडीए की परीक्षा में ए.पी.एन, सी.बी.एस.ई. सीनियर सेकेण्ड्री के छात्र अर्नव तिवारी का चयन हुआ। छात्र की उपलब्धी पर संस्था अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव, सीबीएसई प्राचार्य मुकेश चौरसिया, मानवेन्द्र सिंह, अजय वर्मा सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने शुभकामनाएं देते हुए अर्नव तिवारी के उज्जवल भविष्य की कामना की।

सर्व सनातन समाज की जागृति के केंद्र के रूप में भगवान श्री परशुराम के मंदिर की होगी स्थापना : राकेश सिंह

जबलपुर, देशबन्धु। भगवान श्री परशुराम एक भव्य प्रतिमा की स्थापना एक सुंदर और भव्य मंदिर में होगी यह ऐसा स्थान होगा जो सर्व सनातन समाज की जागृति का केंद्र बनेगा। इसके लिए स्थान का चयन संतजनों की सहमति से किया जाएगा। यह घोषणा भगवान श्री परशुराम प्राकट्योत्सव पर आयोजित विशाल वाहन रैली के अवसर पर लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने गुलौआ चौक में की।

प्रदेश प्रगतिशील ब्राह्मण महासभा के तत्वधान में आयोजित वाहन रैली में पूज्य संतो दंडी स्वामी कालिकानंद जी महाराज, जगतगुरु द्वाराचार्य सुखानंद राघवदेवाचार्य जी महाराज, जगतगुरु रामानंदचार्य स्वामी बालगोविंदाचार्य जी महाराज, जगतगुरु स्वामी नरसिंहदेवाचार्य जी महाराज, पं वासुदेव शास्त्री, पं रोहित दुबे, पं अशोक मनोध्या के सानिध्य में गुलौआ चौक से गोलबाजार तक निकाली वाहन रैली में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह पार्टी कार्यकर्ताओ के साथ शामिल हुए। भगवान

श्री परशुराम प्राकट्योत्सव पर आयोजित वाहन रैली के प्रारंभ अवसर पर लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने कहा हम सब के आराध्य परम तपस्वी वपरम पराक्रमी भगवान परशुराम जी ने समाज को दिशा दी। जिनके एक हाथ में शस्त्र का सामर्थ्य था तो दूसरे हाथ में शास्त्र का विवेक भी था।

लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने कहा भगवान श्री परशुराम हम सभी सनातनियों के आराध्य है, भगवान श्री परशुराम शास्त्र और शस्त्र के महान ज्ञाता, विद्वान, तपस्वी, योगी थे। उन्होंने अधर्मियो के नाश करने के साथ ही सबको साथ लेकर चलने की शिक्षा हमें दी। आज उनके प्राकट्योत्सव पर हम सबको साथ लेकर चलने का संकल्प ले और अधर्म के खिलाफ एक जुट होकर साथ आए।।

रेलवे संरक्षा जागरूकता अभियान : मशीनों के जरिए रेल पटरियों की सूक्ष्म जांच

जबलपुर, देशबन्धु। रेलवे बोर्ड द्वारा दिए गए निर्देशों के तहत चार सप्ताह में रेलवे में संरक्षा से सम्बंधित चार जागरूकता अभियान चलाने की पहल की जा रही है। इसी कडी में दूसरे साप्ताह में अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन (यूएसएफडी) क्या है, मशीन कैसे काम करती है से संबंधित जांच अभियान चलाया गया। जिसके अंतर्गत दूसरे सप्ताह में सोमवार को भोपाल मण्डल एवं मंगलवार को जबलपुर मंडल द्वारा रेलवे संरक्षा अभियान चलाया गया। गौरतलब है कि रेल पटरियों की आंतरिक संरचना की सूक्ष्म जांच के लिए अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन (युएसएफडी) तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। यह नवीनतम तकनीक रेल की पटरियों में समय के साथ उत्पन्न होने वाले आंतरिक दोषों को प्रारंभिक अवस्था में ही चिन्हित कर लेती है, जिससे आवश्यक अनुरक्षण कार्य समय पर पूरा किया जा सके और यात्री एवं मालगाड़ियों का परिचालन पूरी तरह सुरक्षित और संरक्षित रह सके।

यूएसएफडी मशीनों से जांच- रेलवे ट्रैक की नियमित रूप से युएसएफडी मशीनों द्वारा जांच की जा रही है। इस जांच की आवृत्ति ट्रेनों के आवागमन के घनत्व (जीएमटी) पर आधारित होती है और तीनों मण्डलों के विभिन्न सेक्शनों में प्रत्येक दो से चार माह में ट्रैक की जाँच की जाती है। तीनों मंडल में युएसएफडी टीमों का गठन किया गया है, जो ट्रैक की आंतरिक स्थिति को डिजिटल रूप में दर्ज कर तुरंत विश्लेषण की सुविधा प्रदान करती हैं। वेल्ड की सटीक जांच हेतु सभी टीमों को डिजिटल वेल्ड टेस्टर भी प्रदान किए गए हैं, जिससे वेल्डिंग खामियों का सटीकता से पता लगाया जा सके। ट्रैक जांच के दौरान संपूर्ण कार्य का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाता है, जिसे विश्लेषण कर आवश्यक कार्रवाई की जाती है।

जबलपुर मण्डल - वर्तमान में लगभग 2582 किलोमीटर ट्रैक की नियमित रूप से स्न्नष्ठ मशीनों द्वारा जांच की जा रही है। मंडल में वर्तमान में कुल 13 युएसएफडी टीमों का गठन किया गया है, जिनमें 13 मशीने एवं 26 प्रशिक्षित इंजीनियर कार्यरत हैं। यूएसएफडी परीक्षण को 100 प्रतिशत बी-स्कैन 9 चैनल रेल परीक्षण मशीन में अपग्रेड किया है। यूएसएफडी टीम ने वित्त वर्ष 2023-24 में 10112.68 किलोमीटर ट्रैक पर परीक्षण किया है, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 9114.73 किलोमीटर ट्रैक के लक्ष्य से 10.95 प्रतिशत अधिक है।

हर घर नर्मदा जल पहुंचाने का कार्य तेजी पर : महापौर

जबलपुर, देशबन्धु। महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' ने अमृत योजना 2.0 के अंतर्गत चल रहे कार्यो का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि 312 करोड़ रूपये की राशि से हर घर नर्मदा जल पहुंचाने संबंधी कार्य प्रगति पर है। महापौर श्री अन्नू ने निरीक्षण के मौके पर बताते हुए कहा कि बहुत शीघ्र ही अमृत 2.0 योजना के कार्यो को पूर्ण कराकर हर घर नर्मदा जल पहुँचाने के संकल्प को पूरा किया जायेगा। महापौर ने निरीक्षण के दौरान बड़े सख्त लहजे में अधिकारियों एवं ठेकेदार को हिदायत दी कि अमृत 2.0 योजना के कार्यो में समय सीमा और उच्च कोटी की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। इसमें कोई लापरवाही हुई तो अधिकारियों को विरूद्ध निलंबन की कार्रवाई करते हुए ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट किया जायेगा। इसलिए सभी संबंधित अधिकारी समय सीमा के अंदर गुणवत्ता युक्त निर्माण कार्य पूर्ण कराएँ।

महापौर श्री अन्नू ने बताया कि अमृत योजना 2.0 के अंतर्गत शहर में 18 नई पानी की टंकियों का निर्माण कराया जा रहा है, 475 कि.मी. पाइप लाइन का विस्तारीकरण, एवं दो नए फिल्टर प्लांट का निर्माण कार्य प्रमुख रूप से होगें। ललपुर से राँझी और भौंगाद्वार तक ले जाने वाली पाइप लाइन बिछाने के कार्यो का भी महापौर ने निरीक्षण किया और समय सीमा के अंदर कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिये।

महापौर ने 30 अप्रैल 2025 को ललपुर के प्रमुख इंटेकवेल निर्माण कार्य भी अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया और वर्षाऋतु के पूर्व इंटेकवेल के निर्माण कार्य को पूर्ण कराने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये।

जबलपुर के 337 हितग्राही हुए लाभान्वित-मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को चेक प्रदान किए गए। सिंगल क्लिक के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के जिले धार में आयोजित कार्यक्रम से सभी हितग्राहियों के खातों में राशि अंतरित की। एक ही दिन में अनुग्रह सहायता योजना के 27523 प्रकरणों में 600 करोड़ रुपये की राशि का हितग्राहियों के खाते में अंतरण किया गया जिसमें जबलपुर के 337 हितग्राहियों को 7 करोड़ रूपये की राशि अंतरण कर लाभान्वित किया गया।

हितग्राहियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने सभी से उनका हाल जाना एवं संकट के समय संबल मिले इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हितग्राहियों को सभी योजनाओं का लाभ मिले इसके लिए सरकार प्रयास कर रही है। हितग्राहियों के बेटे बेटियों की जानकारी लेते हुए उन्होंने परिवार के दिवंगत सदस्यों की आत्मा की शांति की कामना की उन्होंने बताया कि परिवार का सहारा अब सरकार बन रही है।

क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों का चयन

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर जिला सीनियर एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों का चयन किया गया। कमल त्रिपाठी (कप्तान), अजय मिश्रा (उपकप्तान) शिवम तिवारी, निखिल सिंह, वरुण तिवारी, अमित राजपूत, आदित्य मिश्रा, पारुष मंडल, विनय लखेरा, अनुज यादव, दीपक त्रिपाठी, साहिल लोधी, सुमित राजपूत, राहुल कोस्टा, करण सिंह ठाकुर, शिवम त्रिपाठी, अमन राज, सूरज महाराज, कृष्ण सोनी, यश जावलकर, आशू यादव और जयंत अवस्थी शामिल कर हैं। चयन के बाद खिलाड़ियों के आगामी चयन को ध्यान में रखकर उनकी आगे की स्थिति तय होगी।

भगवान परशुराम की 108 भव्य महाआरती सम्पन्न

जबलपुर,देशबन्धु। ग्वारीघाट स्थित हनुमान मंदिर के प्रांगण में भगवान परशुराम के प्रकोटोत्सव भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। भगवान परशुराम की 108 आरती के द्वारा महाआरती की गई तथा 200 ब्राम्हणों द्वारा वेदों का पारायण किया गया तथा मनीष अग्रवाल द्वारा भजनों की प्रस्तुति की गई। मसान की होली की प्रस्तुति भी की गई जहां हजारों लोगों ने इसका आनंद लिया। जगतगुरू राघवदेवाचार्य द्वारा आरती की गई वहीं ब्रम्हचारी चेतन्यानंद, अनिकेत महाराज महापौर जगतबहादुर अन्नू सिंग, विधायक इंदू तिवारी, लेखराज सिंह रिंकु विज, अमरीश मिश्रा द्वारा पूजन किया गया

कार्यक्रम में पंडित समीर दीक्षित प्रदेश अध्यक्ष संपूर्ण ब्राम्हण महासभा मदन अवस्थी, विनोद तिवारी, ओमकार दुबे, सुरेश पांडे, राहुल दीक्षित, कविता दुबे आदि उपस्थित रहे।

उपनयन संस्कार परिचय सम्मेलन विवाह परशुराम धाम ग्वारीघाट में सम्पन्न

सत्यम कुशवाहा सविता कुशवाहा विधि विधान से ब्राह्मण समाज ने समरसता के भाव से अक्षय तृतीया को कन्यादान कर विवाह संपन्न कराया वैदिक विधि विधान राजकुमार दुबे एवं जगतगुरु राघव देवाचार्य बटुक उपनयन संस्कार समाज एवं राष्ट्र के लिए एवं माता-पिता शिक्षा का प्रतीक है सभी वेदों का ज्ञान होना समाज में सर्वश्रेष्ठ सेवा कर समाज को विधि विधान से धर्म संस्कृति से जोड़ना यही ब्राह्मण का प्रमुख कर्म है 11 बटको ने उपनयन संस्कार एवं 24 युवा युक्तियों ने अपना परिचय दिया कार्यक्रम में जगतगुरु राघव देवाचार्य कहा समाज राष्ट्र के लिए धर्म और संस्कृति का भाव है राष्ट्र को ही सर्वोपरि माना गया है डॉ अरुण मिश्रा ने कहा जियो और जीने दो हमारी संस्कृति का मूल मंत्र है।

कार्यक्रम में उपस्थित पंडित धनअंजय बाजपेई यदुवंश मिश्रा रावेंद्र तिवारी सुधाकर मिश्र डॉ अरुण मिश्रा सीताराम कुरचानिया सुशील त्रिवेदी अन्नपूर्णा बाजपेई प्रीति बाजपेई विष्णु शुक्ला अमित बाजपेई श्रेयांश बाजपेई माधव पांडे ए आर एस पांडे आदि उपस्थित थे।

परशुराम शोभा यात्रा का पुष्प वर्षा एवं लस्सी पिलाकर स्वागत किया

जमुना प्रसाद अग्रवाल एडवोकेट चौक राइट टाउन के पास भगवान परशुराम शोभा यात्रा का तिलक लगाकर पुष्प वर्षा कर यात्रा प्रमुख पं आशीष त्रिवेदी सहित सभी भक्तजनों को नमकीन लस्सी पिलाकर स्वागत किया। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष शरद अग्रवाल, डॉ सुधीर अग्रवाल, शशिकांत सोनी, जेपी उपाध्याय, सरदार सुरजीत सिंह , रवि बाबा , ध्रुव यादव , लक्ष्मण राव , संस्कार , रोहित, गंगाराम आदि उपस्थित थे।

तीर्थंकर की अखंड साधना चलती रहती है : आचार्य समयसागर

जबलपुर, देशबन्धु। आचार्य श्री विद्यासागर सभा भवन में आयोजित धर्म सभा में आचार्य समयसागर महाराज ने अपनी मंगल देशना में कहा कि आज का यह पुनीत पर्व आपके सामने है और यह अक्षय तृतिया के दिन युग के आदि में ऋषभनाथ हुए हैं। आदिनाथ भगवान ने स्वयं दीक्षा ली थी उन्हें दीक्षा देने वाले कोई नहीं होते हैं वे 24 तीर्थकर स्वयम भू होते हैं और दीक्षित होने के उपरांत वे साधारण श्रमण से अलग बेजोड़ होते है वे मोक्ष मार्ग के नेता बनते हैं और दीक्षित होने के उपरांत वे साधारण श्रमण से अलग वे मोक्ष मार्ग के नेता बनते हैं। दीक्षित होने के उपरांत तीर्थकर केवल ज्ञान को छोड़कर बाकी सारी ऋद्वियो के धारी होते हैं और उनकी अखंड साधना चलती रहती है। दीक्षित होने के उपरांत वे अखंड मौन रहते हैं। जबतक केवलज्ञान नहीं होता तब तक उनकी अखंड मौन साधना में लीन रहते हैं। हम थोड़े बहुत पुण्य की क्रिया करके उसका फल प्राप्त करने की इच्छा रखते है कर्म के क्षय के उद्देश्य से ही तप किया जाता है। धर्मसमा के प्रारंभ में आचार्य श्री विद्यासागर के तैल चित्र के समक्ष पूर्व विधायक विनय सक्सेना एवं गढ़ा पुरवा, धनवंतरीनगर की जैन समाज ने दीप प्रज्जवलित किया। बाल बु. मनोज मैया ने शास्त्र भेंट किया। धर्म सभा का संचालन अमित पड़रिया ने किया।

आम आइसक्रीम और खीर ने ललचाया मन

ऑल इंडिया लीनेस क्लब का मैंगो मेनिया कार्यक्रम

जबलपुर, देशबन्धु। ऑल इंडिया लीनेस क्लब के तत्वाधान में मैंगो फूड मेनिया प्रतियोगिता एवं स्वच्छता जागरूकता अभियान सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के लिए यलो ड्रेसकोड की थीम रखी गई। महिलाओं ने आम से बनी डिफरेंट डिशेज कॉम्पीटिशन में शामिल की। किसी ने आम की खीर बनाई, तो किसी ने आम का चाट तैयार किया। थीम के अकॉर्डिंग महिलाओं ने खट्टे-मीठे आम के व्यंजन तैयार किए। कॉम्पीटिशन में प्रथम विद्या जैन, द्वितीय कोमल गर्ग, तृतीय कंचन रहीं। जजमेंट एग्जीक्यूटिव ऑफिसर मंगला सिंघई, एडिशनल कैबिनेट सेक्रेटरी श्रद्धा साहू, शालिनी ने किया। रोमा जैन को क्लब जॉइनिंग पर सम्मानित किया गया। इस मौके पर संस्था कोषाध्यक्ष अर्पिता ओसवाल, अध्यक्ष मौली

वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध में बत्ती गुल अभियान में बुझाईं लाइटें

जबलपुर, देशबन्धु। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के देशव्यापी आह्वान पर आज जबलपुर के मुस्लिम समाज ने एकजुट होकर बत्ती गुल अभियान में भाग लिया और रात 9ः00 से 9ः15 बजे तक अपने घरों, दुकानों, प्रतिष्ठानों, मस्जिदों और फैक्ट्रियों की लाइटें बंद रखकर शांतिपूर्वक विरोध दर्ज कराया। वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा, धार्मिक आज़ादी और संविधान प्रदत्त अधिकारों के संरक्षण की मांग को लेकर यह आंदोलन पूरी तरह से गंभीर, शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न हुआ। जबलपुर के मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में नागरिकों ने बड़े पैमाने पर इस अभियान में भाग लिया। शफ़ी खान, एड. अदनान अंसारी ने कहा कि बत्ती गुल अभियान न केवल एक विरोध था, बल्कि एक संदेश भी — वक्फ सम्पत्तियों की हिफ़ाज़त हमारे सामूहिक कर्तव्य का हिस्सा है, और इसके लिए शांतिपूर्वक, सगठित और संवैधानिक दायरे में रहकर आवाज़ उठाई जाएगी। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड व जबलपुर के संगठनों ने इस अभियान को सफल बनाने वाले सभी नागरिकों का धन्यवाद अदा किया।

खुशियों को मिला आसमान, होनहारों ने पाए परीक्षा में मनचाहे अंक

आइसीएसई बोर्ड के दसवीं और बारहवीं के रिजल्ट

जबलपुर, देशबन्धु। सफलता के तीन मंत्रों पर काम करके स्टूडेंट्स ने मुकाम पाया। इसमें सेल्फ स्टडी, रिवीजन व डेडिकेशन का कॉन्सेप्ट काम आया। आईसीएसई बोर्ड ने बुधवार को हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी का रिजल्ट जारी किया। स्कूलों का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। जिले में आईसीएसई बोर्ड के तीन स्कूल संचालित हैं। प्राचार्य माला बैनर्जी ने बताया कि एमपी सीजी रीजन में सौ प्रतिशत रिजल्ट रहा है।

12वीं-

आशुतोष सिंह राठौर, परसेंट- 97.75, मैथ्स-साइंस- रोजाना पांच घंटे की कोचिंग और घर पर पढ़ाई के लिए दो से तीन घंटे का समय निकाला। इंजीनियरिंग में कॅरियर बनाना है। आशुतोष जितेन्द्र सिंह-किरण राठौर के बेटे हैं।

तुषार कृष्ण बिस्वास, परसेंट- 91, मैथ्स-साइंस- एग्जाम के लिए टीचर्स ट्रिक्स पर फोकस किया। इसके साथ ही सेल्फ स्टडी भी ध्यान दिया। एग्जाम में नया ट्राई करने से हमेशा बचा। वे बीबी बिस्वास के बेटे हैं।

गुरनूर कौर, परसेंट- 90, कॉमर्स- एग्जाम के दौरान उन डाउट्स को ज्यादा क्लीयर किया, जहां स्कोरिंग में दिक्कत हो सकती थी। अब हायर एजुकेशन पर फोकस करना है।

10वीं-

तनिशा रजक, परसेंट- 96- पढ़ाई के लिए शेड्यूल फिक्स खास नहीं था। अब टाइम टू टाइम रिवीजन किया। ज्यादा से ज्यादा से टाइम स्टडी पर ही फोकस किया करती थी।

दिव्यांशी सुवेदी, परसेंट- 92.40- पढ़ाई के लिए कोचिंग जॉइन की थी, क्योंकि इंजीनियरिंग एंट्रेस की प्रिपरेशन भी हो रही है। मैथ्स लेकर पढ़ाई होगी। वे विनय-तृप्ति सुवेदी की बेटी हैं।

देव विश्वकर्मा, परसेंट- 92.33- इसके बाद भी रिजल्ट से खुश हूं। एग्जाम के दौरान जिन बातों पर फोकस किया था, वैसा ही रिजल्ट रहा है। नेक्स्ट एग्जाम में और टफ पढ़ाई होगी।

नैना केसरवानी, परसेंट- 91.5- एग्जाम टाइम में हमेशा अच्छे नंबर्स के लिए टेंशन होती है। मैंने सिलेबस को लैंदी ना बनाते हुए उन्हें टाइम के अकॉर्डिंग डिवाइड कर तैयारी की।

अचला देथे, परसेंट- 91.5

रिजल्ट को लेकर फैमिली में सभी खुश हैं। इस बोर्ड में कमी रह गई है उसे नेक्स्ट लेवल पर और बेहतर करना है। सेल्फ स्टडी से सफलता मिली।

दैनिक राशिफल

गुरुवार 01 मई 2025 का पंचांग विक्रम संवत् 2082, शक संवत 1946 हिजरी 1445। वैशाख शुक्ल पक्ष की चतुर्थी नक्षत्र- मृगशिरा।

मेष आज मन व्याकुल रहेगा और शरीर में आलस्य छाया रहेगा। स्वास्थ्य कुछ नरम-गरम हो सकता है। काम में सफलता देर से मिलेगी।

तुला नए काम की शुरुआत करने के लिए दिन अच्छा है। प्रिय व्यक्ति के साथ हुई मुलाकात आनंददायी रहेगी।

वृषभ सरकार विरोधी काम और एक्टिविटी से दूर रहने की सलाह आपको दी जाती है। नए काम की शुरुआत ना करें। स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है।

वृश्चिक निर्धारित काम न होने के कारण हताशा का अनुभव होगा। किसी भी महत्वपूर्ण काम का डिसीजन आज ना लें। पारिवारिक वातावरण में क्लेश रहेगा।

मिथुन आज का दिन सुख और शांतिपूर्वक गुजार सकेंगे। दैनिक कामों में कुछ ज्यादा ही व्यस्त रह सकते हैं। मन को प्रसन्न रखने के लिए आप मनोरंजन का सहारा लेंगे।

धनु आज का दिन आप के लिए शुभ फलदायी है। आज भाग्य आपका साथ देगा और आर्थिक रूप से आपको फायदा होगा। शारीरिक और मानसिक रूप से आप उत्साही तथा प्रफुल्लित बने रहेंगे।

कर्क व्यवसाय स्थल पर वातावरण अनुकूल रहेगा। मायके से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। पारिवारिक वातावरण भी अनुकूल रहेगा। विरोधियों को लाभ प्राप्त नहीं हो पाएगा।

मकर कोर्ट कचहरी के मामलों से आज दूर रहें। मन में किसी बात को लेकर आज चिंता रह सकती है। आपके नकारात्मक विचार काम पर सीधा प्रभाव डालेंगे।

सिंह प्रणय प्रसंग के लिए आज का दिन अनुकूल है। फिर भी गुस्से पर संयम रखें। पेट से संबंधित रोगों से कोई कष्ट हो सकता है। दोपहर के बाद परिवार में आनंद और उल्लास का वातावरण रहेगा।

कुंभ आज के दिन की शुरुआत लाभदायी है। सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में आप प्रगति करेंगे। किसी नए व्यक्ति से रिश्ता बन सकता है।

कन्या आज शारीरिक ताजगी का आपमें अभाव रहेगा। किसी बात की चिंता से काम में मन नहीं लगेगा। धनहानि होने की आशंका है।

मीन आपके विचारों में आज दृढ़ता अधिक नहीं होगी। व्यापार में भागीदारी के काम से लाभ होगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं।

म.

नृत्य वंदनम से नृत्य साधिकाओं ने भाव व मुद्राओं में पिरोया कथक का सार

जबलपुर, देशबन्धु। रानी दुर्गावती कलावीथिका में नृत्यांजलि कला अकादमी के तत्वाधान में विश्व नृत्य दिवस के उपलक्ष्य में नृत्य वंदनम कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में भरतनाट्यम और ओडीसी नृत्य की प्रस्तुति नृत्यांजलि कला अकादमी और श्रीम कथक पीठ की 40 नृत्य साधिकाओं ने दी। समारोह में अतिथि भूमिका विभानंद गिरी प्रज्ञापीठाधीश्वर, डॉ. कृष्णकुमार दुबे, दुर्गा चौबे, स्वाति मोदी तिवारी, कामना नायक, अरुक्षा नायक, शलभ नायक ने निभाई।

संगोष्ठी में निकला सार- समारोह में नृत्य एवं संचरना विषय पर संगोष्ठी भी हुई। इसमें कलाकारों ने भरतनाट्यम, कथक, ओडीसी नृत्य की उत्पत्ति और उसकी संरचना पर नृत्य गुरू कामना नायक वक्तव्य दिया। उन्होंने कलाकारों को नटराज एवं भरतनाट्यम नृत्य के साथ गुरु-शिष्य परम्परा से भी अवगत करवाया।

कथक नृत्य गुरू स्वाति मोदी तिवारी ने कथक के घराने और उनके प्रकारों से अवगत करवाया। ओडिसी संस्कृति, नृत्य और व्याकरण की जानकारी अरूक्शा नायक ने दी।

नाट्यशास्त्र की प्रकार हैं सभी नृत्य- कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि पुरतन काल से अब तक जितने भी नृत्य के प्रकार हैं, वे नाट्यशास्त्र के प्रकार हैं। सेमिनार में मंदिरों से ली गई मुद्राएं, करण और अंगहार की व्याख्या की। कार्यक्रम संचालन राजेश पाठक प्रवीण ने किया।

भाजपा महानगर के कार्यकारिणी घोषित

जबलपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद वीडी शर्मा के निर्देशानुसार, भाजपा जबलपुर महानगर के जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर के अनुमोदन के पश्चात जबलपुर महानगर के नर्मदा मंडल, महाराणा प्रताप, रानी दुर्गावती, महर्षि वाल्मीकि एवं लोकमान्य तिलक मंडल के अध्यक्षों ने मंडल कार्यकारिणी घोषित की है।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह जी, भाजपा जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर, नर्मदा मंडल अध्यक्ष संतोष यादव, महाराणा प्रताप मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र विश्वकर्मा, रानी दुर्गावती मंडल अध्यक्ष प्रणय गुप्ता, महर्षि वाल्मीकि मंडल अध्यक्ष नरेश पटेल, लोकमान्य तिलक मंडल अध्यक्ष ऋषि सोनकर ने मंडल के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं कार्यकारणी सदस्यों को शुभकामनाएं प्रेषित की है।

मजदूर एकता जिन्दाबाद, दुनिया के मजदूर एक हो

जबलपुर, देशबन्धु। आज 11 बजे सुबह स्थान कृषि उपज मण्डल गेट नम्बर 1 के सामने स्थित श्रमिक शेड में विश्व मजदूर दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इसके मुख्य अतिथि-शक्ति वर्मा (न्यायाधीश व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर रहेंगे। श्रमिक दिवस अवसर पर सहायक श्रम आयुक्त कार्यालय जबलपुर द्वारा ई श्रम कार्ड का कैम्प एवं जिला विधिक सहायता कार्यालय द्वारा श्रमिक के दांत परीक्षण हेतु कैम्प लगाया जायेगा। दिलीप चौधरी, विकास विश्वकर्मा, बेबी चौधरी, श्रीमति आरती ठाकुर, मानसी चौधरी, काजल ठाकुर आदि ने की है।

एस डी एम नही बना रहा गरीब का राशन कार्ड

जबलपुर, देशबन्धु। एक ओर सरकार बड़े बड़े होर्डिंग लगाकर आम जनता को बताते नही अघा रही की शासन अंतिम व्यक्ति को अग्रिम पंक्ति में लाने के लिए पूरा प्रयास कर रही है। और योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे इसके लिए सरकार दिन रात प्रयासरत है।

लेकिन शासन के कारिंदे ही शासन की सोच को पलीता लगा रहे हैं। मामला सगड़ा निवासी ज्योति बर्मन पति अजय बर्मन का है, जिन्होंने अपना आवेदन, एस डी एम गोरखपुर के यहां सभी ज़रूरी कागज़ात लगाकर, जमा किया हुआ है। गोरखपुर एस डी एम के ऑफिस में भारती मैडम के पास पूरी फाइल जमा है। यहां गौरतलब है कि अपीलार्थी पिछले दो साल से प्रयासरत है, तथा सी एम हेल्पलाइन में आवेदन देने पर वहां से दो बार अपील कटवाई जा चुकी है। इस संबंध में जब जानकारी लेने के लिए भारती मैडम को फ़ोन लगाया गया उन्होंने फोन नही उठाया।

बिल्डर ने दिव्यांग का प्लाट, किसी और को बेच दिया

जबलपुर,देशबन्धु। पंकज कुमार गुप्ता, निवासी एम ई एस कॉलोनी सदर ने मेसर्स जी के एस कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक रमनीत सिंह सेठी से ग्राम बरेला स्थित पटवारी हल्का नंबर 80, किसानी वार्ड क्रमांक 01 एवम भूमि खसरा नंबर 60/1 मे प्लाट नंबर 15 क्रय किया गया था। तथा इसे 2021 के खसरे मे अपीलार्थी का नाम भी दर्ज है। इसके बाद भी रमनीत सेठी ने उक्त प्लाट को एक दूसरे ग्राहक को बेच दिया। यहां गौरतलब है कि पंकज गुप्ता ने उक्त प्लाट का नामांतरण भी करा लिया था।

निधन

ईश्वर अल्लह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्रीमती राजरानी शर्मा- गोरखपुर सनातन धर्म मंदिर के पास निवासी श्री राजेंद्र कुमार शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती राजरानी शर्मा (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती भागवती बाई चौहान- गढ़ा रेलवे क्रासिंग के पास निवासी श्री कन्हैया लाल चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती भागवती बाई चौहान (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री तुलसीराम लड़िया- अमन नगर माढ़ोताल निवासी गाड़ाघाट वाले श्री तुलसीराम लड़िया (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

कु. अनीता बाई- रामपुर शंकरशाह वार्ड चौधरी मोहल्ला निवासी श्री गोपी की पुत्री कु. अनीता बाई (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती किरण महाजन- बेदी नगर नागपुर रोड निवासी श्री शिव कुमार महाजन की धर्मपत्नी श्रीमती किरण महाजन (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती मनोरमा तिवारी- जसूजा सिटी धनवंतरी नगर निवासी श्री राकेश तिवारी की धर्मपत्नी श्रीमती मनोरमा तिवारी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री पापादास समन- कांचघर सर्वोदय स्कूल के पास निवासी श्री पापादास समन (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री तुलसीराम ठाकुर- आईटीआई माढ़ोताल निवासी श्री तुलसीराम ठाकुर (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शिव प्रसाद अहिरवार- चंडालभाटा चेरीताल निवासी श्री शिव प्रसाद अहिरवार (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती नन्ही बाई कोरी- बाबा टोला जानकीदास मंदिर के पास निवासी श्री जमना प्रसाद कोरी की धर्मपत्नी श्रीमती नन्ही बाई कोरी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

शहर में मंडला की युवती से दुष्कर्म

रिश्ते की बात करने होटल में बुलाया था

भाजयुमो के पूर्व नगर उपाध्यक्ष के खिलाफ प्रकरण दर्ज

जबलपुर,देशबन्धु। लार्डगंज थाना अंतर्गत यादव कॉलोनी स्थित एक होटल में मंडला की युवती के साथ भाजयुमो के पूर्व उपाध्यक्ष ने दुष्कर्म किया। युवक ने युवती को शादी की बात करने होटल में बुलाया था। इसके बाद जबरदस्ती उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

लार्डगंज पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुताबिक मंडला निवासी 26 वर्षीय युवती ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि लिविश पटेल नामक युवक से उसकी दोस्ती 2023 में इंस्टाग्राम में हुई थी। इसके बाद युवक ने युवती को प्रेम जाल में फंसा लिया। युवक ने 15 जनवरी 25 को रिश्ते की बात करने की बात कहते हुए यादव कॉलोनी स्थित एक होटल में बुलाया। युवती मिलने पहुंची तो वहां पर सिर्फ युवक मिला। जिसने जबरदस्ती उसके साथ दुष्कर्म किया इसके बाद शादी का झांसा देकर चला गया अब जब युवती ने शादी के लिए दबाव बनाया तो वह वादे से मुकर गया जिसके बाद पीड़िता ने मंडला में शिकायत दर्ज कराई जहां जीरो पर कायमी की गई। इसके बाद असल कायमी लार्डगंज थाने में की गयी।

इंस्टाग्राम में दोस्ती कर नाबालिग से किया दुष्कर्म

जबलपुर,देशबन्धु। गोहलपुर थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया इंस्टाग्राम में नाबालिग से दोस्ती के बाद युवक ने घर में घुसकर दुष्कर्म किया। पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक गोहलपुर थाना क्षेत्र में रहने वाली 15 वर्षीय बालिका की दोस्ती मार्च माह में इंस्टाग्राम में फैजल खान 20 वर्षीय निवासी पंचकुइयां टक्कर ग्राम, थाना हनुमानताल से हुई थी। दोस्ती के बाद युवक ने बालिका को प्रेम जाल में फंसाया। इसके बाद युवक अप्रैल माह में उसके घर पहुंच गया जब बालिका अकेली थी जिसका फायदा उठाते हुए उसने जबरदस्ती जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद शादी का झांसा देता रहा। बीती रात फैजल पीड़िता के घर पहुंचा और उसे अकेला पाकर शारीरिक संबंध बनाए। इस दौरान पीड़िता की रिश्ते की बहन पहुंच गई तो आरोपी भाग गया। जिसके बाद पीड़िता ने पूरे घटनाक्रम से परिजनों को अवगत कराया।

स्कार्पियो चालक ने बाईक सवारों को मारी टक्कर

लार्डगंज नवाब बाड़ा के सामने की घटना

जबलपुर,देशबन्धु। लार्डगंज थाना क्षेत्रांतर्गत बीती देर रात एक तेज रफ्तार स्कार्पियो चालक ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। जिससे बाइक में पीछे बैठे श्रीकांत विश्वकर्मा के पैर में चोट आ गई और बाइक भी साईड से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक गाली गलौज करते हुए फरार हो गया।

पुलिस ने बताया कि हनुमानताल खटीक मोहल्ला निवासी 29 वर्षीय नीलेश महार अपने दोस्तों के साथ पुराना बस स्टैण्ड स्थित एक होटल में खाना खाने गया था। खाना खाकर नीलेश अपने साथी श्रीकांत विश्वकर्मा को अपनी मोटर साइकिल क्रमांक एमपी 20 एनसी-5513 में बैठाकर लौट रहा था और दूसरे दोस्त अलग स्कूटी पर थे। जैसे ही सभी नवाब बाड़ा के सामने पहुंचे, उसी वक्त काले रंग की स्कार्पियो क्रमांक एमपी 20 जेड क्यू 9138 के चालक ने तेज गति व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए नीलेश की मोटर साइकिल में टक्कर मार दी। जिससे श्रीकांत के पैर में चोट आ गई और बाइक भी साईड से क्षतिग्रस्त हो गई। इसके बाद आरोपी स्कॉर्पियो चालक गाली गलौज करते हुए मौके से फरार हो गया। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

शादी समारोह में डीजे में डांस को लेकर चले चाकू

दो युवकों को आई चोट, एक की हालत गंभीर, पाटन में वारदात

जबलपुर,देशबन्धु। पाटन थाना क्षेत्रांतर्गत भगवानदास मैरिज गार्डन में आयोजित एक शादी समारोह में डीजे में डांस करने को लेकर विवाद हो गया। जिसमें एक पक्ष ने दूसरे पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। जिसमें एक युवक को गंभीर चोट आई है, वहीं दूसरे युवक को भी हाथ और कोहनी के पास चोट है। गंभीर युवक को प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर रेफर किया गया है। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि चौधरी मोहल्ला निवासी 22 वर्षीय विकास गौड़ बीती रात अपने दोस्त रवि गौड़ की शादी में भगवानदास मैरिज गॉर्डन साहू कालोनी पाटन गया था। जहां पर विकास अपने दोस्त साहिल पटैल, नरेश पटेल, आशीष पटैल, आनंद ठाकुर तथा रानू पटैल के साथ मैरिज गॉर्डन के सामने मेन रोड पर डीजे में डांस कर रहे थे। रात्रि लगभग 11-15 बजे डीजे में गाना बजाने की बात को लेकर नीलेश पटैल एवं रानू पटैल का विवाद हो गया। इसी बात को लेकर नीलेश ने अपने पेंट की जेब से चाकू निकाला और मारने दौड़ा। जिस पर विकास और साहिल ने नीलेश को पकड़ लिया। जिससे आग बबूला होकर नीलेश ने गालीगलौज करते हुए विकास पर ही चाकू से हमला कर दिया। जिससे विकास के हाथ में चोट आ गई, साहिल ने बीच बचाव किया तो नीलेश ने चाकू उसके पेट में घोंप दिया, जिससे वह लहुलुहान होकर जमीन पर गिर गया। उक्त चाकूबाजी के दौरान शादी समारोह में भगदड़ मच गई। जिसके बाद तत्काल ही 22 वर्षीय साहिल पटेल को शासकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जबलपुर रेफर किया गया है, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की सरगर्मी से तलाश शुरु कर दी है।

पिस्टल लेकर घूम रहा बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़ा

जबलपुर,देशबन्धु। क्राईम ब्रांच की टीम ने बेलबाग पुलिस के साथ संयुक्त कार्यवाही करते हुए विश्वकर्मा मंदिर के समीप से एक बदमाश को देशी पिस्टल व कारतूस के साथ दबोचा है। पुलिस ने बताया कि बढ़ई मोहल्ला फूटाताल निवासी 22 वर्षीय विमल उर्फ आयुश शर्मा किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा था। सूचना पर पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया। जिसके पास से एक देशी पिस्टल व कारतूस बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की है।

75 वर्षीय वृद्ध गांजे के साथ गिरफ्तार

पनागर पुलिस की कार्यवाही, 392 ग्राम गांजा बरामद

जबलपुर,देशबन्धु। पनागर पुलिस ने परियट बरा बस्ती के समीप से एक 75 वर्षीय वृद्ध को गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 392 ग्राम गांजा कीमती चार हजार रुपये का बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए दूसरे आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर परियट बरा बस्ती बजरंग बली मंदिर के समीप दबिश दी गई। जहां से रामकृपाल पटैल उम्र 75 वर्ष निवासी बरा बस्ती परियट पनागर को हिरासत में लिया। जिसके पास से मिले थैले से पुलिस ने 392 ग्राम गांजा कीमती लगभग 4 हजार रूपये बरामद किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि इंदल ठाकुर निवासी निरंदपुर के द्वारा गांजा बेचने हेतु दिया था। जिसे वह पुड़िया बनाकर बेचता है। जिसके बाद पुलिस ने इंदल ठाकुर की तलाश की, लेकिन वह नहीं मिला। जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

बिना आदेश लिखवाये तीन आपराधिक प्रकरण में आरोपियों को किया बरी

हाईकोर्ट ने सिविल जज की बर्खास्तगी के आदेश को माना उचित

जबलपुर,देशबन्धु। सिविल जज के पद से बर्खास्त किये जाने को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत तथा जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने बताया कि याचिकाकर्ता ने तीन आपराधिक मामलों में बिना आदेश पारित किये अभियुक्तों को दोषमुक्त कर दिया था। इसके अलावा दो प्रकरण को बिना आदेश स्थगित कर दिया था। युगलपीठ ने याचिकाकर्ता को कदाचार का दोषी पाते हुए बर्खास्तगी की कार्यवाही को उचित ठहराया है। याचिकाकर्ता महेंद्र सिंह ताराम की तरफ से दायर की गयी याचिका में कहा गया था कि जुलाई 2003 को नरसिंहपुर में सिविल जज वर्ग (प्रशिक्षु के रूप) के रूप में जिला नरसिंहपुर में कार्यभार ग्रहण किया था। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद उन्हें मई 2009 को जिला छतरपुर में पदस्थ किया गया। इसके बाद दिसंबर, 2009 में तहसील नौगांव जिला छतरपुर तथा दिसम्बर 2011 को उन्हें तहसील निवास जिला मंडला में पदस्थ किया गया था। उच्च न्यायालय की अनुशंसा पर सितम्बर 2014 को उन्हें पद से बर्खास्त कर दिया था। बर्खास्तगी की आदेश के खिलाफ उन्होंने आवेदन प्रस्तुत किया था। जिसे निरस्त किये जाने के कारण उक्त याचिका दायर की गयी है।

याचिकाकर्ता की तरफ से तर्क दिया गया कि कार्यभार के दबाव के साथ-साथ व्यक्तिगत कठिनाइयों के बावजूद कर्तव्यों का पालन करने के दौरान उनसे गलती हुई थी। इसी तरह के आरोपों में एक अन्य न्यायिक अधिकारी को दो वेतन वृद्धि रोकने की सजा से दंडित किया गया था। उसके खिलाफ बर्खास्तगी जैसी सख्त कार्यवाही की गयी है।

युगलपीठ ने रिकॉर्ड का अवलोकन करने के दौरान पाया कि हाईकोर्ट की विजिलेंस टीम ने साल 2012 में औचक निरीक्षण में पाया था कि याचिकाकर्ता ने बिना अंतिम फैसला लिखवाये तीन आपराधिक मामलों में आरोपियों को बरी कर दिया था। इसके अलावा दो प्रकरण में बिना आदेश लिखाये स्थगित कर दिए थे। इसके बाद याचिकाकर्ता को विधिवत कारण बताओं नोटिस जारी करते हुए विभागीय जांच करवाई गई थी। जांच अधिकारी ने उनके सभी पांच आरोप सही पाये थे। जिसके बाद उच्च न्यायालय ने उन्हें सेवा से बर्खास्त किये जाने की अनुशंसा की थी। युगलपीठ ने गंभीर कदाचित मानते हुए याचिका को खारिज कर दिया।

2025 से उक्त पॉलिसी को समाप्त करने का निर्णय लिया है। सरकार द्वारा गलत पॉलिसी निर्धारित की गयी थी कि पूर्व में दाखिला लेने वाले छात्रों पर उसे कैसे लागू किया जा सकता है। युगल पीठ ने याचिका की सुनवाई करते हुए उक्त निर्देश जारी किये। युगल पीठ ने अपने आदेश में कहा है कि अंतिम निर्णय के याचिका के अधीन रहेगा।

डिप्रेशन के कारण मनोरोगी हो गयी मेडिकल छात्र

हाईकोर्ट ने दिये ओरिजनल दस्तावेज वापस करने के निर्देश

जबलपुर,देशबन्धु। मेडिकल छात्र डिप्रेशन के कारण मनोरोगी हो गयी है। स्वास्थ्य कारणों से मेडिकल सीट छोडने पर भी कॉलेज प्रबंधन ओरिजनल दस्तावेज वापस लौटाने के एवज में तीस लाख रुपये की मांग कर रहा है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत तथा जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने छात्र को ओरिजनल दस्तावेज वापस लौटाने के आदेश जारी किये है।

अहमदाबाद गुजरात निवासी डॉ मीत यादव की तरफ से दायर की गयी याचिका में कहा गया था कि उसने साल 2023 में पीपुल्स डेंटल अकादमी भोपाल में बीडीएस सीट में दाखिला लिया था। इस दौरान जिन्दगी में बदलाव आने के कारण वह डिप्रेशन पर चला गया था। डिप्रेशन के कारण वह मनोरोगी हो गया है। बीडीएस की सीट छोड़ने के एवज में कॉलेज प्रबंधन शिक्षा संबंधित ओरिजनल दस्तावेज वापस लौटाने के एवज में तीस लाख रुपये की मांग कर रहा है। कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि दाखिले के समय उसने ब्रांड साइन किया था। जिसकी शर्त के अनुसार मेडिकल सीट बीच में छोड़ने के एवज पर तीस लाख रुपये का भुगतान करना होगा।

याचिकाकर्ता की तरफ से पैरवी करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संधी ने युगलपीठ ने बताया कि याचिकाकर्ता की स्थिति ऐसी है कि माता-पिता का उसके साथ रहना आवश्यक है। माता-पिता के साथ नहीं रहने पर वह आत्मघाती कदम उठा सकता है। मेडिकल सीट छोड़ने के एवज में छात्रों से तीस लाख रुपये लेने के मामला लोकसभा में उठाया गया था। नेशनल मेडिकल कमीशन ने इस पॉलिसी पर पुनर्विचार करने के निर्देश मध्य प्रदेश सरकार को दिये थे। मध्य प्रदेश सरकार ने साल

प्रदेश भर की आउटसोर्सिंग भर्तियों को चुनौती

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर कर प्रदेश भर में चल रही आउटसोर्सिंग भर्तियों की वैधानिकता को चुनौती दी गई है। मामले पर 5 मई को सुनवाई होगी। अनुसूचित जाति जनजाति कर्मचारी-अधिकारी संघ (अजाक्स) भोपाल के सचिव एमसी अहिरवार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि सामान्यतः कर्मचारियों की सेवा शर्तें एवं नियोजन की प्रक्रिया से संबंधित नियम बनाने का कार्य सामान्य प्रशासन विभाग का होता है। शासन के वित्त विभाग द्वारा मध्य प्रदेश भंडारण क्रय तथा सेवा उपार्जन नियम 2015 में दिनांक 31 मार्च 2022 में संशोधन किया है। इसके तहत वस्तु की तरह श्रमिकों को प्राइवेट एजेंसियों के माध्यम से श्रम करने हेतु खरीदा जाएगा। श्रमिकों को खरीदने और उन्हें सरकारी विभागों में नियोजित करने का नया आउटसोर्सिंग दिया गया है।

वित्त विभाग द्वारा 31 मार्च 2023 को अधिसूचना जारी कर शासन के सभी विभागों निर्देशित किया गया कि विशिष्ट कार्यों हेतु चतुर्थ श्रेणी कर्मियों की सेवाएं आउटसोर्स एजेंसियों के माध्यम से की जा सकेंगी। उक्त अधिसूचना की संवैधानिकता को चुनौती दी गई है। दलील दी गई कि आउटसोर्सिंग पर नियुक्त कर्मियों को एजेंसियों द्वारा मनमर्जी से वेतन भुगतान करती हैं। इसी तरह बिना किसी प्रक्रिया के उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है। लोकतांत्रिक देश में आउटसोर्सिंग पद्धति मानव तस्करी जैसी बुराइयों को जन्म दे रही है, जिसमें पढ़े लिखे शिक्षित युवा बेरोजगारों का दोहन हो रहा है संबंध आउटसोर्सिंग एजेंसी द्वारा एक्सप्लोइटेशन भी किया जा रहा है।

जनसंपर्क विभाग द्वारा गलत तरीके से विज्ञापन जारी किये जाने को चुनौती

लोकायुक्त डीजी को जांच के निर्देश

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र जनसंपर्क विभाग में गलत तरीके से विज्ञापन का टेंडर आवंटित कर करोड़ों रुपए के भुगतान को चुनौती देने के मामले में हाईकोर्ट ने लोकायुक्त डीजी को जांच के निर्देश दिए हैं। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने इसके लिए दो माह की मोहलत दी है। कोर्ट ने जांच के बाद रिपोर्ट पेश करने के निर्देश भी दिये है। दरअसल यह मामला बालाघाट के पूर्व विधायक किशोर समरीते की ओर से दायर किया गया है। जिनकी ओर से अधिवक्ता शिवेन्द्र पांडे एवं सुयश प्यासी ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि जनसंपर्क विभाग ने 2018 में विज्ञापन का टेंडर निकाला। कम रेट कोट करने वालों को विज्ञापन नहीं देकर 2016 के टेंडर के आधार पर अधिक रेट पर 6 कंपनियों को टेंडर आवंटित कर दिये। इसके लिए विभाग ने 3240 करोड़ रुपए का गलत तरीके से भुगतान किया है। आरोप लगाया गया कि उक्त कंपनियों को लगातार कई वर्षों से टेंडर आवंटित किया जा रहा है। नियमों को ताक पर रखते हुए टेंडर आवंटन के खिलाफ याचिकाकर्ता ने लोकायुक्त, सीबीआई, सेंट्रल विजिलेंस कमीशन में शिकायत की। जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई। सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने उक्त निर्देश दिये।

मारपीट करने वाले तीनों आरोपियों को दो-दो साल की सजा

जबलपुर,देशबन्धु। अपर सत्र न्यायाधीश एमडी रजक की अदालत ने मारपीट के आरोपी जबलपुर निवासी राहुल कहार, अंकित पटेल व अन्नू उर्फ अभय को दोषी करार दिया है। इसी के साथ अदालत ने तीनों आरोपियों को दो-दो वर्ष के कारावास की सजा सुनाते हुए उन पर दो-दो हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

अदालत के समक्ष अभियोजन की ओर से एजीपी सुशील सोनी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि आरोपियों ने 23 अगस्त 2022 को जीतेंद्र यादव से मारपीट की थी। इस वजह से वह लहुलुहान हो गया। यदि समय पर अस्पताल न ले जाते को हालत बेहद बिगड़ सकती थी। शिकायत पर पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर लिया था। अदालत ने आरोप सिद्ध पाकर आरोपियों को उक्त सजा सुनाई।

बीमा कंपनी क्षतिपूर्ति राशि का ब्याज सहित भुगतान करे

जबलपुर,देशबन्धु। जिला उपभोक्ता आयोग के चेयरमैन पंकज यादव सदस्यद्वय अमित सिंह तिवारी व सोनल पंडित की न्यायपीठ ने स्टार हेल्थ एंड एलाईड इंश्योरेंस कंपनी को आदेश दिया है कि वह परिवादी के हक में क्षतिपूर्ति राशि का ब्याज सहित भुगतान सुनिश्चित करे। एक लाख तीन हजार 485 रुपये सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से अदा करने कहा गया है। मानसिक कष्ट के एवज में पांच हजार व मुकदमे का खर्च दो हजार भी देने के निर्देश दिए गए हैं।

दरअसल परिवादी चेरीताल जबलपुर निवासी राजेंद्र कुमार अग्रवाल की ओर से अधिवक्ता योगेंद्र पटेल व आवेश पटेल ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि परिवादी ने अनावेदक बीमा कंपनी से हेल्थ बीमा कराया था। इसके अंतर्गत परिवादी के साथ अमृता अग्रवाल, अर्पित अग्रवाल, विनायक अग्रवाल का बीमा कवर किया गया। कोरोना काल में परिवादी लाइफ मेडिसिटी अस्पताल में भर्ती हुआ। उसके इलाज में दो लाख 44 हजार 776 रुपये का खर्च आया। जिसके बाद समस्त चिकित्सकीय दस्तावेजों सहित दावा किया गया। लेकिन बीमा कंपनी ने सेवा में कमी करते हुए पूरा भुगतान नहीं किया। सिर्फ 65 हजार 793 रुपये दिए। जबकि 92 हजार 157 रुपये नहीं दिए। इसीलिए परिवाद दायर करना पड़ा। पूरे मामले का अवलोकन करने के बाद आयोग ने उक्त राहतकारी आदेश दिया।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति तोड़ने पर कोर्ट सख्त

सिवनी एसपी व धूमा टीआई से मांगा जवाब

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने सिवनी के पुलिस अधीक्षक से पूछा है कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति क्षतिग्रस्त करने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है। एक जनहित याचिका पर चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने कलेक्टर सिवनी, एसपी और एसएचओ धूमा को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है। न्यायालय ने एसएचओ से पूछा है कि क्‍या दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है, तो उसकी रिपोर्ट शपथ पत्र पर पेश करें। सिवनी निवासी जितेन्द्र अहिरवार की ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि धूमा थानांतर्गत एक गांव में 10 फरवरी की रात कुछ लोगों ने डॉ. अंबेडकर की मूर्ति में तोड़फोड़ की। अगले ही दिन धूमा पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। एसपी सहित अन्य अधिकारियों को शिकायतें की गईं। जब कोई कार्रवाई नहीं की गई तो याचिका दायर की गई। आरोप है कि पुलिस ने जांच की है, लेकिन आरोपियों पर कार्रवाई करने से बच रही है। सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने उक्त निर्देश दिये।

विधिक सेवा प्राधिकरण ने विवाह सम्मेलन में दस्तावेजों का निरीक्षण किया

अक्षय तृतीया पर चलाया गया विशेष जांच अभियान

जबलपुर,देशबन्धु। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने अध्यक्ष प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश आलोक अवस्थी के मार्गदर्शन में अक्षय तृतीया पर विशेष जांच अभियान चलाया। नालसा ने बच्चों के लिए बाल-अनुकूल कानूनी सेवाएं योजना 2024 अन्तर्गत सामूहिक विवाह सम्मेलनों में होने वाले बाल विवाह के निरोध एवं निरीक्षण हेतु कदम उठाया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से शक्ति वर्मा, सचिव शक्ति रावत जिला विधिक सहायता अधिकारी, पैनल लायर कनिका रानी जैन, हेमलता क्षत्रीय, पैरालीगल वालेंटियर अभिषेक शुक्ला, सत्यम सिंह क्षत्रीय, अभिषेक त्रिपाठी, उत्तमराव मालवे मौके पर पहुंचे। कर्मचारी अमर कुमार बर्मन, अविनाश चौधरी का सहयोग लिया गया। गौरीघाट में हुए सामूहिक विवाह सम्मेलन में सम्मिलित होने वाले वैवाहिक जोड़ो के दस्तावेजों का निरीक्षण किया जाकर सुनिश्चित किया गया कि किसी भी प्रकार के नाबालिग जोड़ों के विवाह नहीं हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त एलआईसी आफिस के सामने मदन महल जबलपुर में इंदिरा बस्ती में टीम द्वारा जाकर अभियान चलाया जाकर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में महिला बाल विकास विभाग की ओर से आंगनबाड़ी केन्द्र में उपस्थित महिलाओं व आमजन को नालसा.बच्चों के लिए बाल-अनुकूल कानूनी सेवाएं योजना-2024 के अंतर्गत बाल विवाह रोकने के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा किए गए अभियान के दौरान गौरीघाट पुलिस थाना की टीम साथ रही।

दिनदहाड़े ताला तोड़कर नगदी ले उड़े चोर

बरेला महगवां काशी में वारदात

जबलपुर,देशबन्धु। बरेला थानांतर्गत महगवां काशी में बुधवार सुबह जब झारिया परिवार अपनी भतीजी के हल्दी कार्यक्रम में शामिल होने गया, उसी वक्त अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर नगदी पार कर दी। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

पुलिस ने बताया कि महगवां काशी निवासी 65 वर्षीय प्रहलाद झारिया सुबह करीब साढ़े नौ बजे अपने छोटे भाई सुखदेव झारिया के यहां उनकी बेटी की हल्दी कार्यक्रम में शामिल होने के लिये गये थे, उनका परिवार पहले से ही वहां मौजूद था। इस दौरान उनका घर सूना था। जिन्हें उनके बड़े भाई की बहू ने फोन पर सूचना दी कि आपके घर का ताला टूटा हुआ है। जब प्रहलाद ने जाकर देखा तो अंदर कमरे में पूरा सामान बिखरा पड़ा था, आलमारी का पल्ला भी टूटा था। जिसमें रखे बीस हजार रुपये गायब थे। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

दुकान से आधा किलो रसगुल्ले की चोरी

जबलपुर,देशबन्धु। स्कूटी में सवार होकर बेकरी पहुंचे दो युवकों ने आधा किलो रसगुल्ले के डिब्बे पर हाथ साफ कर दिया। दुकानदार ने रसगुल्ले चोरी की रिपोर्ट थाने में दर्ज करवाई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर प्रकरण दर्ज कर उसे विवेचना में लिया है।

सिहोरा थाना प्रभारी विपिन बिहारी सिंह से प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नम्बर 8 में शीला विश्वकर्मा की बेकरी शॉप है। दुकान में 24 अप्रैल की दोपहर को महिला का बेटा बैठा हुआ था। इसी दौरान स्कूटी में सवार दो युवक मुँह में कपड़ा बांधकर पहुँचे। एक युवक दुकान के अंदर गया और रसगुल्ले का डिब्बा चुरा लिया। दुकान संचालक के बेटे ने गत दिवस सीसीटीव्ही फुटेज के साथ थाने पहुंचकर रसगुल्ले का डिब्बा चोरी जाने की रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर प्रकरण को विवेचना में लिया है।

भगवान परशुराम प्रकट्ोत्सव धूमधाम से मनाया

रीवा विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजेन्द्र प्रसाद कुररिया का किया सम्मान

सिहोरा, देशबन्धु। सर्वोदय ब्राह्मण समाज सिहोरा ने भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम के प्रकटोत्सव को बड़े ही श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर सर्वोदय ब्राम्हण समाज के वरिष्ठ विष्णुदत्त गौतम और कुलगुरु डॉ राजेन्द्र प्रसाद कुररिया द्वारा पूजन, दीप प्रज्वलन और भगवान परशुराम का अभिषेक किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा के कुलगुरु डॉ. राजेन्द्र प्रसाद कुररिया उपस्थित थे। कार्यक्रम में पहुँचने पर सर्वोदय ब्राह्मण समाज द्वारा उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। उन्हें अभिनंदन पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विष्णु दत्त गौतम ने की। इस अवसर पर कुलगुरु डॉ. राजेन्द्र प्रसाद कुररिया ने अपने पिताजी की स्मृति में सी एम राइज सिहोरा में प्रथम स्थान प्राप्त

करने वाले एक विद्यार्थी को 5 हजार रुपए दिए साथ ही प्रतिवर्ष 5 हजार रुपए की। प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने सर्वोदय ब्राम्हण समाज को भी 5 हजार रुपए की सहयोग राशि प्रदान की।

अपने संबोधन में कुलगुरु डॉ. राजेन्द्र प्रसाद कुररिया ने ओरछा में रामायण पीठ की स्थापना करने की जानकारी भी दी। उन्होंने समाज के वरिष्ठजनों से आग्रह किया कि वे गरीब और जरूरतमंद व्यक्तियों को शिक्षा के लिए यथासंभव सहयोग प्रदान करें। कुलगुरु डॉ. राजेन्द्र प्रसाद कुररिया का स्वागत सी एम राइज प्राचार्य अशोक उपाध्याय,संतोष उरमलिया अध्यक्ष तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ, अमित कुररिया अध्यक्ष पटवारी संघ, रवि मिश्रा अध्यक्ष लिपिक वर्ग कर्मचारी संघ सिहोरा, स्व सहायता समूह जय लक्ष्मी सिहोरा और नवनीत शुक्ला एम.डी.आर.टी. भारतीय जीवन बीमा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख लोगों में डॉ. राजेन्द्र कुररिया कुलगुरु अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा, अध्यक्ष विष्णु दत्त गौतम, केशव मिश्रा, मिथलेश शुक्ला, अंजनी गौतम, सुबोध पांडे, मुनी चौबे, रमेश दत्त मिश्रा, राजेश कुररिया, सुरेन्द्र गौतम, शीतल दुबे, अर्जुन गर्ग, बाल मुकुंद चौबे, योगेंद्र मिश्रा, प्रकाश कुररिया, सुरेंद्र मिश्रा, दिनेश तिवारी, विश्वनाथ तिवारी, शिवकुमार गर्ग, प्रशांत परौहा, अशोक उपाध्याय, दीपक दुबे, रवि मिश्रा, जगदीश प्यासी, धीरेंद्र पांडे, ज्ञान प्रकाश बडगैंया, संदीप तिवारी, अमित कुररिया, संतोष उरमलिया, नवनीत शुक्ला, विजय दुबे, राम लखन तिवारी और जय प्रकाश तिवारी महामंत्री प्रमुख रूप से शामिल थे। पूजन अवधेश प्यासी, धीरेन्द्र पांडे ने कराया।कार्यक्रम का सफल संचालन सर्वोदय ब्राम्हण समाज के महामंत्री जय प्रकाश तिवारी ने किया।

अक्षय तृतीया : बच्चों ने घर के आंगन में रचाया मिट्‌टी के दुल्हा-दुल्हन का विवाह

गांधीग्राम, देशबन्धु। अक्षय तृतीया के स्वयंसिद्ध मुहूर्त पर गांधीग्राम में बुधवार को उत्साह और उमंग का वातावरण देखने को मिला। इस शुभ अवसर पर, जहाँ एक ओर विभिन्न धार्मिक और सामाजिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया, वहीं दूसरी ओर गांधीग्राम में बच्चों ने अपने घरों के आंगनों में मिट्टी के बने दूल्हा और दुल्हन की मूर्तियों का विवाह रचाकर इस दिन को और भी विशेष बना दिया।

गांधीग्राम के कई घरों में बच्चों ने मिलकर मिट्टी के सुंदर दूल्हा-दुल्हन बनाए और उन्हें पारंपरिक रूप से सजाया। इसके बाद, घरों के आंगनों में चौक पूरकर, कलश स्थापित किया गया और विधिवत पूजा-अर्चना की गई। मिट्टी के दुल्हा-दुल्हन को आसन पर विराजमान कर उन्हें परिणय सूत्र का वस्त्र अर्पित किया गया, जो विवाह की रस्म का प्रतीक था। विवाह की रस्मों के पूर्ण होने के पश्चात, बच्चों ने मिट्टी के कलश में पानी भरकर उसमें ऋतु फल, अनाज के रूप में चने की दाल, आम और विभिन्न प्रकार के पकवान भेंट किए।

इस अवसर पर कन्याओं ने विशेष भोजन ग्रहण किया, जो इस आयोजन की पारंपरिक प्रथा है। इस मनोरम और पारंपरिक आयोजन में वंदना मिश्रा, निकिता मिश्रा, निशि मिश्रा, श्रेयु दुबे, अंजली असाटी, रश्मि मिश्रा, अंशिका असाटी, आयुषी असाटी, मिठ्ठी असाटी, आर्यन असाटी, बलराम असाटी, हर्षिता मिश्रा सहित अनेक बच्चे उपस्थित रहे, सभी ने बच्चों के इस उत्साहपूर्ण प्रयास को सराहा। अक्षय तृतीया के इस पावन अवसर पर बच्चों द्वारा मिट्टी के दुल्हा-दुल्हन का विवाह रचाना, न केवल मनोरंजन का साधन बना बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति उनके जुड़ाव को भी दर्शाता है।

सार-समाचार

बुद्धि और मन की पवित्रता से धर्म की प्राप्ति होती है : प्रमेश मिश्र

जबलपुर, देशबन्धु। भगवान का अवतार धर्म की रक्षा के लिए होता है, भगवान परशुराम तीनों युग में पाए जाते है। बुद्धि और मन की पवित्रता से धर्म की प्राप्ति होती है। इंद्रियां बहुत बलवान होती है, सभी को पदभ्रष्ट कर देती है। वासनाएं खत्म नहीं होती। विद्वान भी वासनाओं में फंस जाते है ,कजरवारा में चल रहे ज्ञान यज्ञ सप्ताह में प्रभु श्री कृष्ण जी के जन्म दिवस पर बनारस से पधारे श्रीमद् भागवत कथा वाचक पंडित श्री प्रमेश मिश्र जी ने व्यक्त किए। महराज श्री ने बताया कि वासुदेव जी का एक नाम आनंद दुंदुभी भी पाया जाता है, उनके जन्म के समय अपने आप नगाड़े बजने लगे थे। कंस है पापी, धर्मात्मा के रथ को लेकर जा रहा था,इस दशा में अनर्थ होता है, यह युग मिश्रित युग पाया जाता है। पत्नी की सम्यक प्रकार से रक्षा करे वही पति होता है। स्वतंत्रता से पतन जल्दी हो जाता है, ब्रम्ह जीव के बंधन को खोलते है, माया जीव को को बंधन में बंधती है। ब्रह्म रूपी श्री कृष्ण भगवान को स्पर्श करते ही वासुदेव जी के सभी बंधन खुल गए थे। भक्ति का आश्रय जीव को मुक्ति प्रदान करता है।

जिन मंदिर एव संत निवास का भूमि पूजन

गोसलपुर, देशबन्धु। सम्मेदगिरी तीर्थ क्षेत्र में विराजमान निर्यापक पुंगव मुनि श्री सुधासागर जी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा की तीर्थ क्षेत्र मैं जिनमंदिर जिनमूर्ति की स्थापना मैं अपनी सामर्थता के अनुसार दान करना चाहिए,यह दान फलीभूत होता है।जो व्यक्ति जिनमंदिर निर्माण या मूर्ति स्थापना का भाव रखता है पर सामर्थवान नहीं है उसे आज इस तीर्थ क्षेत्र मैं एक शिला या नारियल भेंट कर ईश्वर से कामना करनी चाहिए की मुझे सामर्थवान बनाये जिससे मैं मंदिर निर्माण अथवा मूर्ति स्थापना का पुण्यकार्य कर सकू। आप सभी आज अक्षय तृतीया के अवसर पर दान अवश्य करे। मुनि श्री के पावन सानिध्य मैं श्री जिनेश भैया जबलपुर के निर्देशन पर दो जिनालय के भूमिपूजन व शिलान्यास पुण्यार्जक श्री अशोक ममता सेठी कलकत्ता के द्वारा किया गया। संत भवन की आधारशिला रखने का सौभाग्य श्री अनिल अमित अकास मोनू जैन चौधरी परिवार गोसलपुर को मिला।इस तीर्थ क्षेत्र मैं श्री शांतिनाथ अरहनाथ व कुँथनाथ भगवान की पाँच फुट ऊचाई की पद्मासन प्रतिमाएं विराजमान होगी। जिनके लिए दान दाताओं ने अपनी दानराशि की घोषणा की। मूलनायक भगवान ऋषभदेव होंगे। कल से लघु पंच कल्याणक महोत्सव का शुभारंभ मुनिश्री सुधासागर के पावन सानिध्य में प्रारंभ होगा।पात्रो का चयन सायं जिज्ञासा समाधान के पश्चात किया जाएगा,अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर मुनि श्री सुधासागर जी की आहार चर्या मोनू जैन के यहाँ सम्पन्न हुई।

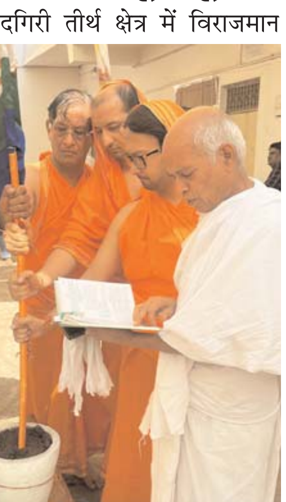

बारात जाने के एक दिन पहले दूल्हे पर हमला

दमोह, देशबन्धु । कोतवाली थाना क्षेत्र के बड़ापुरा में मंगलवार की रात एक दूल्हे पर पड़ोसियों ने हमला कर दिया। जिसे गंभीर हालत में इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया है। बुधवार को दूल्हे की बरात जानी थी, लेकिन रात में खाने को लेकर रिश्तेदार और पड़ोसियों के बीच ऐसा विवाद हुआ कि दूल्हे पर ही लोगों ने हमला कर दिया। उसे परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी देते हुए दूल्हे विक्की अहिरवार ने बताया कि बुधवार को उसकी बरात जानी थी। मंगलवार को घर पर उसे हल्दी लग रही थी और खाना चल रहा था। इसी दौरान पड़ोसियों और रिश्तेदारों के बीच खाने को लेकर कुछ विवाद हो गया। जब वह बीच बचाव करने पहुंचा तो उस पर ही कुछ लोगों ने हमला कर दिया। वह देख नहीं पाया उसके सिर पर पीछे से ईंट मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया परिजन उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। घायल विक्की की दादी ने बताया कि गुल्ले नामक युवक के द्वारा शराब के नशे में पहले खाने को लेकर उनके साथ अभद्रता की गई। इसके बाद रिश्तेदारों से विवाद शुरू कर दिया।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना : 321 जोड़े विवाह बंधन में बंधे

कुंडम, देशबन्धु। सिहोरा विधायक संतोष वरकडे के अध्यक्षता में कुंडम जनपद पंचायत में आज 321 जोड़ों के साथ विवाह संपन्न हुआ है। सिहोरा विधायक संतोष वरकडे ने समस्त क्षेत्रवासी और बर वधुओं के साथ आए हुए बारात में रिश्तेदारों को और समस्त क्षेत्र वासियों को कहा कि मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री के द्वारा आज यह विवाह संपन्न हुआ है और कन्या को राशि 49 हजार खाते पर और चेक देकर राशि भुगतान की जाएगी। मध्य प्रदेश सरकार को और समस्त क्षेत्र वासियों को हार्दिक दिल से बधाई प्रेषित करते हैं और कहा कि गरीब परिवारों की बेटियों को आज मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री ने 51 हजार की राशि से शादी कराई है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष आशा गोटिया, जिला सीईओ अशोक गहलोत, जिला जबलपुर ग्रामीण डीएसपी आकांक्षा उपाध्याय, कुंडम एसडीएम मोनिका वाघमारे, तहसीलदार दीपक पटेल, नायब तहसीलदार गोरेलाल मरावी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुंडम पीएल यादव, कुंडम टीआई अनूप नामदेव, कनिष्ठ खाद्य विभाग अधिकारी वसुंधरा पेन्द्रो, जनपद पंचायत के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह धुर्वे, उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ठाकुर एवं समस्त भाजपा पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता बंधु जनपद पंचायत के सदस्य और 68 सरपंच 68 ग्राम पंचायत सचिव एवं सहायक सचिव और समस्त क्षेत्र के लोग सामूहिक विवाह में अक्षय तीज के शुभ अवसर पर शादी पर शामिल हुई। खाना की व्यवस्था और मंडप मैं टेंट व्यवस्था बहुत अच्छी रही सभी अधिकारियों ने सहयोग किया।

आईपीएल का सट्‌टा खिलौने वाले सात आरोपी गिरफ्तार

दमोह, देशबन्धु। पुलिस ने क्रिकेट आईपीएल सट्टा खिलाने वालों पर कार्रवाई करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से मोबाइल एवं नगद राशि के साथ लाखों रुपए का हिसाब किताब मिलने की जानकारी सामने आई है। पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि दमोह में कुछ लोग क्रिकेट का सट्टा खिला रहे। पुलिस ने पता लगाकर छापामार कार्रवाई की जिसमें आईपीएल सट्टा कारोबार से जुड़े अनेक लोगों को सट्टा खिलाते हुए पकड़ा गया। जिले में लंबे समय से चल रहे हैं। आईपीएल सट्टा पर पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी निर्देशन में नगर पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी की मार्गदर्शन में कोतवाली प्रभारी मनीष कुमार द्वारा आईपीएल सट्टा पर कार्यवाही करते हुए सात आरोपियों को पकड़ा है। जिन पर चार अलग-अलग प्रकरणों में मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। जिसमें शहर के अखेलश रैकवार उर्फ अक्कू निवासी जबलपुर नाका दमोह, रिंकू यादव निवासी सिविल 4 दमोह, कृष्ण कुमार राय उर्फटिक्कू निवासी बजरिया 7 दमोह, रितेश चौरसिया निवासी फुटेरा 1 दमोह, अखिलेश असाटी निवासी टंडन बगीचा दमोह, प्रवीण चौरसिया उर्फ पप्पू निवासी असाटी वार्ड 1 दमोह, मनीष असाटी निवासी इंदिरा कॉलोनी दमोह पर कार्रवाई की गई है।

कांग्रेस की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाएं : कुरैशी

अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी व सह प्रभारी का नगरागमन

शहपुरा/भिटोनी, देशबन्धु। कांग्रेस की मुख्य विचारधारा धर्मनिरपेक्षता सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा संविधान की मर्यादा के पालन का संदेश लेकर पधारे अल्पसंख्यक कांग्रेस विभाग के मध्य प्रदेश के प्रभारी निजामुद्दीन कुरैशी, सह प्रभारी लियाकत अली का जबलपुर नगर आगमन हुआ। उन्होंने संभाग स्तर की पदाधिकारी की बैठक को संबोधित किया। अपने संबोधन में कहा की समय की आवश्यकता है कि जैन, सिख, ईसाई, मुस्लिम, पारसी और बौद्ध समुदाय को विश्वास में लेकर कांग्रेस की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाएं। विपक्ष द्वारा फैलाई जा रहे झूठ और फरेब के माहौल को उजागर करें, ताकि जनता का विश्वास कांग्रेस के प्रति वापस लौटे और देश में अमन शांति कायम हो इस आशय के विचार मध्य प्रदेश प्रभारी अल्पसंख्यक जनाब निजामुद्दीन कुरैशी, सह प्रभारी लियाकत अली साहब ने व्यक्त किए।

इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी जबलपुर शहर के विधायक लखन घनघोरिया, अध्यक्ष सौरभ शर्मा ,पूर्व विधायक विनय सक्सेना वरिष्ठ कांग्रेस नेता हाजी कदीर सोनी पश्चिम विधानसभा के संयोजक अल्पसंख्यक विभाग के अतुल जोसफ ,राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य दलबीर सिंह जस्सल ने सभी अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों से एक जुट होकर सांप्रदायिकता के खिलाफ संघर्ष की बात कही। संभागीय स्तर की बैठक में जैन संतों के साथ मारपीट

ईसाई धर्म गुरुओं के साथ दुर्व्यवहार, मारपीट और जैन धर्म स्थलों पर अवैध रूप से किया जा रहे कब्जे पर नाराजगी जताते हुए कांग्रेस के बड़े नेताओं से सख्त कार्यवाही की मांग की कांग्रेस नेता दलवीर सिंह जस्सल सुमन कुमार जैन, अतुल जोसफ, मार्को बाबा ने अपनी प्रतिक्रिया दी।

संभागीय पदाधिकारी की संबोधन सभा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सरदार दलवीर सिंह जस्सल सुमन कुमार जैन शाकिर कुरैशी राजकुमार जैन मामा जी अतुल जोसफ राजेंद्र बंधु मार्को बाबा लुसिया फर्नाडीस, जॉन कार, दिलावर खान, हामिद खान श्रीमती बलविंदर मान, श्रीमती अंजुम कह कंशा खुर्शीद श्रीमती हुर वी, मध्य प्रदेश सचिव प्रिंस सलूजा संजय वर्मा सिद्धांत जैन गोलू, रिंकू कुशवाहा निर्मल चंद जैन, सरदार गुरमीत सिंह नेकराम पटेल शाहिद भाई जान की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेख नहीं रही।

तालाब के गंदे पानी से उठती दुर्गंध और नालियों में भरी गंदगी से लोग परेशान

हफ्तों से नहीं हो रही सफाई

सिहोरा, देशबन्धु। सिहोरा नगरपालिका इन दिनों नगर को साफ और स्वक्छ बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है इस दौरान गीला और सूखा कचड़ा उठाने के लिए बड़ी संख्या में कचरा वाहनों और सफाई व्यवस्था ठीक करने कर्मचारियों को लगाया गया है लेकिन इसी बीच नगर के कुछ क्षेत्रों में सफाई के नाम पर कोई कार्य जमीनी स्तर पर दिखाई नहीं दे रहा है।

मामला सिहोरा नगर के वार्ड क्रमांक 8 अद्धुपुरा क्षेत्र का है जहाँ नगर की नालियों का गन्दा पानी भदोहां तालाब में एकत्रित होता है और यही पानी ओवरफ्लो के माध्यम से मोहल्ले की नालियों से होते हुए बड़े नाले में मिलता है लेकिन कुछ हफ्तों से इन नालियों की सफाई नहीं होने से गन्दा और दुर्गंध युक्त पानी इन्हीं नालियों में भरा हुआ है जिससे यहाँ रहने वाले लोगों के लिए मुसीबत बना हुआ है इस ठहरे हुए पानी के कारण भयानक दुर्गंध और मच्छरों की पैदावार बढ़ गई है जिसकी वजह से यहाँ रह रहे लोगों के बच्चे बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं क्षेत्रीय जनों का कहना है की नगरपालिका एक ओर जहाँ पूरे शहर में साफ सफाई अभियान के रूप में चला रही है वहीं हमारे क्षेत्र में महीने में एक दो बार भी ढंग से सफाई नहीं करा रही। जिससे तालाब के गंदे पानी की दुर्गंध और मच्छर भयानक रूप से पैदा हो गए हैं जिसकी रोकथाम समय पर नहीं की गई तो तो इनके काटने से बीमारियों का अंदेशा बना हुआ है निवासियों ने प्रशासनिक अधिकारियों को इस ओर ध्यान देने की और कार्यवाही करने की माँग की है।

165 रुपये की चोरी पकड़ पीठ थपथपा रही पुलिस, बड़ी चोरियों पर नहीं ध्यान

सिहोरा, देशबन्धु। नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में भी चोरी की कई बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं। लेकिन किसी भी बड़ी चोरी के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी तो दूर उनका सुराग भी नहीं लग सका है। वहीं रसगुल्ले का डिब्बा और गुटखा चोरी को पकड़कर पुलिस नगर में अपनी वाहवाही लूटने के प्रयास की जिसकी नगर के लोगों में जमकर आलोचना होनी शुरू हो गयी है।

सिहोरा थाना क्षेत्र के वार्ड नं. 10 मुखर्जी वार्ड में एक बेकरी की दुकान से रसगुल्ला और राजश्री गुटखा के दो पाउच चोरी होने की घटना हुई। हरदौल मंदिर के पास रहने वाले देवकरण विश्वकर्मा और उनके बेटे आयुष विश्वकर्मा मिलकर एक बेकरी की दुकान संचालित करता है। जो बीते 24 अप्रैल को दोपहर करीब 3 बजे आशुतोष ठाकुर, जिनकी पहचान चर्च के पीछे सिहोरा में रहने वालों में हुई। जो अपने साथी संचित शर्मा के साथ दुकान पर पहुंचा था। घटना में संचित शर्मा दुकान के किनारे खड़ा हो गया और आशुतोष ठाकुर ने काउंटर के पास जाकर हल्दीराम कंपनी के एक किलो का रसगुल्ले का डब्बा कीमत करीब 125 रुपये थी साथ ही दो बीस रुपये वाले राजश्री गुटखा भी काउंटर के

अंदर से चुपके से निकालकर अपनी जेब में रख लिया. जिनकी कुल कीमत 165 रुपये थी। उस समय दुकान पर मौजूद आयुष विश्वकर्मा नींद में था, जिसका फायदा उठाकर आरोपियों ने इस वारदात को अंजाम दिया था। जिनकी पुलिस ने कार्यवाही की थी। ज्ञात हो कि सिहोरा-खितौला थाना क्षेत्र में नगर में ही चोरी की वारदातें विगत वर्षों में तेजी से बढ़ी हैं जिसमे वार्ड 4 में लेखपाल विक्रम सोनी के घर पर कई माह पहले हुई चोरी में दस लाख से भी अधिक नगदी और जेवर चोरी हुए थे। पुलिस ने फिंगरप्रिंट नमूने भी लिए थे लेकिन पुलिस आज तक चोरी का खुलासा नही कर सकी।

दूसरी लूट-सिहोरा के वार्ड नम्बर 3 के गंजताल रोड मुक्तिधाम के पहले मेन रास्ते पर चिंटू किराना दुकान में सुबह दस बजे व्यवसायी की माँ रानी चावला दुकान पर थी तभी दो लड़के आये और बुजुर्ग महिला को कट्टा अड़ाकर उनसे पाँच- पाँच सौ रुपये की पचास हजार की नोटों की गड्डी छीनकर सिहोरा की तरफ भाग गए। आरोपियों के कट्टा अड़ाते ही बुजुर्ग महिला दहशत में आ गई और आरोपियों ने रुपये निकलवा लिए। वारदात के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी में देखकर आरोपियों का सुराग लगा रही है। वहीं हैप्पी चावला ने बताया कि दादी ने उनकी बाइक का नम्बर देख लिया था लेकिन पुलिस न तो आज तक बाइक को खोज पाई न ही लुटेरों का कोई सुराग लगाने में कामयाब रही।

तीसरी चोरी-सिहोरा थानाक्षेत्र के ग्राम बरगी में भी विगत 15 दिन पहले एक देवी मंदिर से करीब दो लाख रुपये के गहनों की चोरी हो गई थी जिसे अभी तक पुलिस खोजने में नाकाम है।

अन्य चोरियों का खुलासा नहीं-सिहोरा अनुभाग की पुलिस जिस तरह से वाहवाही लूटने में अग्रणी रहती हैं वहीं गौर किया जाय तो खितौला नगर में भी जय भवानी, पारस कलोनी और एक पटवारी के घर मे हुई चोरी, रेलवे लाइन के पार पूर्व विधायक के पड़ोस में शिक्षक अजय दहिया के मकान से भी लाखों की चोरी हुई थी। लेकिन कोई सुराग नही लगा। जबकि पुलिस ऐसे मामलों पहले तो शिकायत कर्ता से लिखित आवेदन लेकर टालने की कोशिश में रहती है जिनकी सीधी रिपोर्ट दर्ज नही की जाती है। ज्ञात हो कि कानून व्यवस्था बुरी तरह से लडखड़ाई हुई है। इसी तरह से चोरियों के मामले में भी अभी तक बड़ी चोरियों में एक भी आरोपी गिरफ्तार नहीं किया जा सका है, लेकिन पकड़ी गई 165 रुपये की चोरी में मशरुका को देखने के बाद यह तय हो गया कि बड़ी चोरियां का सुराग अभी भी पुलिस को नहीं लग सका है। बस हर बार पता किया जा रहा है कहकर मामले को टाल देते हैं।हालांत यह हैं कि छोटी चोरियां पकड़कर पुलिस वाहवाही लूटने से नहीं चूक रही है। बड़ी चोरियों में से भी अभी तक किसी आरोपी को शिनाख्त नहीं हो सकी।

इजरायल की आबादी पहली बार 1 करोड़ के पार, कई देशों से अकेले लड़ता है यहूदी देश

तेल अवीव। इजरायल की आबादी पहली बार 1 करोड़ के पार हुई है। 1948 के बाद से यह पहला मौका है, जब इजरायल की संख्या 10.1 मिलियन हुई है। देश की स्थापना के बाद से अब तक यहूदी मुल्क की आबादी में 12 गुना तक इजाफा हो चुका है। इजरायल के जनसांख्यिकी विभाग के अनुसार बीते साल की तुलना में इजरायल की आबादी में 1 लाख 35 हजार यानी 1.4 फीसदी का इजाफा हुआ है। दिलचस्प बात है कि अब भी यहूदियों की आबादी 80 लाख भी नहीं पहुंची है। इजरायल का संघर्ष पड़ोस के फिलिस्तीन, लेबनान, मिस्र जैसे देशों से लंबे समय से रहा है। 1948 में देश की स्थापना के बाद से ही यह संघर्ष चलता रहा है। ऐसे में यहूदियों और पूरे इजरायल की ही आबादी एक करोड़ से कम होना चर्चा का विषय रहा है। अब इजरायल की आबादी तो एक करोड़ के आंकड़े तक पहुंच गई है, लेकिन यहूदियों की संख्या अब भी 80 लाख से नीचे है। आंकड़े के अनुसार इजरायल की आबादी में यहूदियों की संख्या फिलहाल 77.6 फीसदी ही है।

पहलगाम हमले पर अब पाकिस्तान का नया झूठ, कहा- यह सबकुछ ड्रामा ताकि..

इस्लामाबाद। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान अबकी बार नए झूठ और फरेब के साथ दुनिया के सामने आया है। इस बार पाकिस्तान के विदेश मंत्री और डिप्टी पीएम इशाक डार ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने भारत के हमले के पीछे पाकिस्तानी साजिश के आरोपों को नकारते हुए नया शिगूफा छोड़ दिया है- यह सबकुछ ड्रामा हो सकता है! उन्होंने हमले की तुलना सीधे 2019 के पुलवामा हमले से कर दी। डॉन अखबार के मुताबिक, इशाक डार ने गीदड़भभकी देते हुए पाकिस्तानी संसद में कहा कि पाकिस्तान हमला नहीं करेगा, लेकिन यदि भारत ने कुछ किया तो जैसे को तैसा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान ने तुर्की, चीन, कतर, यूएई, सऊदी अरब समेत कई देशों को अपनी स्थिति से अवगत करा दिया है।

'फॉल्स फ्लैग' ऑपरेशन पर पाकिस्तान ने घुमाया सवाल- हालांकि डार ने स्पष्ट कहा कि उनके पास इस हमले को 'फॉल्स फ्लैग' ऑपरेशन कहने का कोई प्रमाण नहीं है, लेकिन फिर भी उन्होंने आरोपों की बौछार करते हुए कहा कि पाकिस्तान का इससे कोई लेना-देना नहीं है और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने स्वतंत्र जांच की पेशकश की है।

भारत पर पानी की जंग का आरोप

इशाक डार ने भारत पर यह भी आरोप लगाया कि वह पिछले दो सालों से सिंधु जल संधि में बदलाव करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, अगर भारत ने हमारे पानी के साथ छेड़छाड़ की, तो इसे युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। डार ने कहा कि उन्हें संदेह है कि यह हमला जानबूझकर ड्रामा के तौर पर किया गया ताकि सिंधु जल संधि को निलंबित किया जा सके। डार ने पुलवामा अटैक का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा, अब मुझे संदेह हो रहा है कि जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने के लिए पुलवामा हमला किया गया।

इमरान खान को लेकर भी गरमा-गरम बहस5 इसी दौरान संसद में पाकिस्तान की राजनीतिक एकजुटता को लेकर भी गर्म बहस हुई। पीपीपी के मसूर अहसन और पीटीआई के नेताओं ने मांग की कि इमरान खान को जेल से रिहा कर सर्वदलीय बैठक में शामिल किया जाए, ताकि देश को एकजुटता का संदेश दिया जा सके। वहीं, पीएमएल-एन के नेताओं ने इसका विरोध किया और कहा कि इमरान को कानून का सामना करना ही होगा।

इजरायल से तनातनी के बीच ईरान ने युवक को सूली पर लटकाया, मोसाद से था नाता

इरना। परमाणु हथियारों और कार्यक्रमों को लेकर इजरायल से तनातनी के बीच ईरान ने बुधवार को एक युवक को इजरायल के लिए जासूसी करने और खुफिया जानकारी शेयर करने के आरोप में फांसी दे दी।

सरकारी मीडिया के अनुसार, जिस व्यक्ति को मौत की सज़ा दी गई, उसका नाम मोसेन लंगरनेशिन है। उन पर इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए दो साल तक जासूसी करने और ईरान के खिलाफ कई अहम साजिशों में शामिल होने का आरोप था।

ईरानी न्यायपालिका की मीडिया शाखा मिजान के अनुसार, मोसेन को 2022 में रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स के कर्नल सैयद खोदाई की हत्या में भूमिका निभाने का दोषी पाया गया। इसके अलावा, उन्होंने रक्षा मंत्रालय से जुड़े ईस्फहान के एक औद्योगिक केंद्र पर हमले के लिए भी कथित तौर पर सहयोग किया था। रिपोर्ट्स में कहा गया कि मोसेन ने पूछताछ के दौरान सभी आरोपों को कबूल कर लिया था।

परमाणु कार्यक्रम को लेकर तनाव- यह फांसी ऐसे समय पर दी गई है जब अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर बातचीत जारी है, वहीं इजरायल लगातार ईरान पर दबाव बना रहा है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के साथ किसी भी तरह की परमाणु डील को खारिज करते हुए उसकी परमाणु क्षमता को पूरी तरह खत्म करने की मांग की है। इससे पहले ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने इजरायल पर आरोप लगाया था कि वह वाशिंगटन और तेहरान के बीच चल रही परमाणु वार्ताओं को पटरी से उतारना चाहता है।

आज का इतिहास

1840- ब्रिटेन ने पहला आधिकारिक डाक टिकट जारी किया।
1886- अमेरिका के शिकागो में कामगारों के लिए काम के घंटे तय करने को लेकर हड़ताल, मजदूर दिवस मनाने की शुरुआत।
1897- स्वामी विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की।
1908- प्रफुल्ल चाकी ने मुजफ्फरपुर बम कांड को अंजाम देने के बाद खुद को गोली मारी।
1913- बॉलीवुड अभिनेता बलराज साहनी का जन्म हुआ।
1914- कार निर्माता फोर्ड वह पहली कंपनी बनी जिसने अपने कर्मचारियों के लिए आठ घंटे काम करने का नियम लागू किया।
1923- भारत में मई दिवस मनाने की शुरुआत।

सुडोकू 6899

	2			1		5		
4					3		2	9
5		9						
2				7				
9	1						6	3
				6				8
						6		7
7	3		6					2
		8		5			3	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

पाकिस्तानी संसद में खालिस्तानी एजेंडा

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी संसद के उच्च सदन सीनेट में मंगलवार को खालिस्तानी एजेंडे की गूंज सुनाई दी। पाकिस्तान में सिखों की आबादी बेहद कम है और समुदाय से एकमात्र व्यक्ति गुरदीप सिंह सांसद हैं। वह उच्च सदन का हिस्सा हैं और खैबर पख्तूनख्वा से उन्हें सीनेट का मेंबर बनाया गया है। इमरान खान की तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के मेंबर गुरदीप सिंह ने पहलगाम पर चल रही डिबेट में हिस्सा लिया तो खालिस्तानी सुर में बात करने लगे। गुरदीप सिंह ने कहा कि सिख समुदाय के लोग तो पाकिस्तान का साथ देने का ऐलान कर चुके हैं। दरअसल अलगाववादी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस के कमांडर गुरपतवंत सिंह पन्नू ने पाकिस्तान के समर्थन का ऐलान किया था। अब ऐसी ही बात पाकिस्तानी सांसद ने भी कही है। इससे साफ हुआ है कि दुनिया भर में चल रहे खालिस्तानी मूवमेंट को पाकिस्तान से ही खाद-पानी मिलता रहा है।

गुरदीप सिंह ने कहा कि भारत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर आधे घंटे के अंदर ही भारत पर इलजाम लगा दिया। दुनिया में कहीं भी ऐसा नहीं देखा गया। अपने भाषण में कई बार इंशाल्लाह बोलने वाले सिख सांसद की यह विडंबना भी देखने लायक थी कि वह एक तरफ खालिस्तानी एजेंडा दोहरा रहे थे तो वहीं बार-बार इंशाल्लाह और मदीने की रियासत बनाने जैसी बात करते रहे। बता दें कि बीते सालों में कई खालिस्तानी आतंकी पाकिस्तान में मारे गए हैं, जिन्हें उसने शरण दे रखी थी। यही नहीं कनाडा, ऑस्ट्रेलिया समेत कई अन्य देशों में भी खालिस्तानी तत्वों को वहां मौजूद पाकिस्तानियों से समर्थन मिलता रहा है। पाक सांसद गुरदीप सिंह ने तो अपने भाषण में 1984 के सिख दंगों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत तो पाकिस्तान को आतंकी मुल्क कहता है, लेकिन 1984 भी देखना चाहिए। ऐसा दुनिया का शायद ही कोई देश होगा, जहां एक कौम के खिलाफ इस तरह के दंगे हुए हों। पाकिस्तान में सिखों की आबादी इतनी कम है कि उनकी संख्या उंगलियों पर गिनी जा सकती है।

मिशिगन रैली में जमकर थिरके राष्ट्रपति ट्रंप

वाशिंगटन, (आईएएनएस)। राष्ट्रपति के तौर पर 100 दिन पूरे करने का जश्न डोनाल्ड ट्रंप ने डांस करके मनाया। मिशिगन रैली में उन्होंने 100 दिन की उपलब्धियां गिनाईं और पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की खामियों का जिक्र किया। इस रैली का नाम 100 डेज ऑफ ग्रेटनेस रखा गया। व्हाइट हाउस की ओर से जारी एक वीडियो क्लिप में ट्रंप डांसिंग मूव्स करते और मौजूद समर्थकों को थैंक्यू कहते देखे जा सकते हैं।

इस दौरान ट्रंप ने समर्थकों के समूह को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि हम आज रात अपने देश के इतिहास में किसी भी प्रशासन के सबसे सफल 100 दिनों का जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए हैं। ट्रंप ने इस दौरान टैरिफ से लेकर अप्रवासन नीतियों का बखान किया। उन्होंने बाइडेन प्रशासन और डेमोक्रेट्स पर जमकर हमला बोला। मिशिगन रैली में ट्रंप ने अपने पूर्ववर्ती जो बाइडेन पर तंज कसा और दोहराया कि 2020 का राष्ट्रपति चुनाव उनसे चुराया गया था। ट्रंप ने रोजगार सृजन के मामले में भी अपनी पीठ थपथपाई। कहा, बहुत सारी ऑटो नौकरियां आ रही हैं। कंपनियां आ रही हैं...वे सभी मिशिगन वापस आना चाहती हैं और फिर से कारें बनाना चाहती हैं। आप जानते हैं क्यों? हमारी कर और शुल्क नीति के कारण, वे दुनिया भर से आ रहे हैं। ट्रंप ने अपने समर्थकों, खासकर ऑटो कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में 4,700 से अधिक उत्तर कोरियाई सैनिक हताहत, 600 की मौत: सोल

सोल, (आईएएनएस)। यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की तरफ से लड़ते हुए 4700 उत्तर कोरियाई सैनिक हताहत हुए। 600 सैनिकों को अपनी जान गंवानी पड़ी। यह जानकारी सोल खूफिया एजेंसी ने बुधवार को सांसदों को दी। पीपुल्स पावर पार्टी के प्रतिनिधि ली सियोंग-क्वेन और डेमोक्रेटिक पार्टी के किम ब्युंग-की के अनुसार, राष्ट्रीय खुफिया सेवा (एनआईएस) ने नेशनल असेंबली की खुफिया समिति के लिए बंद कमरे में हुई ब्रीफिंग के दौरान यह जानकारी दी।

योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, सांसदों ने एनआईएस के हवाले से कहा कि उत्तर कोरिया ने दो चरणों में रूस में कुल 15,000 सैनिक तैनात किए हैं। लड़ाई में अप्रैल से कमी आई है, क्योंकि मॉस्को ने कुर्स्क के अग्रिम क्षेत्र के अधिकांश क्षेत्रों को वापस ले लिया। उन्होंने बताया कि जासूसी एजेंसी को अभी तक उत्तर कोरिया की तरफ से और सैन्य तैनाती के संकेत नहीं मिले हैं, लेकिन इसकी संभावना से इनकार नहीं किया गया।सोमवार को उत्तर कोरिया ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की कि उसने यूक्रेन के खिलाफ रूसी अभियानों में मदद के तौर पर अपने सैनिक भेजे हैं। सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए ने दावा किया कि उसके सैनिकों ने सीमावर्ती क्षेत्र कुर्स्क में यूक्रेन के कब्जे वाले क्षेत्रों पर दोबारा कब्जा करने में मॉस्को की मदद की।

रूसी समाचार रिपोर्टों के अनुसार, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में मदद के लिए सैनिकों की तैनाती के लिए उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन को धन्यवाद दिया और वचन दिया कि युद्ध के मैदानों पर बनी उनकी द्विपक्षीय मित्रता बढ़ती रहेगी।

रूसी समाचार एजेंसी तास ने क्रेमलिन की प्रेस सेवा के हवाले से बताया कि पुतिन ने उत्तर कोरिया से %कुर्स्क क्षेत्र को यूक्रेनी सैन्य टुकड़ियों से मुक्त कराने में मदद का संदेश दिया। पुतिन ने कहा, हम इसकी बहुत सराहना करते हैं और राज्य मामलों की समिति के अध्यक्ष कॉमरेड किम जोंग-उन, साथ ही पूरे नेतृत्व और उत्तर कोरिया की जनता के प्रति व्यक्तिगत रूप से आभारी हैं।

कनाडा में चुनाव जीतने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री कार्नी ने ट्रंप से की बात

अमेरिका से टकराव की तैयारी

कनाडा में हुए फेडरल चुनाव में लिबरल पार्टी को आश्चर्यजनक जीत दिलाने वाले मार्क कार्नी दूसरी बार प्रधानमंत्री बन चुके हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल के पहले ही दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बातचीत की। इस बातचीत को भले ही कूटनीतिक औपचारिकता माना जा रहा हो, लेकिन चुनाव के दौरान ट्रंप की ओर से कनाडा के प्रति जताई गई आक्रामकता और धमकियों ने वहां एक राष्ट्रवादी माहौल खड़ा कर दिया था। विशेषज्ञों के अनुसार, इसी मुद्दे ने कार्नी की लिबरल पार्टी को राजनीतिक बढ़त दिलाई और जीत दिलाई।

जीत के बाद ओटावा में अपने भाषण में कार्नी ने साफ संदेश दिया, जब मैं राष्ट्रपति ट्रंप से मिलूंगा, तो हम दो संप्रभु राष्ट्रों के तौर पर भविष्य के आर्थिक और सुरक्षा संबंधों पर चर्चा करेंगे। हम यह जानते हैं कि अमेरिका के अलावा भी हमारे पास समृद्धि के कई रास्ते हैं। कार्नी के इस बयान को ट्रंप के उस दबावपूर्ण रवैये के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है, जो उन्होंने चुनाव के दौरान कनाडा की व्यापार नीति और रक्षा सहयोग पर दिया था।

ट्रंप और कार्नी में क्या हुई बात× प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री कार्नी को चुनाव जीतने पर बधाई दी। दोनों नेताओं ने अमेरिका और कनाडा के बीच सहयोग जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

चुनावी नतीजे और कनाडा में माहौल× कनाडा में 29 अप्रैल को हुई काउंटिंग में लिबरल पार्टी को सर्वाधिक 169 सीटें मिलीं। यह बहुमत से 3 सीट कम है। वहीं, कट्टर प्रतिद्वंद्वी पार्टी कंजरवेटिव पार्टी को 144 सीटें मिली। चुनाव के दौरान कनाडा में माहौल का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस बार रिकॉर्ड 69 प्रतिशत मतदान हुआ, यह 2015 के बाद सर्वाधिक वोटिंग प्रतिशत है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव के आखिरी दौर में ट्रंप की ओर से की गई हस्तक्षेपकारी टिप्पणियों ने कनाडा में राष्ट्रीय अस्मिता और स्वतंत्र विदेश नीति की भावना को उभारा, जिससे लिबरल पार्टी को अप्रत्याशित समर्थन मिला।

वर्ग पहेली 6899

१		२		■	■	३		४	
	■		■	५			■		■
६			■		■	७			
	■	८	९				■		■
■	१०	■		■	■	■	११	■	१२
१३				■	१४	■	१५		
■		■	१६				■	■	
१७			■	■		■	१८	१९	
	■	■	२०			२१	■		■
२२				■	■	२३			

बायें से दायें:-
१. शोभा-सौंदर्य में वृद्धि होना
३. बाधा, विघ्न
५. सेहतमंद, सर्वोत्तम
६. सभ्यता, शिष्टता
७. परशुराम के पिता
८. नागरिक, नगरवासी
१३. वह यज्ञ जिसमें मनुष्यों की बलि दी जाती है
१५. भलमनसाहत
१६. स्वाद लेने योग्य
१७. यतीम
१८. अपरिमित, असीमित
२०. शासन (उर्दू)
२२. प्राणी, पशु (उर्दू)
२३. अधिकता, प्रचुरता

ऊपर से नीचे:-
१. सजस, नीचे
२. पथिकों को लूटने वाला
३. अप्रसन्न व्यक्ति
४. बारात
५. कल्याण, मुक्ति
९. भीम, बलराम
१०. खुद का, स्वयं का बनाया हुआ
११. अच्छा, मंगल
१२. दोषी, कसूरवार (उर्दू)
१४. आंख की पुतली
१६. बड़ी बहन
१९. विक्षिप्त, दीवाना (उर्दू)
२०. सरोवर
२१. ईश्वर

वर्ग पहेली-6898

१ सि	फा	२ रि	श	■	■	३ कि	स	४ य	ल
या	■	या	■	५ ह	म	ल	■	ल	■
६ स	र	स	■	ल	■	७ का	र्य	का	ल
त	■	८ त	९ र	फ	दा	री	■	र	■
■	१० वि	■	स	■	■	■	११ खु	■	१२ वि
१३ भ	ला	बु	रा	■	१४ आ	■	१५ द	रिं	दा
■	य	■	१६ ज	ह	म	त	■	■	र
१७ अं	त	र	■	■	द	■	१८ से	१९ व	क
धे	■	■	२० द	र्श	नी	२१ य	■	च	■
२२ रा	ह	गी	र	■	■	२३ श	ब	न	म

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

उथल-पुथल *अजीबो गरीब हैं जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की सीमाएं*

पाकिस्तान से लगी 1202 किमी लम्बी सीमा सबसे खतरनाक

■ **सुरेश एस डुग्गर**

जम्मू, (देशबन्धु)। पांच अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर राज्य के दो टुकड़े करने और उसकी पहचान खत्म किए जाने की कवायद से पहले जम्मू-कश्मीर में दो देशों पाकिस्तान तथा चीन की कुल 2062 किमी लम्बी सीमा लगती थी। हालांकि इसमें से 1202 किमी लम्बी सीमा तो सबसे खतरनाक है जो पाकिस्तान के साथ सटी हुई है क्योंकि यह दिन रात आग उगलती रहती है। देश की जनता के लिए सीमा, सीमा ही होती है लेकिन वह यह नहीं समझ पाती है कि आखिर पाकिस्तान के साथ लगने वाली सीमा पर तोपें आग क्यों उगलती रहती हैं।

पाकिस्तान के साथ लगने वाली सीमा तीन किस्म की है। पाकिस्तान के साथ जम्मू-कश्मीर की 264 किमी लम्बी अंतरराष्ट्रीय सीमा भी है जो पंजाब राज्य के पहाड़पुर क्षेत्र से आरंभ होकर अखनूर सैक्टर में मनावर तवी के भूरेचक गांव तक जाती है। इसे अंतरराष्ट्रीय सीमा का नाम इसलिए दिया गया है क्योंकि इस पर संयुक्त राष्ट्र संघ के तत्ववधान में सीमा बुर्जियों की स्थापना की गई है। अर्थात इस पर निशानदेही की गई है जो यह दर्शाती है कि दोनों देशों की हद यहां तक आकर खत्म होती है। और इस सीमा पर अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करते हुए कभी भी गोलीबारी न करने के निर्देश होते हैं जिसकी उल्लंघना पाकिस्तानी सेना की ओर से की जा रही है। पाकिस्तान से सटी 264 किमी लम्बी अंतरराष्ट्रीय सीमा का एक चौंकाने वाला पहलू यह भी है कि इसके भीतर भी कई स्थान ऐसे हैं जिन्हें वर्किंग बार्डर कहा जाता है। ऐसे स्थानों की संख्यां दस के करीब है। इन्हें वर्किंग बार्डर इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह सभी विवादास्पद क्षेत्र हैं। जिनमें कहीं सीमाबुर्जी का विवाद है तो कहीं कब्रिस्तान का। तो कहीं खेतीबाड़ी करने वाली जमीन का। वर्ष 1949 में पाकिस्तान तथा भारत के बीच हुए कराची समझौते के अंतर्गत युद्ध को रोकने के बाद जो सीमा का निर्धारण किया गया था युद्धक्षेत्रों में उसे युद्धविराम रेखा अर्थात नियंत्रण रेखा के नाम से जाना जाता है।

■ **जीवित जंग के मैदान के रूप में जानी जाती 814 किमी लम्बी एलओसी**

इसके मायने यही होते हैं कि युद्ध विराम के समय जिसका जिस स्थान पर कब्जा था वह वहीं तक रहेगा और इस प्रकार दोनों देशों के बीच इस युद्ध विराम रेखा अर्थात् नियंत्रण रेखा अर्थात मानसिक व अदृश्य रूप से दोनों देशों को बांटने वाली रेखा की लम्बाई 814 किमी है जो अखनूर सेक्टर के मनावर तवी के क्षेत्र के भूरेचक गांव से आरंभ होकर करगिल सेक्टर के उस स्थान पर जाकर समाप्त होती है जहां से सियाचिन हिमखंड की सीमा आरंभ होती है। जिस स्थान पर यह नियंत्रण रेखा समाप्तस होती है उस स्थान को एनजे-9842 का नाम दिया गया है जिसके मतलब हैं-पूर्वी अक्षांश पर 98 डिग्री और उत्तरी अक्षांश पर 42 डिग्री।

खेल जगत

ऋतुराज की नियुक्ति ने मुझे सातवें आसमान पर पहुंचा दिया : कोच मोहन जाधव

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ के बचपन के कोच मोहन जाधव को भरोसा था कि उनका शिष्य एक दिन चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी करेगा, लेकिन उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि यह इतनी जल्दी हो जाएगा। गायकवाड़ 2019 से फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं और महेंद्र सिंह धोनी के पद से हटने के बाद उन्हें 2024 के आईपीएल सीजन में सीएसके का कप्तान बनाया गया था। कप्तान के रूप में गायकवाड़ के पहले सीजन में, सीएसके 2024 आईपीएल प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने से चूक गई। चेन्नई की टीम ने अपने 14 मैचों के अभियान में सात जीत और हार दर्ज की, जिससे वे नेट रन रेट पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से नीचे पांचवें स्थान पर रहे। जाधव ने कहा कि जब गायकवाड़ को सीएसके का कप्तान बनाया गया तो वह सातवें आसमान पर थे- एक ऐसा क्षण जिसने उनके दिल को खुश कर दिया।

मुंबई इंडियंस का विजय अभियान रोकने की कोशिश करेगा राजस्थान

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (देशबन्धु)। हर ओर भारतीय क्रिकेट की नई सनसनी मात्र 14 बरस के अपने पहले 2025 आईपीएल में तीसरे ही मैच में मात्र 35 गेंदों में 11 छक्कों और सात चौकों की मदद से गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलते

■ सभी निगाहें उगते 'सूर्य' वैभव व सूर्य कुमार यादव पर

■ वैभव का होगा बुमराह,बोल्ट व चाहर के खिलाफ असल इम्तिहान

हुए दुनिया की सबसे महंगी टी 20 क्रिकेट लीग के इतिहास में दूसरा सबसे तेज और भारतीय के रूप में सबसे तेज शतक जड़ने वाले बाएं हाथ के वैभव सूर्यवंशी के लगातार पांच हार के बाद अपनी राजस्थान रॉयल्स को शीर्ष पर चल रही गुजरात टाइटंस पर आठ विकेट से जीत दिलाने की चर्चा है। सचिन तेंदुलकर, युवराज सिंह और 360 डिग्री मुंबई इंडियंस के सूर्य कुमार यादव और टीम के मेंटोर सचिन तेंदुलकर, युवराज सिंह और पर्व हेड कोच रवि शास्त्री जैसे धुरंधर तक को 14 बरस के वैभव सूर्यवंशी ने राजस्थान रॉयल्स के लिए गुलाबी नगरी जयपुर में गुजरात टाइटंस के खिलाफ तूफानी शतक जड़ हर किसी को मुरीद बना लिया। आने वाले वाले समय में वैभव सूर्यवंशी कितनी जल्दी सीनियर भारतीय क्रिकेट टीम में जगह बनाएंगे यह भले ही भविष्य के गर्भ में लेकिन निर्विवाद रूप से यह जरूर कहा जा सकता है कि भारतीय क्रिकेट के नए सितारे का जन्म हो गया है। वैभव सूर्यवंशी और उनके बाएं हाथ के सलामी जोड़ीदार यशस्वी जायसवाल पर अब अपने दस में पिछले लगातार पांच व कुल छह मैच जीतने वाली मुंबई इंडियंस का विजय रथ रोक फिलहाल दस मैचों में सात हार और मात्र तीन जीत के साथ आठवें स्थान पर चल रही अपनी राजस्थान रॉयल्स को अपने घरेलू जयपुर के मैदान पर एक और कुल चौथी जीत के साथ उसकी प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा रखने का दारोमदार टिका है।दोनों टीमों के बीच पिछले पांच में अंतिम दो सहित राजस्थान रॉयल्स ने तीन और मुंबई इंडियंस ने मात्र दो मैच जीते हैं। राजस्थान रॉयल्स अब बृहस्पतिवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपना लगातार तीसरा मैव अपनी श्रेष्ठता साबित करने के मकसद से उतरेगी। वैभव सूर्यवंशी ने पहली बार आईपीएल में खेलते हुए पहली ही गेंद पर लखनऊ सुपर जायंटस के अनुभवी तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर की गेंद पर छक्का जड़ कर अपने करियर का आगाज किया था।

हम आईपीएल में जरा भी ढील गवारा नहीं कर सकते : हार्दिक

'हमारे पास जो लय है हमने उसे ही लखनऊ सुपर जायंटस के खिलाफ मैच में आगे बढ़ाया और हर किसी ने योगदान किया। हर कोई मौके को भुनाता रहा। आखिर में हमने कुछ विकेट गंवाए। बॉश अर नमन ने आखिर में बढ़िया पारियां खेलीं। हमें मालूम था कि मैच कहां खत्म करना है और पूरी टीम गजब का खेली। अच्छी टीमें तभी बनती है जब हर कोई आगे आकर योगदान करता है। जहां तक मेरे मात्र एक ओवर फेंकने की बात है तो जब भी जरूरत होती है मैं गेंदबाजी करता हूं। जहां तक हमारी अब लगातार पांच जीत दर्ज करने की बात है तो मैं यह कहूंगा कि आईपीएल बेहद कड़ा टूर्नामेंट है और हम इसमें जरा भी ढील गवारा नहीं कर सकते। हमारी कोशिश हमेशा बढ़िया क्रिकेट खेलने की रहती है। हमारी निगाह हमेशा अगले मैच पर रहती है।

आईपीएल में शतक जड़ना एक सपने जैसा है : वैभव

'मेरा आईपीएल में तीन पारियों में यह पहला शतक था। मै पिछले तीन महीने से जो मेहनत कर रहा था यह उसके नतीजा अब दिखने लगा है। मैं मैदान को नहीं देखता, मेरा ध्यान पर बस गेंद पर रहता है। यशस्वी के साथ बल्लेबाजी करने से मुझे आत्मविश्वास मिला क्योंकि वह बराबर सकारात्मक रहते हैं और मुझे सलाह देते हैं और इसलिए उनके साथ क्रीज पर बल्लेबाजी करना आसान होता है। आईपीएल में शतक जड़ना एक सपने जैसा है। मैं कतई नहीं डरता। जहां तक गेंदबाज के मुझे निशाना बनाने की बात है तो मैं इस बाबत कतई नहीं सोचा, मेरा ध्यान सिर्फ मेरी बल्लेबाजी पर रहता है।

हमारा ध्यान अगला मैच जीतने पर है, टेबल के बारे में चिंता करने पर नहीं : राहुल द्रविड़

यह एक कड़ा टूर्नामेंट है, नीचे की टीमें शीर्ष पर रहने वाली टीमों को हरा सकती हैं : द्रविड़

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने जेन गोल्ड टैलेंट वैभव सूर्यवंशी, टीम की दीर्घकालिक रणनीति, प्ले-ऑफ में पहुंचने और मुंबई इंडियंस के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच से पहले उनकी मानसिकता पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि हमारा ध्यान अगला मैच जीतने पर है टेबल के बारे में चिंता करने पर नहीं। स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम पर एक्सक्लूसिव बात करते हुए राहुल द्रविड़ ने राजस्थान रॉयल्स के प्ले-ऑफ में पहुंचने की संभावनाओं पर कहा कि यह एक कड़ा टूर्नामेंट है। नीचे की टीमें शीर्ष पर रहने वाली टीमों को हरा सकती हैं।

अंतर बहुत कम है। हम जानते हैं कि छह अंकों के साथ हम तालिका में नीचे हैं, लेकिन हम एक बार में एक गेम पर ध्यान दे रहे हैं। हमारा ध्यान अगला मैच जीतने पर है - तालिका के बारे में चिंता करने पर नहीं। द्रविड़ ने कहा कि भले ही हमने युवा भारतीय खिलाड़ियों को बनाए रखकर लंबी अवधि पर नजर रखी है, लेकिन हमने केवल भविष्य के बारे में सोचकर सीजन में प्रवेश नहीं किया। हमें विश्वास है कि हम इस साल जीत सकते हैं। परिणाम हमेशा हमारे पक्ष में नहीं रहे हैं, लेकिन हम अपनी दीर्घकालिक सोच को बहाने के रूप में इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। हम प्रतिस्पर्धी रहे हैं, बस छोटे-छोटे पलों ने हमें नुकसान पहुंचाया है। हमने जिन खिलाड़ियों का समर्थन किया है, वे भविष्य के लिए हमारी दृष्टि का हिस्सा हैं, लेकिन वे अभी जीतने के लिए भी पर्याप्त हैं। द्रविड़ ने वैभव सूर्यवंशी के निडर रवैये पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मेरे लिए, यह वास्तव में उनकी निडरता है और जिस तरह से वह किसी भी अवसर या अपने आस-पास के दबाव से विचलित नहीं होते हैं, वह वास्तव में कुछ खास है। आप आमतौर पर किसी इतने कम उम्र के खिलाड़ी में ऐसा नहीं देखते हैं। उनके पास शॉट्स की एक असाधारण रेंज भी है। उन्हें कड़ी मेहनत करते रहना होगा, अपने खेल को विकसित करना होगा और सुधार करना होगा। टीमें उनके खिलाफ होशियार हो जाएंगी और उन्हें उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ेगा - यही टी20 क्रिकेट की प्रकृति है। हमारी तरफ से, हम उन्हें सिर्फ उसी तरह खेलने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं जिस तरह से उन्हें मजा आता है - खेल को आगे बढ़ाएं और खुद को अभिव्यक्त करें। बेशक, वह गलतियां करेंगे और उनसे सीखेंगे, लेकिन अभी के लिए, हम चाहते हैं कि वह मजे करें और अनुभव को आत्मसात करें। टीम में युवा भारतीय प्रतिभाओं को शामिल करने के बारे में द्रविड़ ने कहा कि हमने अपनी कई बेहतरीन युवा भारतीय प्रतिभाओं को बरकरार रखा है- संजू सैमसन, रियान पराग, ध्रुव जुरेल और यशस्वी जायसवाल। इसका मतलब है कि हमें विदेशी खिलाड़ियों के साथ थोड़ा समझौता करना पड़ा।

भारतीय महिला हॉकी टीम की नजरें नए संयोजन आजमाने पर

पर्थ, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ दो मैच खेलने के बाद अब भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ तीन दोस्ताना मैच खेलेगी। ये मैच पर्थ हॉकी स्टेडियम में 1 मई से शुरू होंगे। पहले दो मैचों में हार मिलने के बाद भारत अब बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगा। पहले मैच में भारत ने अच्छा खेल दिखाया लेकिन फिर भी 3-5 से हार गया।

ऑस्ट्रेलिया ए ने पहले हाफ में ही चार गोल कर बढ़त बना ली। भारत ने वापसी की कोशिश की लेकिन पूरी तरह से मैच में नहीं लौट सका। भारत की तरफ से महीमा टेटे (27वें मिनट), नवनीत कौर (45वें मिनट) और लालरेम्सियामी (50वें मिनट) ने गोल किए। ऑस्ट्रेलिया ए के लिए नीसा फ्लिन (3'), ओलिविया डाउन्स (9'), रूबी हैरिस (11'), टेटम स्टीवर्ट (21') और केंड्रा फिट्जपैट्रिक (44') ने गोल किए। दूसरे मैच में भारत को बेहद करीबी मुकाबले में 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। इस बार भारत ने पहला गोल ज्योति सिंह (13वें मिनट) के जरिए किया। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ए ने तीन गोल कर बढ़त बना ली। भारत का दूसरा गोल सुनलीता टोप्पो (59वें मिनट) ने किया, लेकिन टीम समय रहते बराबरी नहीं कर सकी। अब भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया की मुख्य टीम के खिलाफ खेलेगी। भारतीय टीम में 26 खिलाड़ी हैं और टीम का नेतृत्व कप्तान सलीमा टेटे और उप-कप्तान नवनीत कौर कर रही हैं।

मैच के दौरान रहाणे और अक्षर को लगी चोट

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। मंगलवार रात दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच हुए मैच में दोनों टीमों के कप्तानों अक्षर पटेल और अजिंक्य रहाणे को फील्डिंग के दौरान चोट लग गई। हालांकि अक्षर बाद में बल्लेबाजी के लिए आए और उनकी चोट कुछ अधिक गंभीर नहीं दिख रही, जबकि रहाणे के हाथ में पट्टी लगी रही और उसके बाद उनकी जगह सुनील नारायण ने कप्तानी की। ऐसा इसलिए भी हुआ क्योंकि केकेआर के उपकप्तान वेंकटेश अय्यर बल्लेबाजी पारी के बाद एकादश से बाहर हो गए थे और उनकी जगह इंपैक्ट सब के रूप में वैभव अरोड़ा मैच में आए थे।

अक्षर को यह चोट तब लगी, जब वह केकेआर की पारी के 18वें ओवर के दौरान मिडविकेट पर फील्डिंग कर रहे थे और रोवमन पॉवेल ने उनकी तरफ एक हिट मारा। इस शॉट को रोकने के लिए अक्षर ने फ़ुल डाइव लगाया, लेकिन उनका हाथ अभ्यास पिच पर रगड़ गया और वह दर्द से कराह उठे। इसके बाद फिजियो पैट्रिक फ़रहाट मैदान पर आए और अक्षर, उनके साथ ही मैदान से बाहर चले गए। हालांकि दूसरी पारी में अक्षर बल्लेबाजी के लिए आए और 23 गेंदों में 43 रन बनाए। लेकिन इस दौरान वह दर्द में दिखे, जिसे मैच के बाद उन्होंने खुद स्वीकार किया। अक्षर ने कहा कि मेरी हथेली डाइव लगाने के दौरान प्रैक्टिस पिच पर रगड़ गई थी, जिससे वहां की चमड़ी छील गई। जब भी मैं गेंद को हिट कर रहा था, तो मुझे दर्द हो रहा था। लेकिन अच्छा है कि एसआरएच के खिलाफ अगले मैच से पहले हमारे पास 3-4 दिन का ब्रेक है, तब तक उम्मीद है कि मैं पूरी तरह से ठीक हो जाऊंगा। अक्षर की अनुपस्थिति में बाकी बचे 2.2 ओवरों में डीसी के उपकप्तान फाफ डुप्लेसी ने कप्तानी की। डीसी का अगला मैच 5 मई को सनराइजर्स हैदराबाद से हैदराबाद में है। डीसी की टीम भले ही यह मैच हार गई हो, लेकिन 10 मैचों में छह जीत के साथ वे अंक तालिका में अभी भी टॉप-4 में शामिल हैं। वहीं, अगर रहाणे की बात की जाए तो उन्हें शॉर्ट कवर पर फील्डिंग के दौरान यह चोट लगी, जब उन्होंने फाफ डुप्लेसी का एक करारा शॉट रोकने का प्रयास किया।

मेरी हथेली डाइव लगाने के दौरान प्रैक्टिस पिच पर रगड़ गई थी, जिससे वहां की चमड़ी छील गई : अक्षर

धवन ने 27 मई से शुरू होने वाली इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैम्पियनशिप के लिए जर्सी का अनावरण किया

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) ने बुधवार को ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 27 मई से शुरू होने वाले अपने बहुप्रतीक्षित सीजन से पहले आधिकारिक टीम जर्सी का अनावरण किया। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने पूर्व भारतीय क्रिकेटरों परविंदर अवाना, प्रवीण कुमार और आईएलसी के संस्थापक प्रदीप सांगवान के साथ जर्सी अनावरण समारोह में मुख्य भूमिका निभाई। लीग और जर्सी के बारे में बात करते हुए, धवन ने कहा कि दुनिया भर के क्रिकेट दिग्गजों को एक बैनर के तहत एक साथ लाना एक शानदार पहल है। इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप न केवल दिग्गजों के जुनून को पुनर्जीवित करती है, बल्कि प्रशंसकों को पुरानी यादों और मनोरंजन का एक अनूठा मिश्रण भी देती है। मैं इस लॉन्च का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं और आगे होने वाले रोमांचक एक्शन का इंतजार कर रहा हूं। इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप में छह वैश्विक क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह प्रतिष्ठित टीमें शामिल होंगी: अफ्रीकी लायंस, ट्रांस टाइटन्स (ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड), यूरोप ग्लेडिएटर्स, अमेरिकन टाइगर्स, एशियन एवेंजर्स और इंडियन वॉरियर्स।

■ दुनिया भर के क्रिकेट दिग्गजों को एक बैनर के तहत एक साथ लाना एक शानदार पहल है : धवन

सार संक्षेप

2026 के जापान एशियाई खेलों में भी शामिल होगा क्रिकेट

नई दिल्ली। एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) ने क्रिकेट को 2026 के ऐची-नागोया एशियाई खेलों में बनाए रखा है, जो जापान में 19 सितंबर से चार अक्तूबर तक आयोजित होंगे। मैच ऐची प्रीफेक्चर में खेले जाएंगे, लेकिन सटीक स्थल का चुनाव अभी भी नहीं हुआ है। ओसीए ने कह कि खेल कार्यक्रम के बारे में नवीनतम फैसला 28 अप्रैल सोमवार को नागोया सिटी हॉल में एआईएनएजीओसी बोर्ड की 41वीं बैठक में लिया गया। इसमें क्रिकेट और मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स को औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी गई है। यह चौथा मौका होगा जब क्रिकेट एशियाई खेलों में शामिल होगा। पहले दो अवसरों - 2010 के ग्वांगझू और 2014 के इंचियोन में इन खेलों को अंतर्राष्ट्रीय दर्जा नहीं दिया गया था। लेकिन जब क्रिकेट को 2023 के एशियाई खेलों में शामिल किया गया, तो मैचों को टी20 अंतर्राष्ट्रीय दर्जा दिया गया था। 2023 में पुरुषों की श्रेणी में भारत ने स्वर्ण पदक जीता था, जबकि अफगानिस्तान ने रजत और बांग्लादेश ने कांस्य पदक जीता था।

जुबा संघा, नार्दन यूनाइटेड और गढ़वाल यूनाइटेड जीते

नई दिल्ली। हिमांशु चंटोला की शानदार हैट्रिक की मदद से जुबा संघा ने डीएसए ए डिवीजन लीग में रॉयल फुटबॉल क्लब को 5-0 से हरा कर पूरे अंक अर्जित किए । नेहरू स्टेडियम परिसर में खेले गए एकतरफा मुकाबले में कुल्लू और अमासजून ने एक-एक गोल बांटे द्य एक अन्य मुकाबले में हॉप्स ने ह्युबर स्टोन तौठॉंग के दो गोलों से यंगस्टर्स एफसी को 2-1से परास्त किया। पराजित टीम का गोल नितिन चौहान ने किया द्य अन्य मैचों में वारियर्स ने गढ़वाल यूनाइटेड पर 2 -1 की जीत पाई। महिला प्रीमियर लीग में गढ़वाल यूनाइटेड ने दिल्ली यूनाइटेड एफसी को बोनीफिलिए शुलाई, कप्तान संफीदा, एल किम और दीपिका पाल के गोलों से पराजित किया । सीनियर डिवीजन के मुकाबलों में जगुआर और नार्थर्न यूनाइटेड फुटबाल क्लब ने अम्बेडकर स्टेडियम पर खेले गए मैचों में आसान जीत दर्ज की द्य नार्थर्न यूनाइटेड की 3 -0 की जीत का आकर्षण अखिलेश देवरानी, कुशाग्र चौधरी औऱ शौर्य कक्कड़ के दर्शनीय गोल रहे।

भारत 11 स्वर्ण सहित 25 पदक जीतकर एशियाई अंडर-15 मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में शीर्ष पर रहा

अम्मान, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने लड़कियों की श्रेणी में शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 स्वर्ण सहित 25 पदक के साथ एशियाई अंडर-15 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। युवा भारतीय महिलाओं ने 15 भार वर्गों में 10 स्वर्ण और चार कांस्य पदक जीते, फाइनल में उन्होंने प्रत्येक खिताबी मुकाबले में जीत दर्ज की, जिससे इस आयोजन में उनका वर्चस्व और मजबूत हुआ।

लड़कियों की अंडर-15 मुक्केबाजी की शुरुआत कोमल (30-33 किग्रा) ने कजाकिस्तान की आयरू ओंगरबेक को 3:2 के विभाजित निर्णय से हराकर की। खुशी अहलावत (35 किग्रा) ने फिर अपनी प्रतिद्वंद्वी को 4:1 से हराया, जबकि तमन्ना (37 किग्रा) ने दूसरे दौर में

आरएससी के साथ अपना खिताब पक्का किया। सवी (40 किग्रा), मिल्की मीनम (43 किग्रा), प्रिंसी (52 किग्रा), नव्या (58 किग्रा), सुनैना (61 किग्रा), त्रुशाना मोहिते (67 किग्रा) और वंशिका (70+ किग्रा) सभी ने सर्वसम्मति से अपने-अपने मुकाबले जीते, जिससे लड़कियों की अंडर-15 टीम ने फाइनल में क्लीन स्वीप किया। अम्मान से अंडर-15 दल की उपलब्धि पर , बीएफआई की अंतरिम समिति के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि भारतीय मुक्केबाजी के लिए यह एक अविश्वसनीय शाम थी। ग्यारह बार राष्ट्रगान बजते हुए सुनना और भारत को चार्ट में शीर्ष पर देखना हम सभी को गर्व से भर देता है। मैं इस शानदार उपलब्धि के लिए हमारे 25 अंडर-15 पदक विजेताओं को दिल से बधाई देता हूं; ये हमारे भविष्य के ओलंपिक चैंपियन हैं, और उन्होंने देश को गौरवान्वित किया है। लेकिन, भारत का अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है। हमारे अंडर-17 मुक्केबाजों में से सात अंतिम दिन फाइनल के लिए रिंग में उतरेंगे, और हम उन्हें हर तरह से समर्थन देंगे।

मैं इस शानदार उपलब्धि के लिए हमारे 25 अंडर-15 पदक विजेताओं को दिल से बधाई देता हूं; ये हमारे भविष्य के ओलंपिक चैंपियन हैं, और उन्होंने देश को गौरवान्वित किया है : अजय सिंह

बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे 106 रनों से हराया

चटगांव, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। मेहदी हसन मिराज (104 रन और पांच विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत बांग्लादेश ने दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन बुधवार को जिम्बाब्वे को दूसरी पारी में 111 रन पर समेट कर मुकाबला 106 रनों से जीत लिया।

इसी के साथ बंगलादेश ने दो मैचों की सीरीज एक-एक से बराबर कर ली है। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र आठ रन के स्कोर अपने दो विकेट गवां दिये। ब्रायन बेनेट (छह) और निक वेल्च (शून्य) पर आउट हुये। इन दोनों बल्लेबाजों को तैजुल इस्लाम ने आउट किया। इसके बाद मेहदी हसन मिराज ने शॉन विलियम्स (सात) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। कप्तान क्रेग एर्विन ने बेन कर्रन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया।

विजेंदर सिंह ने क्रिकेट में संभावित आयु धोखाधड़ी पर चिंता जताई

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के पूर्व मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने बुधवार को सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से सवाल उठाया कि क्या आयु धोखाधड़ी अब क्रिकेट में भी घर कर गई है। आयु धोखाधड़ी, या खिलाड़ी की आयु को गलत तरीके से पेश करने की प्रथा, भारतीय खेलों में एक महत्वपूर्ण समस्या है, खासकर जूनियर और आयु-समूह स्तरों पर। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने इस मुद्दे को हल करने के लिए सख्त सत्यापन प्रक्रियाओं सहित उपाय किए हैं। ओलंपिक खेलों के कांस्य पदक विजेता विजेंदर सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया, भाई आज कल उमर छोटी कर के क्रिकेट में भी खेलने लगे। विजेंदर सिंह की टिप्पणी सोशल मीडिया पर राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की उम्र पर सवाल उठाने के बाद आई है, जो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। आईपीएल में अपना तीसरा मैच खेल रहे 14 वर्षीय सूर्यवंशी ने सोमवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ शानदार शतक लगाकर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। किशोर बल्लेबाज ने 35 गेंदों में शतक जड़कर इतिहास रच दिया, जो आईपीएल में किसी भारतीय खिलाड़ी द्वारा बनाया गया सबसे तेज और अब तक का दूसरा सबसे तेज शतक है। एक्स पर एक यूजर ने लिखा।

■ बीसीसीआई ने इस मुद्दे को हल करने के लिए सख्त सत्यापन प्रक्रियाओं सहित कई उपाय किए हैं

फ्रांसिस्को सेरुंडोलो ने किया उलटफेर, ज्वेरिव हुए मैड्रिड ओपन से बाहर

■ स्पेन में बिजली संकट के कारण सोमवार को मुकाबले नहीं हो पाए थे

■ राउंड ऑफ 32 में 11वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने रूस के करेन खाचानोव पर 6-3, 3-6, 6-2 से जीत हासिल की

मैड्रिड, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। जर्मनी के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरिव को राउंड ऑफ 16 मुकाबले में उलटफेर का सामना करना पड़ा है वह अर्जेंटीना फ्रांसिस्को सेरुंडोलो से हारकर मैड्रिड ओपन से बाहर हो गये है। स्पेन में बिजली संकट के कारण सोमवार को मुकाबले नहीं हो पाये थे। पुरुष वर्ग में खेले राउंड ऑफ 16 के एकल मुकाबले में जर्मनी के शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरिव अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो 5-7, 3-6 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गये है। जबकि एक अन्य मुकाबले में चेक गणराज्य के जैकब मेन्सिक ने कजाकिस्तान के अलेक्जेंडर बुब्लिक को 6-2, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। राउंड ऑफ 32 में

11वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने रूस के करेन खाचानोव पर 6-3, 3-6, 6-2 से जीत हासिल की, जबकि पॉल के साथी अमेरिकी फ्रांसेस टियाफो ने फ्रांस के एलेक्जेंडर मुलर को 6-3, 6-3 से हराया। एक अन्य मैच में कनाडा के गेब्रियल डायलो ने पहला सेट हारने के बाद वापसी करते हुए ब्रिटेन के कैमरून नोरी को ढाई घंटे में 2-6, 6-4, 6-4 से हराया। यूनान के स्टेफानोस त्सित्सिपास ने 17वीं वरीयता प्राप्त इटली के 10वीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेट्टी पर 7-5, 7-6 (3) से जीत हासिल सभी को चौका दिया। जबकि ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर ने कनाडा के डेनिस शापोवालोव को 6-2, 7-6 (3) से हराया। महिला वर्ग की स्पर्धा में, पोलैंड की इगा स्वियाटेक को क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी और उन्हें रूस की 13वीं वरीयता प्राप्त डायना श्नाइडर को 6-0, 6-7 (3) 6-4 से हराने के लिए संघर्ष करना पड़ा। अमेरिका की पांचवीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज ने क्रोएशिया की 19वीं वरीयता प्राप्त डोना वेकिक पर सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से जीत हासिल की। दिन के आखिरी मुकाबले में बेलारूस की शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका ने अमेरिका की पेटन स्टर्न्स को 6-2, 6-4 से हराकर मैड्रिड ओपन के अगले दौर में जगह बनाई।

पोजिशन	टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	औसत
1-	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	10	7	3	14	+0.521
2-	मुंबई इंडियंस	10	6	4	10	+0. 889
3-	गुजरात टाइटंस	9	6	3	12	+1.748
4-	दिल्ली कैपिटल	10	6	4	12	+0. 362
5-	पंजाब किंग्स	9	5	3	10	+0.177
6-	लखनऊ सुपर जायंट्स	10	5	5	10	+0.325
7-	कोलकाता नाइट राइडर	10	4	5	6	+0.271
8-	राजस्थान रॉयल्स	10	3	7	6	-0.349
9-	सनराइजर्स हैदराबाद	9	3	6	6	-1.103
10-	चेन्नई सुपर किंग्स	9	2	7	4	-1.302

SENSEX BSE 80242.24 ▼46.14 NSE 24234.20 ▼01.75 MCX Gold 94405▼1187 silver 94473▼2389

अर्थ जगत

क्रिसिल का शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत बढ़कर 160 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल का 2025 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत बढ़कर 159.84 करोड़ रुपए हो गया। एसएंडपी ग्लोबल की कंपनी का 2024 की पहली (जनवरी-मार्च) तिमाही में शुद्ध लाभ 137.72 करोड़ रुपए रहा था। क्रिसिल जनवरी-दिसंबर वित्त वर्ष का अनुसरण करती है। घरेलू रेटिंग एजेंसी की तिमाही में एकीकृत कुल आय 843.77 करोड़ रुपए थी, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 758.77 करोड़ रुपए थी।

आरबीआई ने बढ़ाई सोना खरीद, 5 साल में 35 प्रतिशत बढ़ा रिजर्व

__नई दिल्ली।__ अक्षय तृतीया को जहां आम लोग पारंपरिक रूप से सोने की खरीद को शुभ मानते हैं, वहीं देश का केंद्रीय बैंक भी तेजी से सोने की ओर रुख कर रहा है। भारतीय रिज़र्व बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 में अब तक 57.5 टन सोना खरीदा है, जो 2017 के बाद दूसरा सबसे बड़ा वार्षिक खरीद आंकड़ा है।

सोने की रणनीतिक अहमियत बढ़ी- कोविड महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध और वैश्विक स्तर पर व्यापारिक तनाव (जैसे ट्रंप प्रशासन की टैरिफ नीतियां) के चलते दुनियाभर के केंद्रीय बैंक सोने को सुरक्षित निवेश के रूप में अपना रहे हैं। आरबीआई का गोल्ड रिजर्व अब बढ़कर मार्च 2025 तक 880 टन हो गया है, जो वित्त वर्ष 2020 में 653 टन था यानी 5 वर्षों में लगभग 35 प्रतिशत की वृद्धि।

गोल्ड रिजर्व में भारत अब 7वें स्थान पर- भारत अब गोल्ड रिजर्व के मामले में दुनिया में 7वें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि 2015 में यह 10वें स्थान पर था। देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) में भी सोने की हिस्सेदारी बढ़कर 11.35 प्रतिशत हो गई है, जो 2021 में 6.86 प्रतिशत थी।

आरबीआई ऐसा क्यों कर रहा है

2025 में डॉलर इंडेक्स 110 से गिरकर 100 से नीचे आ चुका है, जिससे डॉलर पर निर्भरता कम करने की जरूरत महसूस हो रही है। सोना खरीदने से आरबीआई अपने फॉरेक्स पोर्टफोलियो को विविध बनाता है। यह वैश्विक अस्थिरताओं से बचाव में मदद करता है। कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर हैं और आगे और बढ़ने की उम्मीद है, जिससे रिजर्व की कुल वैल्यू में फायदा होता है।

भारत में सोने की मांग 15 प्रतिशत घटी

भारत में इस साल जनवरी-मार्च 2025 की तिमाही में सोने की मांग 15 प्रतिशत घटकर 118.1 टन रह गई है, जबकि बढ़ती कीमतों के कारण इसका मूल्य 22 प्रतिशत बढ़कर 94,030 करोड़ रुपए हो गया। विश्व स्वर्ण परिषद के बुधवार को जारी पूर्वानुमान के अनुसार, 2025 तक भारत की सोने की मांग 700-800 टन के बीच रह सकती है। वर्ष 2025 के आरंभ से सोने की कीमतें 25 प्रतिशत तक बढ़ चुकी हैं, जो 1,00,000 रुपए प्रति 10 ग्राम की सीमा पर पहुंच गई जिससे उपभोक्ता के खरीद के तरीके में बदलाव आया है। विश्व स्वर्ण परिषद के मुताबिक, ऊंची कीमतों के चलते लोग पहले की तुलना में कम सोना खरीद रहे हैं लेकिन अक्षय तृतीया और शादी के मौसम की वजह से बाजार में उत्साह कायम है। विश्व स्वर्ण परिषद इंडिया के सीईओ सचिन जैन ने कहा, कीमतें जरूर बढ़ी हैं लेकिन सोने का सांस्कृतिक महत्व अब भी उपभोक्ताओं को खरीदारी के लिए प्रेरित कर रहा है। हालांकि, गहनों की मांग में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जो 25 प्रतिशत घटकर 71.4 टन पर आ गई, यह 2020 के बाद सबसे निचला स्तर है।

अक्षय तृतीया के दिन 12 हजार करोड़ का कारोबार, भाव लुढ़के

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय महामंत्री तथा दिल्ली चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि आज अक्षय तृतीया के दिन देश भर के ज्वेलरी व्यापारियों को उम्मीद है कि दिन भर के व्यापार के बाद एक मोटे अनुमान के अनुसार देश भर में लगभग 12 हजार करोड़ के सोने के आभूषण आदि की बिक्री हुई। इसी तरह से चांदी की लगभग 4 हजार करोड़ का व्यापार हुआ है। अक्षय तृतीया के अवसर पर सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। एमसीएक्स पर सोने के भाव 95,140 रुपए, जबकि चांदी के भाव 96,821 रुपए के करीब कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 3,324.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 3,333.60 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 15.30 डॉलर की गिरावट के साथ 3,318.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। खबर लिखे जाने के समय यह 0.39 डॉलर की गिरावट के साथ 32.88 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

भारत-पाक तनाव का असर

केसर की कीमत बढ़कर 5 लाख प्रति किलो पर

__नई दिल्ली।__ भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव का असर अब केसर की कीमतों पर भी दिखने लगा है। हाल के दिनों में हाई-क्वालिटी केसर की कीमत पिछले चार दिनों में 10 प्रतिशत बढ़कर करीब 5 लाख प्रति किलो तक पहुंच गई है।

भारत में केसर की खपत काफी अधिक है लेकिन उत्पादन केवल 5 से 7 टन तक सीमित है, जबकि सालाना मांग लगभग 55 टन तक पहुंचती है। इस कमी की पूर्ति आमतौर पर ईरान और अफगानिस्तान से आयात के जरिये होती है लेकिन अटारी-वाघा बॉर्डर बंद होने और व्यापारिक रुकावटों के कारण केसर की सप्लाई प्रभावित हो रही है।

वर्तमान में एक किलो केसर की कीमत 50 ग्राम सोने के बराबर है। चेन्नई स्थित बेल सैफ्रॉन के सह-संस्थापक नीलेश मेहता के अनुसार, पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सरकार ने यह बॉर्डर सील कर दिया, जो पाकिस्तान के साथ व्यापार का मुख्य रास्ता था। उन्होंने बताया कि इस फैसले से ईरान और अफगानिस्तान से होने वाली केसर की आपूर्ति बाधित हो गई है, जिससे हाई-क्वालिटी केसर की कीमत 4.25 लाख 4.50 लाख प्रति किलो से बढ़कर 5 लाख प्रति किलो तक पहुंच गई है। वहीं, ईरानी केसर की कीमतें कश्मीरी केसर की तुलना में कम होती हैं लेकिन आयात न हो पाने के कारण उसकी भी मांग और दाम दोनों बढ़ रहे हैं।

इलेक्ट्रिक गाड़ियों को नहीं देना होगा टोल

__मुम्बई।__ महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को नई इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी को मंजूरी दे दी। नई पॉलिसी के तहत पैसेंजर इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) को सब्सिडी दी जाएगी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कुछ ईवी को टोल से भी छूट दी जाएगी।

फडणवीस ने राज्य मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद कहा, ''राज्य सरकार ने नई ईवी पॉलिसी को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत पैसेंजर इलेक्ट्रिक व्हीकल को सब्सिडी दी जाएगी। इलेक्ट्रिक व्हीकल की मैन्यूफैक्चरिंग और इस्तेमाल में बढ़ोतरी होनी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि नई पॉलिसी के तहत चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत किया जाएगा।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश का पहला ऐसा एयरपोर्ट होगा, जहां यात्रियों के लिए वॉटर टैक्सी की सुविधा उपलब्ध होगी। फडणवीस ने सरकार-संचालित नियोजन प्राधिकरण सिडको की समीक्षा बैठक में कहा कि नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 'मल्टी-लेवल ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी' स्थापित किया जाना चाहिए। फडणवीस ने कहा, इस एयरपोर्ट पर वॉटर टैक्सी की सुविधा उपलब्ध कराई जानी चाहिए। ये देश का पहला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा, जहां ऐसी सुविधा होगी। विमान मरम्मत की सुविधा के साथ अच्छी पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध होनी चाहिए। हवाई अड्डे तक सड़क, रेल, मेट्रो और जल परिवहन संपर्क के काम समय पर पूरे किए जाने चाहिए।

फाइनेंशियल शेयरों में गिरावट ने बाजार को नीचे खींचा

__नई दिल्ली।__ ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले रुझानों के बीच भारतीय शेयर बाजार बुधवार (30 अप्रैल) को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में लाल निशान में बंद हुए। बजाज फिनसर्व और बजाज फाइनेंस जैसे भारी भरकम शेयरों में बड़ी गिरावट ने बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी-50 और सेंसेक्स को नीचे खींचा। कारोबार के आखिरी 30 मिनट में बाजार में बिकवाली हावी हो गई। जबकि मारुति के नेतृत्व में ऑटो स्टॉक्स में खरीदारी से बाजार को कुछ सपोर्ट मिला।

तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज मामूली वृद्धि के साथ 80,370.80 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 79,879.15 अंक तक फिसल गया था। उतार-चढ़ाव वाले कारोबार के अंत में सेंसेक्स 46.14 अंक या 0.06 प्रतिशत गिरकर 80,242.24 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 आज 24,342.05 अंक पर खुला। अंत में यह 1.75 अंक या -0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट लेकर 24,334.20 पर क्लोज हुआ।

बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व 5 प्रतिशत टूटे- चौथी तिमाही के नतीजे उम्मीद से कमजोर रहने की वजह से बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व के शेयर क्रमशः 5.18 प्रतिशत और 5.44 प्रतिशत गिरकर बंद हुए। बजाज फाइनेंस का सेंसेक्स की गिरावट में 105.83 अंक और बजाज फिनसर्व का 52.58 अंक का कंट्रीब्यूशन रहा।

1 मई को बंद रहेगा शेयर बाजार- भारतीय शेयर बाजार गुरुवार 1 मई को बंद रहेंगे। महाराष्ट्र दिवस के चलते दोनों एक्सचेंज बीएसई और एनएसई में कारोबार नहीं होगा।

इंडसइंड बैंक के सीईओ ने दिया इस्तीफा, शेयरों में भारी गिरावट

इंडसइंड बैंक को उस समय झटका लगा जब उसके एमडी और सीईओ सुमंत कथपालिया ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफे की खबर सामने आते ही बैंक के शेयरों में 3त्न तक की गिरावट दर्ज की गई, हालांकि बाद में शेयरों में कुछ हद तक रिकवरी भी देखी गई। शेयर 3 प्रतिशत गिरकर 810.40 के स्तर पर पहुंच गए।

सुमंत कथपालिया ने नैतिक ज़िम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दिया है। जानकारी के मुताबिक, भारतीय रिज़र्व बैंक ने उनके कार्यकाल को सिर्फ एक साल के लिए बढ़ाया था, जबकि बैंक ने तीन साल के विस्तार की सिफारिश की थी। इससे पहले 28 अप्रैल को बैंक के डिप्टी सीईओ अरुण खुराना ने भी अपना पद छोड़ दिया था।

मुद्रा बाजार

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	84. 49
एक यूरो	96. 01
एक ब्रिटिश पाउंड	112. 65
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	54. 07
एक जापानी येन	0. 59

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.

864 मारुति शोरूम के सामने
फोन- 2412223,9329428085

जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 116 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 130 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-136 नेट प्रति किलो
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स -66 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 180 रु. प्रति किलो
(जिंदा थोक फार्म रेट)

सराफा बाजार

दुल्हन श्री आभूषण
कमानिया गेट, सराफा बाजार-
मो. 9425860998,9826307100
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 97750 चांदी -97800

सोहन लाल एण्ड संस
रसल चौक फोन- 9425156095
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 97750 चांदी -97800

दाल- चावल भाव

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज
फोन- 4067270, 9826035338

प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 8000-9000, मीडियम बोल्ड 11000-12000, फाइन 130000-13500, एक्स्ट्रा बोल्ड 13500-14000, चना दाल एवरेज 7600-7800 चना दाल मार्का 7800-8000, मसूर दाल एवरेज 7500-7700, मसूर दाल फाइन 7800-8000, उड़द छिलका 8000-8500, फाइन 8500-9500, उड़द धुली 10000-11000, फाइन 11000-12000, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइन 9500-10000, मूंगदाल धुली 10000- 10500, फाइन 10500-11000। चावल - पुराना चावल सरना चालू 3400-3600, बेस्ट 3600-3800, बीपीटी चालू 4200-4500,फाइन 4500-4800,एचएमटी-5200-5500 फाइन-5800-6000 दुबराज भाटापारा 5200-5300, जेजेएल चालू 5600-5800, फाइन 6000-6300, बासमती कनकी चालू 3200-3600, बासमती कनकी मीडियम 4000-4200, बेस्ट 4400-4500, मोगरा- 4300-5200, दुबार- 5200-5800, तिबार- 6500-6800, बासमती 8500-1000, बेस्ट 10000-11000 पोहा- 4400-4500, फाइन 5400-5500, मुरमुरा- 5500-6000, फाइन- 7000-8000 रु.।

लोहा भाव

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स
शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070
भाव प्रति क्विं.- 6 एम एम 6400, 8 एम एम 5980, 10 एम एम 5860,12 एम एम, 5800 एवं 16 एम 5800 रु.। तार- 75 रु. किलो।

केए मॉल में फोको-मॉडल मल्टीप्लेक्स के साथ पीवीआर आईनॉक्स की धमाकेदार शुरुआत

__जबलपुर।__ भारत के सबसे विशाल और सबसे प्रीमियम सिनेमा प्रदर्शक के रूप में पीवीआर आईनॉक्स ने क्षेत्र में अपने पहले मल्टीप्लेक्स के शुभारंभ के साथ अपनी जीवंतता के लिए मशहूर शहर जबलपुर में एक जोरदार शुरुआत की है। यह मल्टीप्लेक्स नौदरा ब्रिज के पास नए रीब्रांडेड केए मॉल की चौथी मंजिल पर स्थित है।

जबलपुर में पहली बार पीवीआर आईनॉक्स अनुभव लाने वाला यह नया मल्टीप्लेक्स सिनेमाई नवीनता और आकर्षक डिजाइन का बेजोड़ नमूना है। इसमें 25 रिक्लाइनर सीटों सहित कुल 611 लोगों की बैठने की क्षमता है और चारों स्क्रीन में से प्रत्येक का अंदाज एक-दूसरे से जुदा है - रेड, गोल्डो, पर्पल और टील - जो ऑडिटोरियम के विजुअल को और बेहतर बनाते हैं। मेहमान उडीन स्लाइडर सीटिंग, फैब्रिक-फिनिश वाली दीवारों और एलीगेंट वी फिक्स्चर के साथप्रकाश व्यवस्था का आनंद ले सकते हैं, जो हर फिल्म शैली के अनुरूप मूड-

ड्राइवन परिवेश का निर्माण करते हैं। अत्याधुनिक एस एंड पी टेक्नोलॉजी से लैस इस सिनेमा में क्रिस्टीआरजीबी लेजर प्रोजेक्टर, डॉल्बी 7.1 सराउंड साउंड और नेक्स्ट्ंद - जेनरेशन3डी सिस्टसम है, जो कहानी सुनाने के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए क्रिस्टल-क्लियर विजुअल्स और इमर्सिव ऑडियो प्रदान करते हैं। गौरव भनोट, डायरेक्टर, केए रियलबिल्ड प्राइवेट लिमिटेड ने कहा जबलपुर ने लंबे अर्से से ऐसे उपहार का हकदार रहा है जो यहां के लोगों की उम्मीदों पर खरे उतरते हैं। शहर में पीवीआर आईनॉक्स लाने का मकसद सिर्फ एक मल्टीप्लेक्स लाना नहीं, बल्कि शहर में विश्व स्तरीय सिनेमा की ऊर्जा, खुशी और गुणवत्ता लाना है। केए मॉल में, हमारा लक्ष्य हमेशा एक ऐसा स्थान बनाना रहा है जो जबलपुर की विकसित होती जीवनशैली को दर्शाता हो, और यह लॉन्च उस दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रमोद अरोड़ा,सीईओ-ग्रोथ एंड इन्वेऔस्टीमेंट,पीवीआर आईनॉक्स लिमिटेड ने कहा,जबलपुर में हमारी यह पहल मजबूत सांस्कृतिक जड़ों और आला दर्जे की मनोरंजन पसंदों वाले उभरते बाजारों में विश्व स्तरीय सिनेमा अनुभव लाने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। इसलॉन्च का मतलब सिर्फ एक नई पोपर्टी की शुरुआत नहीं है - यह पहली बार एक जीवंत शहर में सिग्नेमचर पीवीआर आईनॉक्स अनुभव को पेश करने के बारे में है।

ट्रंप टैरिफ के चलते चीन के निर्यात ऑर्डर में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। बुधवार को जारी हुए चीनी फैक्ट्री मैनेजर्स के मंथली सर्वे के मुताबिक, चीनी उत्पादों के अमेरिकी इंपोर्ट पर उच्च टैरिफ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी पर भारी पड़ रहे हैं। चीन फेडरेशन ऑफ लॉजिस्टिक्स एंड परचेजिंग द्वारा किए गए ऑफिशियल सर्वे से पता चलता है कि अप्रैल में एक्सपोर्ट ऑर्डर में कमी आई है। बताते चलें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीनी वस्तुओं पर 145 प्रतिशत तक के कंबाइंड टैरिफ के आदेश के बाद बीजिंग और वॉशिंगटन के बीच गतिरोध की स्थिति है। चीन ने कुछ छूट के साथ अमेरिकी उत्पादों पर 125 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया है।

16 महीनों के निचले स्तर पर आया पीएमआई- ऑफिशियल मैन्यूफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स मार्च में 50.5 से गिरकर 49.0 के 16 महीनों के निचले स्तर पर आ गया। फाइनेंशियल इंफॉर्मेशन ग्रुप साई एण्ड इन द्वारा किए गए एक प्राइवेट सर्वे में ये 51.2 से गिरकर 50.4 हो गया है। कैपिटल इकोनॉमिक्स के जिचुन हुआंग ने एक रिपोर्ट में कहा, पीएमआई में तेज गिरावट नकारात्मक भावना प्रभावों के कारण टैरिफ के प्रभाव को बढ़ा-चढ़ाकर बताती है, लेकिन ये अभी भी सुझाव देती है कि बाहरी मांग कम होने के कारण चीन की अर्थव्यवस्था दबाव में आ रही है।

आयकर विभाग ने जारी किए आईटीआर फॉर्म 1 और 4

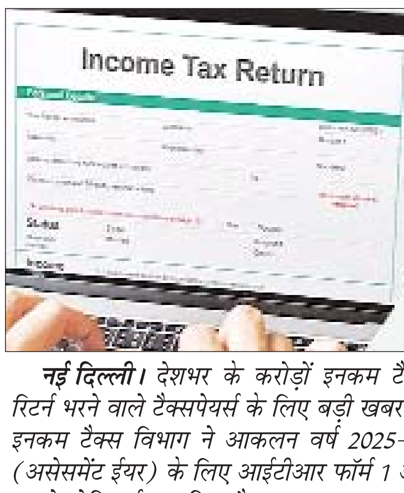

__नई दिल्ली।__ देशभर के करोड़ों इनकम टैक्स रिटर्न भरने वाले टैक्सपेयर्स के लिए बड़ी खबर है। इनकम टैक्स विभाग ने आकलन वर्ष 2025-26 (असेसमेंट ईयर) के लिए आईटीआर फॉर्म 1 और 4 को नोटिफाई कर दिया है।

इसे 50 लाख रुपये तक की कुल आय वाले व्यक्तियों और संस्थाओं द्वारा दाखिल किया जा सकता है। अब एक वित्त वर्ष में 1.25 लाख रुपये तक का लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) पाने वाले व्यक्ति भी आईटीआर-1 दाखिल कर सकते हैं। पहले ऐसे लोगों को आईटीआर-2 दाखिल करना होता था। नोटिफिकेशन के अनुसार, 50 लाख रुपये तक की आय वाले व्यक्ति, एचयूएफ, कंपनियां और वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल-मार्च) में व्यवसाय से तथा अन्य पेशेवर अर्जित आय के लिए आईटीआर दाखिल करना शुरू कर सकते हैं।

व्यक्तिगत करदाता के लिए फॉर्म 1 (सहज)- आईटीआर फॉर्म 1 (सहज) और आईटीआर फॉर्म 4 (सुगम) सरल फॉर्म हैं जो बड़ी संख्या में छोटे तथा मध्यम करदाताओं की जरूरतों के अनुरूप हैं। 'सहज' को ऐसे व्यक्ति द्वारा दाखिल किया जा सकता है, जिसकी वार्षिक आय 50 लाख रुपये तक हो और जो वेतन, एक मकान की संपत्ति, अन्य स्रोतों (ब्याज) तथा कृषि आय से 5,000 रुपये प्रति वर्ष तक की आय प्राप्त करता हो। 'सुगम' को ऐसे व्यक्तियों, हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) और कंपनियों(सीमित देयता भागीदारी (एलएलपी) के अलावा) द्वारा दाखिल किया जा सकता है, जिनकी कुल वार्षिक आय 50 लाख रुपये तक हो और व्यवसाय से व कोई पेशेवर आय हो। आईटीआर-2 उन व्यक्तियों और एचयूएफ द्वारा दाखिल किया जाता है जिनकी आय, व्यवसाय या पेशेवर लाभ या प्राप्ति से नहीं होती है।

फॉर्म में क्या किए गए बदलाव- टैक्स एंड कंसल्टिंग कंपनी एकेएम ग्लोबल के साझेदार, संदीप सहगल ने कहा कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) फॉर्म में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं, जिससे विशेष रूप से शेयर और म्यूचुअल फंड से दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पाने वाले वेतनभोगी करदाताओं को लाभ होगा। उन्होंने कहा, नवीनतम संशोधनों से व्यक्ति अब सरल आईटीआर-1 (सहज) या आईटीआर-4 (सुगम) फॉर्म का उपयोग कर सकते हैं। यदि धारा 112ए के तहत उनका एलटीसीजी 1.25 लाख रुपये से अधिक नहीं है और उनके पास आगे ले जाने या 'सेट ऑफ' करने के लिए कोई पूंजीगत घाटा नहीं है।

छोटे टैक्सपेयर्स को मिलेगी राहत - सहगल ने कहा, यह बदलाव, कर दाखिल करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करता है जिससे यह छोटे निवेशकों तथा वेतनभोगियों के लिए अधिक सुलभ तथा कम बोझिल हो जाता है। इससे समय पर और सटीक अनुपालन को बढ़ावा मिलता है।''

देशबन्धु

ग्राहक सेवा

रेमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राउजर शर्ट स्पेशलिस्ट
टेलर्स वारिस
शॉप नं. 3 आनंद टॉकीज शॉपिंग काम्पलेक्स, जबलपुर फोन: 2405596
मो.- 9424392281, 9425152707
देग्रासे सी 30/7/2022

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज
क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें
बिना ऑपरेशन
डॉ. विश्वास
राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे
मो: 9827042596

फ्लैट बेचना है
गोलबाजार, जबलपुर में 742 वर्गफुट का 2 BHK बालकनी सहित फ्लैट दूसरी मंजिल पर बिक्री हेतु उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
एडवोकेट रविशंकर पटेल
फोन नंबर-
9827087838

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें।
देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अतः विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

सतना से इटारसी के बीच अवैध वेंडरों की भरमार

कार्रवाई के नाम पर औपचारिकता

गंभीर वारदातों का कारण भी बन रहे हैं, कब होगी प्रभावी कार्रवाई

जबलपुर, देशबन्धु। पमरे अंतर्गत सतना से इटारसी के बीच इन दिनों अवैध वैंडरों का मामला गर्माया है। इसकी वजह जानबूझकर जवाबदार सुरक्षा एजेंसी के कुछ अधिकारियों और जवानों द्वारा अवैध वेंडर प्रकरण में कानूनी कार्रवाई में लंबी और गैर जरूरी प्रक्रिया को अपनाना है। टिकट निरीक्षक या अन्य संबंधित रेलवे अधिकारी अवैध वेंडरों को पकड़ते हैं, लेकिन कड़ी कार्रवाई की जगह लीपा पोती कर मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है। अवैध वेंडरों पर प्रभावी रूप से लगाम नहीं पा रही है। आरपीएफ की कमाई का जरिया बन गये हैं।

गौरतलब है कि सतना, कटनी, मैहर, जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया आदि इस रूट के प्रमुख रेलवे स्टेशन हैं। यहां हर रोज बड़ी संख्या में यात्री यहां से वहां ट्रेन के माध्यम से अपनी यात्रा करते हैं। अस्सी फीसदी कोच में खाने-पीने की सामग्री अवैध वेंडरों के माध्यम से बेंची जा रही है। इस दौरान कई बार इनके कारण गंभीर वारदात भी होती हैं।

पांच सौ से अधिक अवैध वेंडर- सूत्रों के अनुसार सतना से इटारसी के बीच करीब पांच सौ से ज्यादा अवैध वेंडर ट्रेन और रेलवे स्टेशनों में सक्रिय रहते हैं। हर पांच से दस मिनट मे वेंडर आपको सामान बेंचते दिख जाएंगे। इनमें चाय-नाश्ता, गुटखा, सिगरेट आदि की बिक्री की जाती है।

देशबन्धु पड़ताल

न वर्दी और न ही नाम का बेच- ऐसे वेंडर जो न तो वर्दी और न ही अपने नाम के बेंच लगाये दिख जाएंगे, वे अवैध वेंडर माने जा सकते हैं। बमुश्किल दस से बीस प्रतिशत वेंडर नियमानुसार रेलवे परिसर में काम करते देखे जा सकते हैं।

आरपीएफ की कृपा बरस रही- यहां यह बात ध्यान देने वाली है अवैध वेंडरों पर कानूनी शिकंजा कसने की प्रमुख जवाबदारी आरपीएफ पर है। लेकिन अभी देखने में मिल रहा है जब भी अवैध वेंडर पकड़े जाते हैं, तब उनके खिलाफ कार्रवाई करने का तीन पन्ना का मेमो रहता है।

हर माह लाखों की अवैध कमाई

सूत्रों ने दावा किया है कि हर माह अवैध वेंडरों से रेलवे की सुरक्षा वाले दस्ते को लाखों की कमाई हो रही है। इसलिये अवैध वेंडरों की अनदेखी की जाती है। बताया गया है कि पिछले दिनों जबलपुर से गये एक रेलवे अधिकारी ने जैसे ही अवैध वेंडरों का पीछा किया वे कटनी एंड में आसानी से एक प्लेट फार्म से दूसरे, तीसरे और अन्य प्लेटफार्म से कूंदते फांदते भागने में सफल हो गये। चौकाने वाली बात है कि जहां आरपीएफ की पोस्ट थी, वहीं से अवैध वेंडर भाग निकले और वहां मौजूद जवानों ने इन्हें पकड़ने की जरूरत नहीं समझी।

पकड़े गए अवैध वेंडरों को रखने की जगह की कमी बताकर तो कभी दूसरे बहाने बनाकर इन पर कृपा बरसाने का काम फिलहाल जारी है। सूत्रों के अनुसार अवैध वेंडर में ज्यादातर खतरनाक प्रवृत्ति के हैं। कई तो अपने पास घातक हथियार तक लेकर चलते हैं। लूट और चोरी एवं अन्य गंभीर वारदातों में अवैध वेंडरों की लिप्तता कोई नई बात नहीं है जो कई बार रेल पुलिस की जांच के दौरान सामने आया है।

बंद किए गए बीए-बीएड और बीएससी-बीएड कोर्स

अब सिर्फ आईटीईपी कोर्स से बन सकेंगे शिक्षक

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश में 2024-25 से बीए-बीएड और बीएससी-बीएड कोर्स बंद कर दिए गए हैं। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के निर्देश के मुताबिक, अब शिक्षक बनने के लिए आईटीईपी (इंटीग्रेटेड टीचर्स एज्युकेशन प्रोग्राम) कोर्स अनिवार्य होगा। राजस्थान के बाद अब मध्यप्रदेश में भी बीए-बीएड और बीएससी-बीएड जैसे चार वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स को बंद करने का फैसला लिया गया है। एनसीटीई के निर्देश के मुताबिक, अब इन कोर्स में दाखिला नहीं होगा। अब केवल आईटीईपी को अपनाया जाएगा, जिसे 2030 से अनिवार्य किया जाएगा।

चार वर्षीय हैं आईटीईपी कोर्स- यह एक चार वर्षीय ड्यूल डिग्री कोर्स है, जिसमें छात्र एक साथ ग्रेजुएशन और बीएड की पढ़ाई पूरी करते हैं। यह कोर्स नई शिक्षा नीति 2020 के तहत शुरू किया गया है और इसका उद्देश्य शिक्षकों को शुरु से ही क्वालिटी के साथ प्रशिक्षित करना है।

पाठ्यक्रम की विशेषताएं- पारंपरिक मॉडल में जहां इस अध्ययन में 5 साल लगते थे वहीं अब महज चार साल में दो डिग्रियों के साथ एक साल की बचत भी होगी। यह 2030 से शिक्षक बनने के लिए अनिवार्य योग्यता होगी। एनसीटीई ने 2024-25 सत्र से बीए-बीएड और बीएससी-बीएड पाठ्यक्रम पर रोक लगा दी है। इन पाठ्यक्रमों की जगह आईटीईपी को लागू किया जा रहा है, ताकि शिक्षक तैयार करने की प्रक्रिया को गुणवत्ता आधारित और एकरूप बनाया जा सके। उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार फिलहाल कॉलेजों द्वारा पोर्टल पर जानकारी अपडेट नहीं की गई है। यह स्पष्ट नहीं है कि कितने संस्थानों ने आईटीईपी कोर्स शुरू किया है।

किसे मिलेगा फायदा- आईटीईपी कोर्स से उन छात्रों को सबसे ज्यादा लाभ मिलेगा जो 12वीं के बाद शिक्षक बनना चाहते हैं। अब उन्हें 3 साल का ग्रेजुएशन और फिर 2 साल की बीएड करने की आवश्यकता नहीं होगी। सिर्फ एक कोर्स के माध्यम से वे सीधे शिक्षक पद के लिए पात्र होंगे।

कब से लागू होंगे ये बदलाव- 2024-25 से बीए-बीएड और बीएससी-बीएड में एडमिशन बंद होने के बाद 2030 से आईटीईपी अनिवार्य योग्यता होगी। स्कूलों में भर्ती के लिए केवल आईटीईपी पास छात्रों को प्राथमिकता दी जाएगी।

हाथियों ने रात भर फसलों को बनाया आहार

अनूपपुर, देशबन्धु। तीन हाथियों के समूह विगत दो दिनों से गोबरी के जंगल में दिन में ठहरने बाद रात होते ही खाने की तलाश में ग्रामीणों के खेतों में लगी फसलों को वनविभाग के गस्ती दल एवं ग्रामीणों को चकमा देते हुए चुपचाप खेतों में पहुंचकर फसलों को आहार बनाते हुये सुबह होते ही बुधवार को फिर से गोबरी के जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं।

तीन हाथियों का समूह विगत एक माह से अधिक समय से छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा को पार करते हुए अनूपपुर जिले के जैतहरी, अनूपपुर से राजेंद्रगाम इलाके में घूमते-फिरते हुए 3 दिन पूर्व एक बार फिर से जैतहरी तहसील के इलाके में वापस पहुंचकर विचरण कर रहे हैं। हाथियों द्वारा दिनों में जंगल में ठहरने बाद रात होते ही हाथी गस्ती दल में लगे वनविभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों, गामीणो को चकमा देते हुए नए-नए क्षेत्रों में पहुंचकर खेतो में लगी फसलों को अपना आहार बना रहे हैं। वन परिक्षेत्र जैतहरी के बैहार वन बीट के जंगल में दिन में ठहरने बाद देर शाम होने पर तीनों हाथी गिरवी गांव के जंगल से बैहार के बंजारीघाट से उतर कर बैहार के दोखहाटोला के किनारे से ग्राम पंचायत गौरेला के ठेही गांव में स्थित प्राकृतिक एवं धार्मिक स्थल आरदा के समीप से बड़काटोला होते हुए वन परिक्षेत्र, थाना एवं तहसील अनूपपुर के अंतर्गत ग्राम केकरपानी के दुआहीटोला, बांका से कुदुरझोरी नाला पार कर मंगलवार की सुबह ग्राम पंचायत एवं वन बीट गोबरी के झुरहीतलैया खेत में पहुंचे थे।

मौसम ने बदली करवट, गर्मी मामूली राहत

जबलपुर, देशबन्धु। मौसम का मिजाज अब नरम हो गया है। इससे लोगों को तीव्र गर्मी से अभी राहत मिली है। धूप और तपन का दौर घट गया है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को अधिकतम तापमान 39.0 और न्यूनतम तापमान 23.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अभी दक्षिण पश्चिमी हवाएं छ किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से चल रही हैं। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार अगले चौबीस घंटे में संभाग के जिलों में कही-कही गरज चमक के साथ वर्षा या बौछार पड़ने की संभावना है।

संभाग के जिलों मे कहीं-कहीं गरज चमक के साथ बारिश का पूर्वानुमान

अभी बीते दिनों अचानक से मौसम ने करवट बदली है। इससे धूप छांव का दौर देखने को मिल रहा है। सुबह से इसका असर देखने को मिल रहा है। दोपहर के समय भी इसी तरह की स्थिति देखी जा रही है। आने वाले कुछ दिनों तक इसी तरह मौसम बना रहने की संभावना है।

NH नेशनल हॉस्पिटल

स्थान- 703, गोलबाजार, जबलपुर
फोन नं.: 0761- 2412612, 2414612

C.G.H.S., C.S.M.A., E.S.I.C. एवं आयुष्मान द्वारा मान्यता प्राप्त

सुपर स्पेशिलिटी विभाग

• हृदय रोग (एंजियोग्रॉफी, एंजियोप्लॉस्टी, पेसमेकर) • न्यूरोलॉजी एवं न्यूरोसर्जरी (लकवा, मिर्गी, मूवमेन्ट डिसआर्डर, स्पाईन सर्जरी, हेड इन्जरी, ब्रेन ट्यूमर) • यूरोलॉजी (मूत्र के सभी रोगों का इलाज एवं ऑपरेशन, प्रोस्टेड के ऑपरेशन लेजर द्वारा किडनी की पथरी के ऑपरेशन) • शल्य चिकित्सा (हर्निया, अपेन्डिक्स, पाईल्स, फिस्टुला व आंतों में छेद एवं पेट के सभी ऑपरेशन) • हड्डी रोग (हिप एवं नी रिप्लेशमेन्ट) • छाती रोग • नेफ्रोलॉजी (डायलिसिस) • स्त्री रोग (हाई रिस्क प्रेगनेन्सी) • नेत्र रोग • शिशु रोग

28 वर्षो से जहर, सर्पदंश, डेंगू, एक्सीडेंट, ट्रामा एवं अन्य एम.एल.सी. के मरीजों में सर्वाधिक जीवन रक्षा का कीर्तिमान

सोनू पोल्ट्री

बड़ा ब्रॉयलर	- रु. 112
मीडियम ब्रॉयलर	- रु. 126
छोटा ब्रॉयलर	- रु. 132

मो.- 9039925999

J.B.F.A

जबलपुर ब्रॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

मुर्गा छोटा	- रु. 136
मुर्गा मीडियम	- रु. 130
मुर्गा बड़ा	- रु. 116
मुर्गा जम्बो	- रु. 116

मो.-9039925000, 9425800409